पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank

पीएनबी प्रतिभा
PNB Pratibha

अंक 65-04 पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका जनवरी-मार्च 2025

वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार विशेषांक

pnb
पीएनबी स्टाफ जर्नल
PNB staff journal

PNB Magazine 2025.indd 1 5/15/2025 11:21:58 PM

गौरव के क्षण-बैंक को प्राप्त पुरस्कार

EASE. 6.0-Top Performing Bank-1st Runner up

पंजाब नैशनल बैंक ने वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में EASE 6.0 सुधार सूचकांक में दो विषयों 1. एनालिटिक्स–संचालित सुधार और 2. तकनीक एवं डेटा क्षमता में पुरस्कार जीता। श्री एम. नागराजू, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री प्रमोद कुमार दूबे, महाप्रबंधक, श्री मनीष अग्रवाल, महाप्रबंधक, श्री वी. के. बंसल, उप महाप्रबंधक।

ICAI AWARDS

पंजाब नैशनल बैंक को भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान से वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु 'सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता' श्रेणी के लिए प्रतिष्ठित सिल्वर शील्ड प्राप्त हुई है। माननीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन मेघवाल से शील्ड तथा प्रमाणपत्र ग्रहण करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक और श्री डी.के. जैन, सीएफओ। पुरस्कार मानदंडों में वित्तीय गुणवत्ता, लेखांकन मानकों के साथ अनुपालन और प्रकटीकरण की व्यापकता शामिल थी।

(आंतरिक परिचालन के लिए)

पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका

मुख्य संरक्षकः

अशोक चंद्र
(प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी)

संरक्षकः

कल्याण कुमार
(कार्यपालक निदेशक)

एम. परमशिवम
(कार्यपालक निदेशक)

बी. पी. महापात्र
(कार्यपालक निदेशक)

डी. सुरेन्द्रन
(कार्यपालक निदेशक)

विशेष सहयोगः

संजय वार्ष्णेय
(मुख्य महाप्रबंधक, वित्तीय समावेशन प्रभाग)

कौशिक चट्टोपाध्याय
(महाप्रबंधक, वित्तीय समावेशन प्रभाग)

प्रबंधकीय संपादकः

राकेश ग्रोवर
(मुख्य महाप्रबंधक–राजभाषा)

संपादकः

मनीषा शर्मा
(सहायक महाप्रबंधक–राजभाषा)

सह संपादकः

आशीष शर्मा
(मुख्य प्रबंधक–राजभाषा)

राजीव शर्मा
(वरिष्ठ प्रबंधक–राजभाषा)

हृदय कुमार
(राजभाषा अधिकारी)

श्री राकेश ग्रोवर, मुख्य महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित
श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा संपादित
पंजाब नैशनल बैंक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय
सेक्टर–10, द्वारका, नई दिल्ली

मुद्रणः

इनफिनिटी एडवर्टाइजिंग सर्विसेस, प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद

पीएनबी प्रतिभा में लेखकों/रचयिताओं द्वारा व्यक्त राय एवं विचार लेखकों के व्यक्तिगत हैं। बैंक प्रबंधन का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

पीएनबी प्रतिभा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश	2
कार्यपालक निदेशक का संदेश	3
मुख्य महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश	4
संपादकीय	5
बैंक के नवनियुक्त एमडी एवं सीईओ महोदय का हार्दिक स्वागत/बैंक के नवनियुक्त कार्यपालक निदेशक महोदय का हार्दिक स्वागत	6–7
अंचल प्रबंधक व्यवसाय सम्मेलन	8–9
कॉरपोरेट गतिविधियां	10
नवाचार और सरकारी व्यवसायः भारत के लिए आगे का रास्ता–लेख/होली मिलन समारोह	11–12
पीएनबी ने मनाया 76वां गणतंत्र दिवस	13–14
उच्चाधिकारियों के दौरे/खुद की राह–कविता	15–17
विकसित भारत की आकांक्षाओं के लिए वित्तपोषण–लेख/निर्गुण–कविता	18–22
पीएनबी ने किया राष्ट्रव्यापी आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन	23
वित्तीय समावेशन की महत्ता/कौन बनेगा करोड़पति–पीएनबी बैंकिंग पार्टनर	24–25
वित्तीय समावेशन में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका–लेख/है कौन? –कविता	26–27
पीएनबी ने आयोजित की टाउनहॉल बैठक	28
पीएनबी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस/वो लड़की–कविता	29–30
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस–नारीशक्ति को नमन!–लेख	31–32
बैंकिंग में साइबर अपराध और उनकी रोकथाम–लेख/कलादीर्घा	33–36
संतोष का स्तर – सबका अपना–अपना –कहानी	37
तीन दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन	38–39
आर्गेनाइजेशन्स में साईकोलॉजिकल सेफ्टी–लेख	40–41
अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेशन और सरकारी व्यवसाय का महत्व–लेख/संसदीय राजभाषा समिति के दौरे	42–43
हमें गर्व है	44–45
पीएम विश्वकर्मा योजना–लेख/नारी–कविता	46–47
लघु बचत योजनाएं–लेख/वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए हिंदी संगोष्ठी का आयोजन	48–49
जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई)	50–51
सीएसआर गतिविधियां	52
समझौता ज्ञापन	53
वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार– लेख/हर तस्वीर कुछ कहती है	54 –56
अभूतपूर्व उपलब्धि	57–60
वित्तीय समावेशन और बैंकिंग कारोबारः एक साथी की भूमिका–लेख/बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय की 160वीं जयंती	61–63
हर तस्वीर कुछ कहती है–उत्कृष्ट प्रविष्टियां	64
भारत का दूसरा ताजमहल (शेरशाह सूरी का मकबरा)– यात्रा संस्मरण/रंग और रूप बदलता सच–कविता	65–66
राजभाषा गतिविधियां	67–68
प्रादेशिक भाषा की रचना	69
पुस्तक समीक्षा/मैं चाहती हूं कि तुम– कविता	70–71
रहस्यमयी और अलौकिक यात्रा–यात्रा वृतांत	72 –74
आपके पत्र	75
वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान पीएनबी प्रतिभा में प्रकाशित रचनाओं के पुरस्कार विजेता	76

PNB Magazine 2025.indd 3 5/15/2025 11:22:03 PM

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

पीएनबी परिवार के प्रिय सदस्यगण,

बैंक की गृह पत्रिका पीएनबी प्रतिभा के माध्यम से आप सभी से प्रथम बार संवाद करते हुए मुझे बहुत ही आत्मीयता और हर्ष की अनुभूति हो रही है। मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि पीएनबी प्रतिभा का यह अंक "वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार" विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

वित्तीय समावेशन केवल एक आर्थिक पहल नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण आधार भी है। एक समावेशी वित्तीय प्रणाली के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र में बसे समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक वित्तीय उत्पाद एवं सेवाएं पहुंचा कर उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जा सकता है, जिससे आर्थिक विकास की गति तेज होती है और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया जा सकता है।

पंजाब नैशनल बैंक, देश का पहला स्वदेशी बैंक है और देश के पहले स्वदेशी बैंक के रूप में अपनी स्थापना से लेकर आज तक समाज और देश के प्रति अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी प्रतिबद्धता की पूर्ति के लिए वित्तीय समावेशन को अपनी प्राथमिकताओं में सर्वोपरि स्थान देता रहा है।

हमारा बैंक समाज के सभी वर्गों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रयासरत है। इस उद्देश्य हेतु बैंक ने डिजिटल बैंकिंग, जन–धन खाते, माइक्रोफाइनेंस, एमएसएमई सहायता, महिला एवं किसान सशक्तिकरण, बीमा योजनाएं जैसी पहलों के माध्यम से हर नागरिक को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़ने का सरल और सुलभ मंच उपलब्ध कराया है। हमारा प्रयास है कि समाज का प्रत्येक वर्ग बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सके।

हम पीएनबी किसान कल्याण ट्रस्ट एवं पीएनबी शताब्दी ग्रामीण विकास ट्रस्ट के अधीन देश भर के 9 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर 12 किसान प्रशिक्षण केन्द्रों (FTC) के माध्यम से वित्तीय समावेशन से संबंधित विविध विषयों पर ग्रामवासियों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहें हैं। साथ ही पीएनबी के विभिन्न अग्रणी जिलों में 78 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (RSETI), 2 ग्रामीण विकास केन्द्रों एवं 342 वित्तीय साक्षरता केन्द्रों के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग को दूरस्थ क्षेत्रों में भी तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान की जा रही है।

पीएनबी ने वर्ष 2012 से कारोबार प्रतिनिधि (बीसी)/बैंक मित्र सेवाएं प्रदान करके समावेशी और समान विकास के लिए वित्तीय समावेशन गतिविधियां प्रारम्भ की और तब से हमारा बैंक ग्रामीण, अर्ध–शहरी, शहरी और मेट्रो केन्द्रों पर अपने बीसी/बैंक मित्रों के माध्यम से बुनियादी सेवाएं प्रदान कर रहा है। हमारे बैंक ने प्रधानमंत्री जन–धन योजना (PMJDY) एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY) और अटल पेंशन योजना (APY) के अंतर्गत खाते खोलने के साथ व्यापक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम लागू किया है, जो हमारे बीसी, शाखाओं और इंटरनेट/मोबाइल बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से उपलब्ध हैं।

हमारा बैंक हमेशा से सरकारी कारोबार से संबंधित कार्यों में अग्रणी रहा है। बैंक भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे सार्वजनिक भविष्य निधि योजना (PPF), राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS), सुकन्या समृद्धि खाता (SSA), सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB), महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (MSSC), वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS) को अपनी शाखाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही बैंक ने सभी सीबीएस शाखाओं में पेंशन के भुगतान को केंद्रीकृत कर दिया है। इस उद्देश्य के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण केंद्र (CPPC) स्थापित किया गया है ताकि देय पेंशन की राशि की गणना केंद्रीय स्तर पर की जा सके। इसके अलावा, डीए आदि के बकाया सहित पेंशन भुगतान मापदंडों में सभी परिवर्तन भी केंद्रीय रूप से किए जाते हैं और बकाया राशि की गणना CPPC द्वारा की जाती है।

हमारे 175 वित्तीय साक्षरता केंन्द्रों (FLC) द्वारा शिविरों के माध्यम से डिजिटल ऑनबोर्डिंग, सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, सरकारी योजनाओं एवं बैंक द्वारा किए गए नवाचारों के बारे में दूरस्थ ग्राहकों को जानकारियां प्रदान की जा रही हैं।

इस पत्रिका के माध्यम से हम वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार से जुड़ी नीतियों, योजनाओं एवं नवाचारों को साझा कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह अंक पाठकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा एवं वित्तीय समावेशन के मिशन को और अधिक व्यापक रूप से कारगर बनाने में मदद करेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

अशोक चंद्र
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

PNB Magazine 2025.indd 2 5/15/2025 11:22:03 PM

कार्यपालक निदेशक का संदेश

प्रिय पीएनबीएंस,

बैंक की तिमाही गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' के माध्यम से आप सभी से संवाद करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। पत्रिका का यह अंक ''वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार'' विषय को समर्पित है। एक भारतीय नागरिक और बैंकर होने के नाते और वर्तमान परिवेश में वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार की महत्ता को देखते हुए मैं इस अंक की अहमियत को समझ सकता हूं।

साथियो, आर्थिक और सामाजिक उन्नति के लिए वित्तीय समावेशन बहुत ही आवश्यक और अपरिहार्य कारक है। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं की सुलभ और आसान पहुंच इस बात को सुनिश्चित करती है कि सभी वर्ग चाहे वह संपन्न हों या वंचित वर्ग ही क्यों न हो आर्थिक रूप से मुख्य धारा से जुड़े हुए हैं। साथ ही वे ऐसा करके देश की अर्थव्यवस्था तथा आर्थिक गतिविधियों में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।

सरकार ने वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार पर बल देते हुए बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों के माध्यम से अनेक योजनाएं लागू की हैं जिनमें जन–धन योजना, नो फ्रिल खाता योजना, लघु खाता योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड–अप इंडिया, वेंचर कैपिटल स्कीम, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम स्वनिधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीपीएफ, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी योजना आदि प्रमुख हैं।

पंजाब नैशनल बैंक वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार के माध्यम से शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे सभी आयु वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में लाने के अपने संकल्प के प्रति दृढ़ संकल्पित है। हमारा बैंक सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी उक्त योजनाओं को देश के कोने–कोने में अपने 22 अंचल कार्यालयों, 138 मण्डल कार्यालयों, 10178 शाखाओं, 11986 एटीएम तथा 1 लाख से अधिक कर्मचारियों के माध्यम से उपलब्ध करवाता आ रहा है। हमारा बैंक टैब बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग तथा इंटरनेट बैंकिंग, डोर स्टेप बैंकिंग, व्हाट्सएप बैंकिंग, बैंक मित्र अथवा बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट के माध्यम से विभिन्न बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं ग्राहकों को प्रदान कर रहा है। बैंक का 18 करोड़ से अधिक का ग्राहक आधार इसका साक्षी है।

जन–धन आधार और मोबाइल से निर्मित माहौल ने वित्तीय समावेशन के संपूर्ण क्षेत्र में एक क्रांति ला दी है। इसके अतिरिक्त डिजिटल क्रांति ने पैसों के सुरक्षित डिजिटल भुगतान, अंतरण आदि को सुलभ बनाते हुए वित्तीय समावेशन को नई दिशा प्रदान की है।

वर्तमान फिनटेक सेवाएं और ओपन बैंकिंग जैसे उपकरण वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और ग्राहकों को पीछे छूटने से रोकने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा वित्तीय समावेशन के अन्य प्रकारों में पीयर–टू–पीयर ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म ऐसे व्यक्तियों को ऋण प्रदान करते हैं जो पारंपरिक ऋण के लिए पात्र नहीं हो सकते हैं, विशेष रूप से क्रेडिट इतिहास की कमी के कारण माइक्रो लेंडिंग भी इसी उद्देश्य की पूर्ति करती है, जो उभरते बाजारों में छोटे व्यवसायों को पूंजी उपलब्ध कराती है, जिन्हें अन्यथा व्यवसाय ऋण नहीं मिल पाता। क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म उद्यमियों को अपने विचारों, उत्पाद विकास, आयोजनाओं या गैर–लाभकारी परियोजनाओं के लिए भुगतान करने हेतु नकदी जुटाने में मदद करते हैं। नकदी रहित लेन–देन से ग्राहक पारंपरिक बैंक खाता खोले बिना भुगतान कर सकते हैं। एआई–संचालित वित्तीय सलाहकार, व्यक्तिगत सलाहकार की तुलना में कम लागत पर अनुकूलित सेवाएं प्रदान करते हैं।

हमारा बैंक वर्तमान में आउट रीच कार्यक्रमों के माध्यम से देश के सूदूर क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। हमारे वर्तमान एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र जी के कुशल नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में पीएनबी परिवार का उच्च प्रबंधन आउटरीच कार्यक्रमों/अभियानों में स्वयं शामिल होकर अंचल/मंडल/शाखा स्तर पर वित्तीय समावेशन को और अधिक संबल प्रदान कर रहा है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि मेरे पीएनबी परिवार का प्रत्येक स्टाफ सदस्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित वित्तीय समावेशन के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपना बहुमूल्य योगदान देगा और सरकार तथा ग्राहकों के विश्वास पर हमेशा खरा उतरता रहेगा। मुझे पूरी आशा है कि पीएनबी प्रतिभा का यह अंक सभी स्टाफ सदस्यों और पाठकों के लिए अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक और मूल्यवान साबित होगा।

शुभकामनाओं सहित।

कल्याण कुमार
कार्यपालक निदेशक

PNB Magazine 2025.indd 3 5/15/2025 11:22:05 PM

मुख्य महाप्रबंधक (राजभाषा) का संदेश

प्रिय पाठकों,

पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका "पीएनबी प्रतिभा" के इस "वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार" विशेषांक के माध्यम से आप सबसे पहली बार संवाद करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वित्तीय समावेशन की आवश्यकता देश के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को आर्थिक गतिविधि की परिधि में लाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वित्तीय समावेशन के इसी महत्व को समझते हुए भारत सरकार ने 28.08.2014 को प्रधानमंत्री जनधन योजना लागू करने का निर्णय लिया। इस योजना के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को सार्वभौमिक, सस्ती और औपचारिक सेवाएं प्रदान करना शुरू किया गया। वित्तीय समावेशन का यह राष्ट्रीय मिशन काफी सफल रहा, जिसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अभी तक इस योजना के अंतर्गत लगभग 55.22 करोड़ खाते खोले गए और इनमें जमा होने वाली धनराशि लगभग 2.59 लाख करोड़ रुपए रही तथा इसके माध्यम से 36 करोड़ से ज्यादा लोगों को रुपे कार्ड जारी किए गए। 13.55 लाख बैंक मित्र देश के कोने–कोने में शाखा रहित बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस योजना में लगभग 67% खाते ग्रामीण व अर्धशहरी क्षेत्रों में खोले गए, जिसमें 55% खाते महिलाओं द्वारा खोले गये, जिसके कारण बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लाखों लोग मुख्यधारा से जुड़ पाये। जन–धन योजना में आधार कार्ड को मोबाईल से जोड़ना एक महत्वपूर्ण व क्रांतिकारी कदम साबित हुआ, जिसके चलते सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों के खातों में अंतरित हो रहा है, जिससे उनका जीवन स्तर ना केवल बेहतर हुआ बल्कि आर्थिक गतिविधियों में भी उनका योगदान बढ़ा है।

पंजाब नैशनल बैंक ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि ग्रामीण और पिछड़े इलाकों तक बैंकिंग सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित की जा सके जैसे; बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (BC) मॉडल–बैंक ने दूर–दराज के गांवों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट और बिजनेस फैसिलिटेटर नियुक्त किए हैं।

- प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY) – बैंक ने बड़ी संख्या में बिना न्यूनतम राशि वाले खाते खोले हैं। इन खातों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है।
- डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल वैन बैंकिंग–जिन क्षेत्रों में बैंक शाखाएं नहीं हैं, वहां बैंक ने मोबाइल वैन और डिजिटल कियोस्क के जरिए वित्तीय सेवाएं दी हैं।
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) – बैंक ने सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में सीधे सब्सिडी और अन्य वित्तीय लाभ पहुंचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था की है।
- ऋण सुविधाएं–ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे किसानों, कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों (SHG) को ऋण और अन्य वित्तीय उत्पाद उपलब्ध कराकर बैंक ने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है।
- वित्तीय साक्षरता अभियान–बैंक ने वित्तीय साक्षरता केंद्रों के माध्यम से लोगों को बचत, निवेश और ऋण के प्रबंधन के प्रति जागरूक किया। सरकारी योजनाओं में भागीदारी–बैंक ने अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसे सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को भी सफलतापूर्वक लागू किया है।

सरकारी कारोबार के अंतर्गत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे सार्वजनिक भविष्य निधि योजना (PPF)– सुरक्षित और कर मुक्त बचत, राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS)– सेवानिवृत्ति के लिए आर्थिक सुरक्षा, सुकन्या समृद्धि खाता (SSA)– बालिकाओं के भविष्य के लिए बचत, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) – सुरक्षित तरीके से सोने में निवेश, महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र (MSSC) – महिलाओं के लिए विशेष बचत योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS) – वरिष्ठ नागरिकों के लिए उच्च ब्याज दर वाली योजना को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के साथ–साथ पीएनबी अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रहा है।

वित्तीय समावेशन के माध्यम से ग्राहकों में वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूकता फैलाना भी वित्तीय समावेशन का प्रमुख उद्देश्य है। वित्तीय साक्षरता के कारण ग्राहक बचत और निवेश की प्रवृति को अपनाते हैं, जिससे अधिशेष धन बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से वंचित एवं जरूरत मंद लोगों तक पहुंचता है। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा और पूंजी का प्रवाह निर्बाध रूप से उपलब्ध हो पाता है। उपलब्ध कार्यशील पूंजी प्रवाह के कारण बड़े और छोटे व्यापारियों को व्यापार हेतु पूंजी प्राप्त हो पाती है। जिसके कारण आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है।

आज के तेजी से बदलते हुए प्रतिस्पर्धी परिवेश में स्वयं को अग्रणी बनाए रखने के लिए पंजाब नैशनल बैंक ने हर वर्ग और क्षेत्र के लिए कई डिजिटल पहलें भी शुरू की हैं जैसे; प्री अप्रूव्ड बिजनेस लोन, प्री अप्रूव्ड पर्सनल लोन, कृषि तत्काल ऋण, ई–मुद्रा, पीएम स्वनिधि, पीएम विश्वकर्मा, डीजी हाउसिंग, डिजिटल गोल्ड लोन, पीएनबी वन मोबाइल ऐप। बैंक की उक्त डिजिटल पहलों का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर और सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना और डिजिटल लेन–देन को सुलभ बनाकर बढ़ावा देना है।

वर्तमान समय की मांग को देखते हुए हमारा बैंक विविध डिजिटल नवाचार माध्यमों से ग्राहकों को उनके घर पर ही बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहा है जैसे पीएनबी वन, टैब बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, डोर स्टेप बैंकिंग, व्हाट्सएप बैंकिंग।

मुझे पूरा विश्वास है कि यह ज्ञानवर्धक और रोचक अंक आप सभी पाठकों को अवश्य पसंद आएगा और साथ ही बैंक के विभिन्न नवाचारों से भी आपको परिचित कराएगा।

आपका विश्वास ही हमारी प्रेरणा है। आइए, हम मिलकर आगे बढ़ें और अपने राष्ट्र को आर्थिक सशक्तिकरण की ओर ले जाएं।

शुभकामनाओं सहित।

राकेश ग्रोवर
मुख्य महाप्रबंधक

PNB Magazine 2025.indd 4 5/15/2025 11:22:06 PM

संपादकीय

सुधी पाठकों,

बैंक की गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' के नवीन अंक के माध्यम से पुनः आप सभी से संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अंक का विषय "वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार" बैंकिंग एवं अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है।

मूलतः वित्तीय समावेशन का मुख्य उद्देश्य वंचित समूहों को वहन लागत पर बैंकिंग सेवाएं, बीमा एवं ऋण प्रदान कर देश की अर्थव्यवस्था से जोड़ना है। यह समतामूलक विकास के सिद्धान्त पर आधारित है। इसके दर्शन के केंद्र में समावेशिता और समानता है जिसका दायरा गरीबों, महिलाओं, किसानों, छोटे उद्यमों और वंचितों तक विस्तारित है।

देश की वित्तीय समावेशन की यात्रा 1950 के दशक में शुरू हुई थी। 1960 के दक्षक में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात विभिन्न पहल की गईं जिनमें शाखा नेटवर्क का विस्तार, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण, अग्रणी बैंक योजना की शुरुआत, स्वयं सहायता समूहों, सयुंक्त देयता समूहों को बढ़ावा देना, बीसी मॉडल का कार्यान्वयन शामिल है। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री जनधन योजना, मुद्रा योजना, स्टैंडअप योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना आदि के माध्यम से नागरिकों को बैंक से जोड़कर वित्तीय समावेशन के लक्ष्य की प्राप्ति में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार की योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वित्तीय साक्षरता का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता के अनुसार केवल 27% भारतीय वयस्क वित्तीय रूप से साक्षर हैं। वित्तीय साक्षरता नागरिकों और वित्तीय सेवाओं के बीच अंतर को कम करती है। साथ ही वित्तीय समावेशन एवं साक्षरता एमएसएमई और छोटे व्यवसायों, जिनकी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% हिस्सेदारी है, को आर्थिक सहायता प्रदान कर रोजगार सृजन करते हैं।

उल्लेखनीय है कि हमारा बैंक पिछले 131 वर्षों की सुदीर्घ और ऐतिहासिक यात्रा सफलतापूर्वक तय कर चुका है। बैंक पिछले कई दशकों से वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार के माध्यम से कृषकों, व्यापारियों, सूक्ष्म, लघु और माध्यम उद्योगों में लगे उद्यमियों, फुटकर तथा थोक विक्रेताओं, सरकारी, निजी क्षेत्र एवं स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों को सस्ते ऋण प्रदान कर उनके सपनों को साकार रूप प्रदान कर रहा है। बैंक अपने उत्पाद, सेवाओं और सभी सरकारी योजनाओं को मैनुअल, वर्चुअल, डिजिटल आदि विविध डिलिवरी चैनलों के माध्यम से ग्राहकों तक 24x7x365 आधार पर निर्बाध रूप से पहुंचा रहा है। वित्तीय समावेशन और सरकारी कारोबार में अपार संभावनाओं को देखते हुए हमारा बैंक इसे आर्थिक विकास के टूल के रूप में देखता है तथा इसके माध्यम से अपना बैंकिंग कारोबार निरंतर बढ़ा रहा है। हमारा बैंक अंतिम पायदान पर खड़े ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप उचित उत्पाद और आधारभूत बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर बैंक पर उनके भरोसे को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैंक ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए कई डिजिटल पहलें आरंभ की है जिसमें छोटे, मध्यम और बड़े कारोबार के लिए आसान वित्तीय उत्पाद और सेवाएं (ऋण सुविधाएं) प्रदान करना शामिल है। बैंक ने प्रधानमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, कारोबार प्रतिनिधि/बैंक मित्र, कियॉस्क बैंकिंग सोल्यूशन (केबीसी) और माइक्रो–एटीएम, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आदि के माध्यम से ग्राहकों के विशाल वर्ग को वित्तीय समावेशन से जोड़ा है।

पत्रिका के इस अंक में आपको 'वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार' से संबंधित विभिन्न लेखों के साथ–साथ समसामयिक लेख, गणतंत्र दिवस एवं महिला दिवस की झलकियां, कॉरपोरेट गतिविधियां, राजभाषा गतिविधियां, उच्चाधिकारियों के दौरे, सीएसआर गतिविधियां, यात्रा वृतांत, कहानी, प्रादेशिक भाषा की रचना, पुस्तक समीक्षा, कविताएं आदि पढ़ने को मिलेंगे। उक्त विभिन्न विधाओं को पत्रिका में शामिल करने का उद्देश्य पत्रिका को अधिक आकर्षक, रुचिकर तथा ज्ञानप्रद बनाना है ताकि पाठक वर्ग इससे लाभान्वित हो सके।

इस विशेषांक में अपना प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बहुमूल्य योगदान देने वाले प्रत्येक सहयोगी का मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। पीएनबी प्रतिभा को इतना स्नेह और आशीर्वाद देने के लिए आप सभी का हार्दिक धन्यवाद और आभार। आशा है आपको यह अंक अवश्य पसंद आएगा। कृपया पत्रिका को और बेहतर बनाने के लिए हमें अपने बहुमूल्य सुझावों और प्रतिक्रियाओं से अवश्य अवगत कराएं।

शुभकामनाओं सहित!

मनीषा शर्मा
सहायक महाप्रबंधक–राजभाषा

PNB Magazine 2025.indd 5 5/15/2025 11:22:06 PM

बैंक के नवनियुक्त एमडी एवं सीईओ महोदय का हार्दिक स्वागत

श्री अशोक चंद्र ने 16 जनवरी 2025 को पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया। उनके पास बैंकिंग उद्योग में 33 वर्षों से अधिक का व्यापक तथा विविध अनुभव है।

श्री चंद्र 21 नवंबर 2022 से 15 जनवरी 2025 तक केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक रहे। केनरा बैंक में कार्यपालक निदेशक के रूप में उन्होंने डिजिटल बैंकिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रणनीति एवं योजना, विपणन और जनसंपर्क, वित्तीय समावेशन, एमएसएमई, खुदरा आस्ति, कृषि और प्राथमिकता क्षेत्र, स्वर्ण ऋण, देयता प्रबंधन, सामान्य प्रशासन आदि सहित विभिन्न वर्टिकलों का संचालन किया है। वह केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, पीएसबी अलायंस लिमिटेड और केनरा वेंचर कैपिटल फंड लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक भी रहे। वह आईबीए की मानव संसाधन संबंधी स्थायी समिति के सदस्य हैं।

नवनियुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री अशोक चंद्र का स्वागत करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक।

इससे पूर्व, वे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में मुख्य महाप्रबंधक के रूप में सेवारत रहे। सीजीएम के रूप में वे बैंक के वसूली, विधि तथा तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल के प्रभारी रहे। बैंक की तनावग्रस्त आस्तियों को कम करने के लिए योजनाबद्ध रणनीति लागू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वह आईबीए द्वारा गठित 'तनावग्रस्त आस्ति पर स्थायी समिति' के सदस्य भी रहे।

बैंक के संस्थापक तथा महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत नवनियुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार।

उन्होंने यूनियन ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक और नैशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) में निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

श्री अशोक चंद्र ने अपना बैंकिंग कैरियर 10 सितंबर 1991 को एक परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में पूर्ववर्ती कॉर्पोरेशन बैंक से शुरू किया और विभिन्न क्षेत्रों में शाखा प्रमुख के रूप में कार्य किया तथा देश भर में बैंक के अंचलों/क्षेत्रों के प्रमुख के रूप में

PNB Magazine 2025.indd 6 5/15/2025 11:22:10 PM

कई दायित्वों का निर्वहन किया। उन्होंने दुबई, यूएई में बैंक के प्रतिनिधि कार्यालय का नेतृत्व करते हुए विदेशी परिचालन में भी कार्य किया है। उन्होंने अपने बैंकिंग करियर में, स्टार परफॉर्मर, बेस्ट ब्रांच अवार्ड, हेल्दी ब्रांच अवार्ड, लीडरशिप अवार्ड, चैंपियन ऑफ चैंपियन अवार्ड आदि जैसे सम्मान और सराहना भी प्राप्त की है।

श्री अशोक चंद्र अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं तथा वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स के प्रमाणित एसोसिएट भी हैं। उन्हें वर्ष 2019–20 के दौरान बैंक बोर्ड ब्यूरो द्वारा डिजाइन किए गए तथा आईआईएम बेंगलुरु द्वारा संचालित लीडरशिप कार्यक्रम में सहभागिता के लिए चयनित किया गया।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेवृत्व में पंजाब नैशनल बैंक सफलता के नए सोपान प्राप्त करेगा और बैंकिंग इंडस्ट्री में एक नई मिसाल कायम करेगा। पीएनबी प्रतिभा का संपादक मंडल आपका हार्दिक स्वागत करता है तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

बैंक के नवनियुक्त कार्यपालक निदेशक महोदय का हार्दिक स्वागत

श्री डी. सुरेन्द्रन, अन्नामलाई विश्वविद्यालय से कृषि में स्नातकोत्तर हैं तथा भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट भी हैं। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु में बैंक बोर्ड ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भी भाग लिया।

श्री सुरेन्द्रन ने वर्ष 1990 में केनरा बैंक में कृषि विस्तार अधिकारी (AEO) के रूप में अपने करियर की शुरुआत की और पिछले 34 वर्षों से कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, नई दिल्ली और आंध्र प्रदेश राज्यों में विभिन्न पदों पर बैंक को अपनी सेवाएं दी हैं। वे अति वृहद शाखाओं और असाधारण रूप से बड़ी शाखाओं के प्रमुख रहे हैं। श्री सुरेन्द्रन कर्नाटक ग्रामीण बैंक में महाप्रबंधक के रूप में तथा केनरा बैंक, मंडल कार्यालय, मदुरै के प्रमुख के रूप में पदभार संभाल चुके हैं। मुख्य महाप्रबंधक के रूप में, श्री सुरेन्द्रन केनरा बैंक के प्रधान कार्यालय में मानव संसाधन प्रभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत रहे।

उनके वृहद अनुभव में शाखा बैंकिंग, प्राथमिकता ऋण, एमएसएमई, खुदरा ऋण, वसूली और मानव संसाधन सम्मिलित हैं। मानव संसाधन प्रभाग के प्रमुख के रूप में श्री सुरेन्द्रन के कार्यकाल के दौरान, प्रोजेक्ट आरोहण–एचआर परिवर्तन आरंभ किया गया था। श्री सुरेन्द्रन को केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बोर्ड में भी नामित किया गया था।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में पंजाब नैशनल बैंक सफलता के नए सोपान प्राप्त करेगा और बैंकिंग इंडस्ट्री में एक नई मिसाल कायम करेगा। पीएनबी प्रतिभा का संपादक मंडल आपका हार्दिक स्वागत तथा अभिनंदन करता है एवं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

नवनियुक्त कार्यपालक निदेशक श्री डी. सुरेन्द्रन का स्वागत करते हुए श्री राघवेन्द्र कुमार, मुख्य सर्तकता अधिकारी।

PNB Magazine 2025.indd 7 5/15/2025 11:22:13 PM

अंचल प्रबंधक व्यवसाय सम्मेलन

ZONAL MANAGER'S BUSINESS CONFERENCE

प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अंचल प्रबंधक व्यवसाय सम्मेलन के दौरान उपस्थित प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशकगण श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बिभु प्रसाद महापात्र।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र की अध्यक्षता में अंचल प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन दिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर सभी कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधक/महाप्रबंधकगण, अंचल प्रबंधक एवं अंचल सस्त्रा प्रमुख उपस्थित थे तथा मंडल प्रमुखों, वर्टिकल प्रमुखों एवं अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों, बैंक के सभी अधिकारियों ने वेबएक्स/वीसी के माध्यम से सम्मेलन में सहभागिता की।

सम्मेलन का शुभारंभ बैंक के एमडी एवं सीईओ, कार्यपालक निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने और बैंक के संस्थापक एवं पंजाब केसरी लाला लाजपत राय को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुआ।

आरंभ में, एमडी एवं सीईओ ने दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन के लिए बैंक की सराहना की। उन्होंने कहा कि बैंक के सकल वैश्विक कारोबार में 15.25% की वृद्धि हुई है, जो समकक्ष बैंकों में सबसे अधिक है और पीएसबी की 10.96% की वृद्धि से काफी अधिक है। उन्होंने मार्च 2023 तक 2.72% से 24 दिसंबर तक शुद्ध गैर–निष्पादित आस्तियों (एनएनपीए) के अनुपात को 0.41% तक कम करने की दिशा में किए गए प्रयासों की भी सराहना की, जो सभी पीएसबी के बीच बीपीएस के संदर्भ में सबसे तेज गिरावट है।

PNB Magazine 2025.indd 8 5/15/2025 11:22:14 PM

सम्मेलन के दौरान विविध बैंकिंग कारोबार क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्यालय प्रमुखों को पुरस्कृत करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बिभु प्रसाद महापात्र।

इसके बाद, एमडी और सीईओ ने 'कर्मचारी पहले' दृष्टिकोण के अपने दृढ़ विश्वास पर जोर दिया। उन्होंने क्रमश; 7 और 8 फरवरी एवं 13 फरवरी, 2025 को आयोजित दो अभियानों, रिटेल एक्सपो और एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की सफलता के लिए फील्ड के कर्मचारियों तथा स्टाफ सदस्यों की सराहना की।

कार्यक्रम के अगले चरण में विविध बैंकिंग कारोबार क्षेत्रों में समग्र व्यावसायिक प्रदर्शन, डिजिटल ऋण व्यवसाय, खुदरा आवास ऋण अभियान, कृषि अवसंरचना निधि अभियान में चलाये गए अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्यालयों जैसे अंचल, करेंसी चेस्ट के प्रमुखों को एमडी एवं सीईओ, श्री अशोक चंद्र तथा कार्यपालक निदेशकगण श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम तथा श्री बी.पी. महापात्र ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

PNB Magazine 2025.indd 9 5/15/2025 11:22:21 PM

माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से खास मुलाकात

पंजाब नैशनल बैंक में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ।

माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से पार्लियामेंट हाउस में मुलाकात के दौरान उनका पुष्पगुच्छ से अभिनन्दन करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी।

विशेष मुलाकात

केनरा बैंक के एमडी एवं सीईओ श्री. के. सत्यनारायण राजू के पीएनबी प्रधान कार्यालय आगमन पर उनका स्वागत करते हुए श्री अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ। दृष्टव्य हैं कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र, श्री डी. सुरेन्द्रन।

तृतीय तिमाही वित्तीय परिणाम (दिसम्बर, 2024)

बैंक की तृतीय तिमाही के वित्तीय परिणाम की घोषणा के दौरान वर्चुअल प्रेस सम्मेलन में सहभागिता करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशकगण श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बिभु प्रसाद महापात्र।

नवाचार और सरकारी व्यवसायः भारत के लिए आगे का रास्ता

गिरीश कोहली, सहायक महाप्रबंधक, मंडल कार्यालय, गुवाहाटी

भारत, अपनी बढ़ती युवा आबादी और एक जीवंत उद्यमशीलता की भावना के साथ, एक वैश्विक नवाचार शक्ति के रूप में उभरने की क्षमता रखता है। हालांकि, इस क्षमता को साकार करने के लिए सरकार और व्यापार क्षेत्र के बीच एक मजबूत और सहजीवी संबंध की आवश्यकता है। यह निबंध भारत में नवाचार को बढ़ावा देने में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाएगा और आगे बढ़ने के लिए एक सफल तरीके के लिए प्रमुख रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करेगा।

भारत में नवाचार के लिए उत्प्रेरक के रूप में सरकारः

भारत सरकार ने हाल के वर्षों में एक नवाचार–संचालित अर्थव्यवस्था को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ''स्टार्टअप इंडिया'' और ''मेक इन इंडिया'' जैसी पहलों ने उद्यमशीलता और विनिर्माण को बहुत जरूरी प्रोत्साहन दिया है। हालांकि, इसके समक्ष कई चुनौतियां बनी हुई हैं:

- **अनुसंधान और विकास की खाई को पाटनाः** जबकि भारत में शिक्षा जगत में एक मजबूत प्रतिभा पूल है, अनुसंधान को विपणन योग्य उत्पादों और सेवाओं में बदलना एक महत्वपूर्ण बाधा बनी हुई है। सरकार इस अंतर को पाट सकती है:
- **अनुसंधान एवं विकास निधि में वृद्धिः** एआई, जैव प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान दोनों के लिए पर्याप्त संसाधन आबंटित करना।
- **उद्योग–अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देनाः** ज्ञान हस्तांतरण और प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और व्यवसायों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना।
- **विश्व स्तरीय अनुसंधान अवसंरचना की स्थापनाः** शोधकर्ताओं को आवश्यक उपकरण और संसाधन प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान पार्कों और ऊष्मायन केंद्रों में निवेश करना।
- **एक सक्षम विनियामक वातावरण बनानाः** एक जटिल और बोझिल विनियामक ढांचा नवाचार को बाधित कर सकता है। सरकार विनियमन को सुव्यवस्थित कर सकती है।
- **नौकरशाही बाधाओं को कम करनाः** व्यवसायों के लिए अनुमोदन और मंजूरी में नौकरशाही देरी को कम करना।
- **एक पूर्वानुमानित और पारदर्शी विनियामक व्यवस्था को लागू करनाः** विनियामक प्रक्रियाओं के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश और समय–सीमा प्रदान करना।
- **प्रौद्योगिकी का लाभ उठानाः** दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विनियामक अनुपालन और अनुमोदन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना।
- **नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देनाः** नवाचार की संस्कृति को विकसित करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है:
- **STEM शिक्षा को बढ़ावा देनाः** कुशल प्रतिभाओं की पाइपलाइन को पोषित करने के लिए सभी स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण STEM (Science, Technology, Engineering and Mathematics) शिक्षा में निवेश करना।

PNB Magazine 2025.indd 11 5/15/2025 11:22:24 PM

- **जोखिम लेने और प्रयोग करने को प्रोत्साहित करना:** शिक्षा प्रणाली और व्यावसायिक वातावरण में विफलता के लिए प्रयोग और सहिष्णुता की संस्कृति को बढ़ावा देना।
- **नवाचार और उद्यमिता का जश्न मनाना:** भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए सफल नवप्रवर्तकों और उद्यमियों को पहचानना और पुरस्कृत करना।

सरकारी व्यवसाय सहयोग: प्रमुख रणनीतियां:

भारत में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए सरकार और व्यवसाय क्षेत्र के बीच प्रभावी सहयोग महत्वपूर्ण है। इसे प्राप्त करने के लिए प्रमुख रणनीतियों में शामिल हैं:

- **सार्वजनिक–निजी भागीदारी (PPP):** स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए PPP का लाभ उठाना। इसमें संयुक्त उद्यम, अनुसंधान परियोजनाओं का सह–वित्तपोषण और अभिनव समाधानों का सहयोगी विकास शामिल हो सकता है।
- **सरकारी खरीद नीतियां:** नवीन तकनीकों और उत्पादों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी खरीद नीतियों का उपयोग करना। इसमें घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं, विशेष रूप से अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल करने वाली वस्तुओं के लिए तरजीही उपचार शामिल हो सकता है।
- **कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम:** कार्यबल की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाले कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए व्यवसायों के साथ सहयोग करना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कार्यबल के पास नवाचार–संचालित अर्थव्यवस्था में फलने–फूलने के लिए आवश्यक कौशल हैं।
- **डेटा साझाकरण और खुला नवाचार:** अनुसंधान और विकास उद्देश्यों के लिए व्यवसायों के साथ सरकारी डेटा के जिम्मेदार साझाकरण की सुविधा प्रदान करना। इससे ऐसे अभिनव अनुप्रयोगों और सेवाओं का विकास हो सकता है जो सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को लाभान्वित करते हैं।

प्रधान कार्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन

होली की पूर्व संध्या पर पीएनबी के प्रधान कार्यालय में आयोजित होली मिलन समारोह के अवसर पर स्टाफ सदस्यों को सम्बोधित करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र।

PNB Magazine 2025.indd 12 5/15/2025 11:22:25 PM

पीएनबी ने मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र बैंक के कार्यपालक निदेशकगणों और सीवीओ के साथ दिल्ली स्थित पीएनबी के प्रधान कार्यालय में 76वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

पंजाब नैशनल बैंक ने नई दिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय में 76वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र द्वारा बैंक के कार्यपालक निदेशकगणों, सीवीओ, सीजीएम और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई।

इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा, कि "76वें गणतंत्र दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं प्रत्येक भारतीय को हार्दिक बधाई देता हूं। स्वतंत्रता की हमारी यात्रा को याद करते हुए, हम उस ऐतिहासिक क्षण को नमन करते हैं जब भारत ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दूरदर्शी नेतृत्व में 1949 में देश के लिए एक संविधान का निर्माण किया, जिसने हमारी संप्रभुता और मौलिक अधिकारों की नींव रखी। आज, जब हम अपने नायकों के बलिदान और सीमाओं की रक्षा करने वाले अपने सैनिकों की वीरता का सम्मान करते हैं, तो हमें यह भी संकल्प लेना चाहिए कि 2047 तक, जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएंगे, एक विकसित भारत का निर्माण करेंगे। अविकसित से विकासशील राष्ट्र तक की हमारी यात्रा हमें अब एक दृढ़ संकल्पित मार्ग पर ले जा रही है, जहां 2047 तक हमारा सकल घरेलू उत्पाद (GDP) $30 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। यह परिवर्तनकारी यात्रा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, विशेषकर पंजाब नैशनल बैंक, के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करती है। हमारी 65% जनसंख्या ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों में निवास करती है और इनमें से कई अभी भी असंगठित ऋण प्रणालियों पर निर्भर हैं। ऐसे में हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि हर भारतीय को वित्तीय समावेशन का लाभ मिले। पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम स्वनिधि जैसे अभियानों और उत्तर एवं उत्तर–पूर्व भारत में हमारे मजबूत नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, हम इन अंतरालों को कम कर सकते हैं और अंतिम छोर तक सस्ती वित्तीय सेवाएं पहुंचा सकते हैं। मैं पूरे पीएनबी परिवार से आग्रह करता हूं कि वे हर घर में वित्तीय समावेशन की संस्कृति विकसित करने का संकल्प लें और विकसित भारत की रूपरेखा को सशक्त बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करें। आइए, मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जहां प्रत्येक नागरिक को समान अवसर और संसाधनों तक आसान पहुंच हो, जिससे हमारे पूर्वजों के दृष्टिकोण और आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके।"

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र।

PNB Magazine 2025.indd 13 5/15/2025 11:22:29 PM

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'परिचय फाउंडेशन' को सहायता राशि का चेक प्रदान करते हुए पीएनबी प्रेरणा की महिला सदस्याएं।

इसके अतिरिक्त, बैंक की वरिष्ठ महिला अधिकारियों और वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की पत्नियों के संगठन पीएनबी प्रेरणा के सहयोग से पंजाब नैशनल बैंक (PNB) ने इस्कॉन द्वारका को 750 हैप्पीनेस किट्स और हैप्पी मील्स का वितरण जरूरतमंद बच्चों के लिए किया। बैंक ने राहगिरी फाउंडेशन के साथ मिलकर ''नो हॉर्निंग'' अभियान को भी प्रोत्साहित किया। दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में कैंसर रोगियों को दैनिक आवश्यकता में सहायता प्रदान करने के लिए बैंक ने कैन–सपोर्ट के साथ साझेदारी की। महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को बेहतर बनाने के लिए पीएनबी ने 'परिचय फाउंडेशन' के साथ मिलकर ''प्रोजेक्ट पोषण'' के तहत विभिन्न पहल कीं। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए, बैंक ने हेलमेट मैन फाउंडेशन के सहयोग से देशभर में हेलमेट का वितरण किया। साथ ही, ऑरो–मिरा सर्विस सोसाइटी द्वारा संचालित ऑरो–मिरा विद्या मंदिर की सहायता से आठ बच्चों की शिक्षा में सहयोग किया इसके अतिरिक्त, चौधरी फाउंडेशन के साथ मिलकर जरूरतमंद बच्चों को कंप्यूटर भी वितरित किए।

समारोह में पीएनबी परिवार के सदस्यों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शामिल थीं, जिसने इस पर उत्सव भावना बढ़ाने में योगदान किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए स्टाफ सदस्य।

अनुरोध

पीएनबी स्टाफ जर्नल/प्रतिभा के सुधि पाठकों से अनुरोध है कि इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों एवं रचनाओं के बारे में यदि आप अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराएंगे तो हम इसके लिए आपके आभारी होंगे। निःसंदेह इससे पत्रिका के आगामी अंकों को और सुन्दर तथा सुरुचिपूर्ण बनाने में हमें सहायता मिलेगी। आपके बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

पत्रिका में सभी स्टाफ सदस्यों, उनके परिवारजनों तथा सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों की रचनाएं भी स्वीकार्य हैं। आप सभी के सहयोग से हम इस पत्रिका को एक पारिवारिक पत्रिका बनाने की ओर अग्रसर रहेंगे।

अंचल कार्यालयों में नियुक्त पीएनबी स्टाफ जर्नल के प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित मंडल कार्यालयों में नियुक्त अधिकारियों से पत्रिका में प्रकाशन योग्य सामग्री एकत्रित करके ई–मेल pnbstaffjournal@pnb.co.in पर या सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली को भिजवाना सुनिश्चित करें।

पीएनबी प्रतिभा का आगामी अंक **'मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण'** (अप्रैल–जून 2025) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

PNB Magazine 2025.indd 14 5/15/2025 11:22:34 PM

उच्चाधिकारियों के दौरे

नवनियुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र का मंडल कार्यालय, बेंगलुरु में कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर अभिनंदन करते हुए तत्कालीन अंचल प्रबंधक, हैदराबाद, श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव एवं मंडल कार्यालय, बेंगलुरु के उच्चाधिकारीगण।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चन्द्र भुवनेश्वर में आयोजित पीएनबी गृह ऋण एक्सपो 2025 के अवसर पर लाभार्थी ग्राहक को संस्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री राजेश कुमार, अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर (तत्कालीन) एवं श्री लक्ष्मीकान्त मिश्रा, मंडल प्रमुख, भुवनेश्वर।

अगरतला में शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी कृषि आउटरीच कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं माननीय वित्त मंत्री, त्रिपुरा राज्य श्री प्राणजीत सिंघा रॉय का स्वागत करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री चित्तरंजन प्रूष्टि, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी (तत्कालीन) तथा श्री ऋतुराज कृष्ण, मंडल प्रमुख, अगरतला।

भुवनेश्वर में माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा, श्री मोहन चरण माझी से लोकसेवा भवन में मुलाकात करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं अन्य उच्चाधिकारीगण। बैठक के दौरान, उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री को राज्य के आर्थिक विकास में बैंक के योगदान के बारे में अवगत कराया और ओडिशा में इसके भविष्य के विस्तार की योजनाओं पर जानकारी साझा की।

बेंगलुरु में ग्राहकों हेतु आयोजित पीएनबी होम लोन एक्सपो कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र, मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुनील कुमार चुघ, मंडल प्रमुख, बेंगलुरु श्री रतीश कुमार सिंह। इस दौरान बिल्डर्स, सोलर डीलर्स और इवेंट टीम के साथ महत्वपूर्ण परिचर्चाएं की गई तथा अपने अनुभव साझा किए गए। साथ ही इस दौरान ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने के लिए मूल्यवान फीडबैक भी लिए गए।

गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रव्यापी पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के दौरान श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पौधा भेंट कर अभिनंदन करते हुए श्री चित्तरंजन प्रूष्टि, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी (तत्कालीन) तथा श्री उपेंद्र कुमार, मण्डल प्रमुख, गुवाहाटी।

PNB Magazine 2025.indd 15 5/15/2025 11:22:37 PM

उच्चाधिकारियों के दौरे

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रव्यापी पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को संबोधित करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं श्री परवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली, श्री पुरुषोत्तम विनीत, मण्डल प्रमुख, पश्चिमी दिल्ली एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

भीलवाडा, उदयपुर, राजस्थान में आयोजित पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री राजेश भौमिक, अंचल प्रबंधक, जयपुर और श्री रामपाल सोनी, अध्यक्ष, संगम ग्रुप, श्री दिनेश नोलखा, अध्यक्ष और एमडी, नितिन स्पिनर्स, श्री त्रिलोक चंद्र छाबडा, अध्यक्ष, आरसीएम ग्रुप और श्री पंकज ओस्टवाल, एमडी, एमबीएपीएल।

रायपुर में आयोजित राष्ट्रव्यापी पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए श्री एम. परमशिवम कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य है, श्री आशीष कुमार चतुर्वेदी, अंचल प्रबंधक, रायपुर एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

श्री एम. परमशिवम, कार्यपालक निदेशक चेन्नई में आयोजित पीएनबी होम लोन एक्सपो के दौरान होम लोन तथा सूर्य घर योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री पी. महेंद्र, अंचल प्रबंधक, चेन्नई, श्री एन.वी. एस.पी. रेड्डी, मंडल प्रमुख, चेन्नई एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

चंडीगढ़ में आयोजित 171वीं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (पंजाब) की बैठक में सहभागिता करते हुए श्री बी.पी. महापात्र, कार्यपालक निदेशक, श्री संजीव कपूर, उप मंडल प्रमुख, लुधियाना। इस अवसर पर श्री अजय कुमार सिन्हा, मुख्य सचिव–वित्त, पंजाब सरकार, श्री विवेक श्रीवास्तव, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, श्री रघुनाथ बी, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रव्यापी पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए श्री बिभु प्रसाद महापात्र, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं, श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, हैदराबाद (तत्कालीन) एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

PNB Magazine 2025.indd 16 5/15/2025 11:22:41 PM

उच्चाधिकारियों के दौरे

मुंबई में आयोजित पीएनबी एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम के दौरान श्री बिभु प्रसाद महापात्र, कार्यपालक निदेशक ग्राहकों को संबोधित करते हुए। इस अवसर पर श्री फिरोज हसनैन, अचल प्रबंधक, मुंबई (तत्कालीन), श्री हरदीप बत्रा, सीमा शुल्क आयुक्त, श्री दुष्यंत मुलानी, अध्यक्ष आईआरएस फेडरेशन ऑफ फ्रेट फॉरवर्डस एसोसिएशन इन इंडिया (एफएफएफएआई) भी उपस्थित रहे।

कोलकाता में आयोजित होम लोन एक्सपो कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए श्री बिभु प्रसाद महापात्र, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं श्री पुष्कर तराई, अंचल प्रबंधक, कोलकाता (तत्कालीन), श्रीमती भुवनेश्वरी वेंकटरमण, उप अंचल प्रबंधक, कोलकाता (तत्कालीन) एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

खुद की राह

आत्मा की गहराई में तू झाँक तो जरा,
बह केवल न सतही लहरों में तू बन कतरा।

जो दिखता है, वह सदा सच नहीं होता,
असली अर्थ तो है भीतर छुपा हुआ होता।

नकली परछाइयों में खो तू मत जाना,
अपनी पहचान को तू, यूं ही मत भुलाना।

जीवन का अर्थ तू खुद से ही पूछना,
दूसरों के नक्शे–कदम पर मत चलना।

सुन अपने अन्तर्मन की आवाज को ध्यान से,
हर शब्द में कुछ सीख और संदेश छुपा है।

जो सार्थक हो, तुझे है वही अपनाना,
जो खोखला हो, उसे तुझे छोड़ है देना।
लहरों की चकाचौंध से होकर तू परे,
सागर की गहराई में तू उतर तो जरा।

वहीं मिलेगा तुझे सत्य तेरा,
बस तू अपनी खुद की राह पकड़ तो जरा।

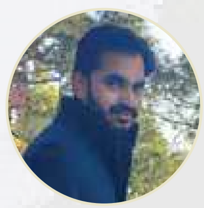

राजन अरोड़ा
प्रबंधक
पीएफ एंड पेंशन प्रभाग, प्रधान कार्यालय

जिंदगी की किताब में, धैर्य के कवर का होना बहुत जरूरी है.... क्योंकि.... वही हर पन्ने को बांध कर रखता है।

PNB Magazine 2025.indd 17 5/15/2025 11:22:44 PM

विकसित भारत की आकांक्षाओं के लिए वित्तपोषण

प्रमोद कुमार साहू, सहायक महाप्रबंधक, मंडल कार्यालय, भुवनेश्वर

"सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत।"

(अर्थः सभी सुखी रहें, सभी स्वस्थ रहें, सभी का मंगल हो, और कोई भी दुःख का भागी न बने।)

भारत, जो विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है, आज विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। यह आकांक्षा केवल सपना नहीं है, बल्कि इसे साकार करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है, जब भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो और सामाजिक, पर्यावरणीय, एवं तकनीकी क्षेत्रों में संतुलित प्रगति करे। इसके लिए वित्तपोषण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैसा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था: **"सपने वह नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वह हैं जो हमें सोने नहीं देते।"** भारत की प्रमुख आकांक्षाएं:

(क) आर्थिक विकासः

"अर्थस्य मूलं राज्यं, राज्यस्य मूलं अर्थः।"

(अर्थः अर्थव्यवस्था राज्य का मूल है, और राज्य अर्थव्यवस्था का आधार।)

आर्थिक विकास भारत की सबसे बड़ी आकांक्षाओं में से एक है। यह न केवल देश की समृद्धि का प्रतीक है, बल्कि जनता के जीवन स्तर को सुधारने का माध्यम भी है। भारत ने 2047 तक $5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए आवश्यक है कि हर क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों का समुचित उपयोग हो। आर्थिक विकास के क्षेत्रः

- **उद्योग और विनिर्माणः** मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के तहत भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने का प्रयास। छोटे और मध्यम उद्योगों (MSMEs) का सशक्तिकरण। कृषि क्षेत्र में निवेश, क्योंकि यह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

"करत–करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर परत निशान।"

(अर्थः लगातार अभ्यास से कठिन कार्य भी सफल होते हैं।)

- **विदेशी निवेशः** प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करना। सेवा क्षेत्र (IT, स्वास्थ्य, शिक्षा) में भारत की वैश्विक पहचान मजबूत करना।
- **आधारभूत संरचनाः** सड़कों, रेलवे, हवाई अड्डों, और बंदरगाहों के विस्तार में निवेश। स्मार्ट सिटी परियोजना और आवास योजनाएं।

"जहां चाह, वहां राह।"

आर्थिक विकास के माध्यम से भारत गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन जैसे लक्ष्यों को पूरा कर सकता है।

(ख) सामाजिक समृद्धिः

"सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय।"

(अर्थः सभी के हित और सुख के लिए कार्य करना।)

सामाजिक समृद्धि का मतलब है कि प्रत्येक नागरिक को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिले। मुख्य क्षेत्रः

- **शिक्षाः** प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के तहत शिक्षा में सुधार। डिजिटल लर्निंग और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम।

"विद्या विनयेन शोभते।"

(अर्थः शिक्षा से विनम्रता आती है।)

- **स्वास्थ्य सेवाएंः** प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान भारत) के तहत सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाएं। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का

PNB Magazine 2025.indd 18 5/15/2025 11:22:44 PM

विस्तार। महामारी प्रबंधन और वैक्सीन अनुसंधान।

"निरोगी काया ही सबसे बड़ा धन है।"

- **सामाजिक समानता:** महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष योजनाएं। विकलांग और बुजुर्ग नागरिकों के लिए सहायक नीतियां।

"नहि दरिद्र सम दुःख जग माहीं।"

(अर्थः गरीबी से बड़ा कोई दुख नहीं है।)

(ग) तकनीकी उन्नति:

"विज्ञानं यथा प्रकाशयति।"

(अर्थः विज्ञान और तकनीक दुनिया को प्रकाशमान बनाते हैं।)

तकनीकी प्रगति के बिना किसी भी राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। भारत, डिजिटल क्रांति और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से विश्व के अग्रणी देशों में स्थान बनाने की कोशिश कर रहा है। तकनीकी उन्नति के क्षेत्र:

- **डिजिटल क्रांति:** डिजिटल इंडिया पहल के तहत इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार। ऑनलाइन सेवाओं और ई–गवर्नेंस का प्रसार। फिनटेक और डिजिटल भुगतान प्रणाली।
- **स्टार्टअप और नवाचार:** स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया अभियान। एआई (AI), रोबोटिक्स, और ब्लॉकचेन तकनीक में अनुसंधान।
- **स्वदेशी तकनीकी विकास:** रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक। अंतरिक्ष अनुसंधान (ISRO) और चंद्रयान–3 जैसी उपलब्धियां।

"असंभव कुछ भी नहीं, यदि हौसला बुलंद हो।"

(घ) पर्यावरणीय स्थिरता:

"प्रकृतिः रक्षति रक्षितः।"

(अर्थः यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी।)

भारत की विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं पर्यावरणीय स्थिरता के बिना अधूरी हैं। विकास तभी सार्थक होगा, जब यह प्रकृति और पर्यावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करे। मुख्य क्षेत्र:

- **हरित ऊर्जा:** सौर, पवन, और जैव ऊर्जा में निवेश। 2030 तक गैर–जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाना।
- **जलवायु परिवर्तन:** जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस नीतियां। वनीकरण और जल संसाधनों का संरक्षण।

विकास के लिए वित्तपोषण के स्रोत:

"अर्थशास्त्रं पुराणं च धर्मशास्त्रं च संगतम्।
आर्थिकं राजसिद्ध्यर्थं सर्वदा देशसंग्रहम।"

(अर्थः अर्थशास्त्र, धर्म और पुरातन ज्ञान को साथ लेकर ही राष्ट्र की सफलता संभव है।)

किसी भी देश की प्रगति उसके वित्तीय संसाधनों की सुदृढ़ता और उनके कुशल प्रबंधन पर निर्भर करती है। भारत जैसे विशाल देश में, जहां विविधताएं ही उसकी पहचान हैं, वित्तपोषण के अनेक स्रोत हैं। ये स्रोत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों को सही तरीके से एकत्रित और उपयोग करने में सहायक होते हैं।

(क) राष्ट्रीय स्रोत: राष्ट्रीय स्रोत किसी भी देश के विकास का मूल आधार होते हैं। यह न केवल देश के आर्थिक तंत्र को सशक्त बनाते हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देते हैं।

- ➤ **सरकारी बजट और योजनाएं:** सरकार द्वारा प्रतिवर्ष पेश किया जाने वाला बजट विकास कार्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय स्रोत है।
- ➤ **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY):** ग्रामीण भारत को सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य।
- ➤ **जन–धन योजना:** गरीबों के लिए बैंकिंग सेवाओं की सुविधा।
- ➤ **आयुष्मान भारत:** स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दुनिया की सबसे बड़ी बीमा योजना।

"जहां नीति, वहां प्रीति।"

सरकारी बजट नीतिगत प्राथमिकताओं को दर्शाता है और संसाधनों को कुशलतापूर्वक उपयोग करता है।

- **बैंकिंग और वित्तीय संस्थान:** रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI): भारत की मौद्रिक नीतियों का नियामक। वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों के माध्यम से कृषि, स्टार्टअप्स, और छोटे उद्योगों को ऋण।

PNB Magazine 2025.indd 19 5/15/2025 11:22:44 PM

- **सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSUs):** ओएनसीजी (ONGC), भेल (BHEL), और अन्य PSUs का योगदान भारत के बुनियादी ढांचे और ऊर्जा क्षेत्र में अहम है।
- **गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) का सहयोग:** NGOs शिक्षा, स्वास्थ्य, और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्रोतों का उपयोग करते हैं।

(ख) अंतरराष्ट्रीय स्रोत:

"वसुधैव कुटुंबकम।"

(अर्थ: पूरी दुनिया एक परिवार है।)

आज के वैश्वीकृत युग में, भारत को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और सहयोगियों से बड़ी मदद मिलती है।

- **विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI):** FDI भारत के विनिर्माण, तकनीकी, और सेवा क्षेत्रों में बड़ा योगदान देता है। मेक इन इंडिया: भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की पहल। विदेशी कंपनियों द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश।
- **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं:** विश्व बैंक और IMF: आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए ऋण और अनुदान। गरीब देशों की मदद के लिए ऋण राहत कार्यक्रम।
- **एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB):** ग्रामीण विकास और हरित ऊर्जा में निवेश।
- **अनुदान और सहायता:** भारत को विभिन्न देशों और संस्थानों से शिक्षा, स्वास्थ्य, और आपदा प्रबंधन के लिए अनुदान मिलता है। 2020 में कोविड–19 महामारी के दौरान भारत ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग से वैक्सीन निर्माण और वितरण में अग्रणी भूमिका निभाई।
- **वैश्विक जलवायु कोष (Global Climate Fund):** भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए इस कोष से कई परियोजनाएं शुरू की हैं, जैसे सौर ऊर्जा में निवेश।

"सांझे रुख के नीचे सब सुखी होय।"

(अर्थ' सहयोग से सबका भला होता है।)

(ग) निजी क्षेत्र की भूमिका

"जो डरा, वो मरा।"

(अर्थ: निजी क्षेत्र में जोखिम लेने का साहस विकास को बढ़ावा देता है।)

निजी क्षेत्र ने विकास की प्रक्रिया में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

- **पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP):** सड़कों, पुलों, और मेट्रो जैसी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में PPP मॉडल का उपयोग। 2023 में मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का एक बड़ा हिस्सा PPP मॉडल पर आधारित है।
- **स्टार्टअप्स:** भारत में स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण, जैसे स्टार्टअप इंडिया। फिनटेक और एड–टेक जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश। 2022 में, भारत ने 100 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स का निर्माण किया।
- **कॉरपोरेट और मल्टीनेशनल कंपनियां:** तकनीकी और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में बड़े निवेश। रोजगार सृजन और इनोवेशन में योगदान।

(घ) सामुदायिक और सीएसआर स्रोत:

"नर सेवा, नारायण सेवा।"

(अर्थ: मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है।)

सामुदायिक स्रोत और कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के तहत, सामाजिक परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

- **कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व:** बड़े कॉरपोरेट द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, और पर्यावरणीय स्थिरता परियोजनाओं में योगदान। उदाहरण: टाटा ग्रुप और रिलायंस फाउंडेशन जैसे बड़े औद्योगिकी संगठनों का ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश।
- **सामुदायिक वित्तपोषण:** ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों का गठन। स्थानीय स्तर पर धन जुटाने के लिए क्राउडफंडिंग का उपयोग।

"बूँद–बूँद से घट भरता है।"

छोटे सामुदायिक प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं।

(ङ) वैकल्पिक वित्तपोषण के स्रोत:

- **हरित बांड:** नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय परियोजनाओं में निवेश। भारत में 2022 में 7.5 बिलियन डॉलर के हरित बांड जारी किए गए।
- **क्राउडफंडिंग:** शिक्षा, नवाचार, और सामाजिक

PNB Magazine 2025.indd 20 5/15/2025 11:22:45 PM

परियोजनाओं के लिए धन जुटाने का आधुनिक माध्यम। 2021 में कोविड–19 के दौरान क्राउडफंडिंग ने ऑक्सीजन सप्लाई के लिए करोड़ों रुपये जुटाए।

- **डिजिटल प्लेटफॉर्म और क्रिप्टोकरेंसी:** डिजिटल वित्तीय साधनों के माध्यम से धन जुटाना। ब्लॉकचेन तकनीक से वित्तीय लेन–देन में पारदर्शिता।

समसामयिक घटनाएं:

- **चंद्रयान–3:** ISRO ने चंद्रयान–3 मिशन के लिए निजी और सरकारी वित्तपोषण का सफलतापूर्वक उपयोग किया।
- **कोविड–19 वैक्सीन निर्माण:** भारत ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्रोतों से वैक्सीन निर्माण और वितरण को गति दी।
- **हरित ऊर्जा पहल:** 2023 में भारत ने सौर ऊर्जा उत्पादन में विश्व के शीर्ष देशों में स्थान बनाया।

''संगच्छ/वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।''
(अर्थः साथ चलें, साथ सोचें, और एकजुट होकर कार्य करें।)

भारत की प्रगति के लिए वित्तपोषण के ये स्रोत एक मजबूत नींव रखते हैं। इनका समुचित उपयोग और प्रबंधन भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में प्रेरित करता है। वित्तीय सहयोग और नवाचार के माध्यम से हम 2047 तक अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

''सफलता उनके कदम चूमती है,
जो अपने साधनों का सही उपयोग करते हैं।''

वित्तीय प्रबंधनः

''अर्थात् तस्य पालनं यत् वित्तं स वित्युत्तरं।''
(अर्थः जिसका अर्थ–प्रबंधन सही है, वही सच्चा वित्त्युत्तर, यानी संपत्ति का स्वामी है।)

वित्तीय प्रबंधन, विकास के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग, वितरण, और उनकी कार्यक्षमता सुनिश्चित करने में मदद करता है। भारत की आर्थिक प्रगति में वित्तीय प्रबंधन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

(क) **बजट प्रबंधन:** सरकार द्वारा वित्तीय संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन, जो विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के लिए धन सुनिश्चित करता है।

वार्षिक बजट: जहां सरकार प्रत्येक वर्ष विकासात्मक और सामाजिक खर्चों के लिए प्राथमिकताएं तय करती है। **खपत और निवेश का सही संतुलन:** बजट में सही प्राथमिकताएं तय करके देश की अर्थव्यवस्था को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

''अर्थार्जनं यथासंभवम।''
(अर्थः जितना संभव हो, अर्जन करें।)

(ख) **ऋण प्रबंधन:** वित्तीय प्रबंधन में ऋण, एक प्रमुख स्रोत है। आंतरिक और बाह्य ऋण (Internal and External Debt): देश के विकास कार्यों के लिए जरूरत के अनुसार ऋण प्राप्त किया जाता है। गैर–निष्पादित ऋण (NPA) और राजस्व घाटा: वित्तीय प्रबंधन में जिम्मेदारियों का पालन करते हुए, ऋणों का उचित उपयोग और वित्तीय स्थिरता बनाए रखना आवश्यक है।

(ग) **राजस्व और व्यय प्रबंधन:** कराधान प्रणाली (Taxation System): सरकार द्वारा करों की दरों और उनके सही उपयोग से आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जाता है। सार्वजनिक व्यय (Public Expenditure): शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश।

''किफायत कीजिए, सबको मिले सुविधा।''
सरकारी नीतियां और योजनाएं

''न्याय, नीति, और समर्पण से राष्ट्र का निर्माण होता है।''

सरकारी नीतियां और योजनाएं वित्तीय संसाधनों के उपयोग और प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। ये योजनाएं न केवल वित्तीय समृद्धि सुनिश्चित करती हैं, बल्कि सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास की नींव भी डालती हैं।

(क) **औद्योगिक नीति और मेक इन इंडिया:** मेक इन इंडिया पहल: भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सरकार ने उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाया।

(ख) **स्किल इंडिया मिशन:** कौशल विकास के माध्यम से रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में योगदान।

(ग) **कृषि क्षेत्र के लिए योजनाएं:** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN): किसानों की आय को दोगुना करने के लिए वित्तीय सहायता।

(घ) **ई–राष्ट्रीय कृषि बाजार (E-NAM):** एकल कृषि बाज़ार प्रणाली, जो किसानों को अधिक आय और बेहतर मूल्य सुनिश्चित करती है।

(ङ) **सामाजिक कल्याण योजनाएं:** आयुष्मान भारत योजना: स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सबसे बड़ी योजना, जो वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है।

(च) **सौभाग्य योजना:** बिजली कनेक्शन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा पहुंच को सुनिश्चित करना।

(छ) **शिक्षा क्षेत्र की नीतियां:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: शिक्षा के क्षेत्र में वित्तीय प्रबंधन को सुधारने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई।

(ज) **राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजनाएं:** आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को शिक्षा में मदद के लिए वित्तीय सहायता।

(झ) **पर्यावरणीय स्थिरता के लिए नीतियां:** ग्रीन एनर्जी के लिए वित्तीय प्रबंधन: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हरित बांड और वित्तीय संसाधनों का उपयोग।

समसामयिक घटनाएं:

- **आत्मनिर्भर भारत अभियान:** कोविड–19 महामारी के बाद आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने वित्तीय संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए नए उपाय किए।
- **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY):** प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वित्तीय सहायता से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को सस्ते आवास प्रदान किए गए।

''कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।''
(अर्थ: तुम्हारा कर्तव्य केवल कर्म करना है, फल की चिंता मत करो।)

भारत के समृद्ध भविष्य के लिए वित्तीय प्रबंधन, सरकारी नीतियों और योजनाओं का प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन अत्यंत आवश्यक है। जबकि वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता और उनकी प्रभावशीलता पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है, वहीं इन स्रोतों का उचित और संतुलित उपयोग करके ही हम सही दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

''संकल्पं हि समृद्धि हेतु, साधनं हि वित्तीय प्रबंधन।''
(अर्थ: संकल्प ही प्रगति की कुंजी है, और वित्तीय प्रबंधन उसका साधन है।)

विकसित भारत की आकांक्षाएं तभी पूरी हो सकती हैं, जब वित्तपोषण कुशल, पारदर्शी और समावेशी हो। यह यात्रा कठिन है, परंतु संगठित प्रयासों और सामूहिक सहभागिता से इसे संभव बनाया जा सकता है। ''जहां तक सोचोगे, वहां तक पहुंचोगे।''

''उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिश्चोत्तमं धनम्।
प्रारभ्यते न समाप्तिः, कार्यं विद्वान् प्रशंसति।''

(अर्थः उद्यम, साहस, धैर्य, और बुद्धि ही मनुष्य का सच्चा धन हैं।)

भारत के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय विकास के लिए वित्तीय प्रबंधन और सरकारी नीतियों को एक समग्र दृष्टिकोण के तहत कार्यान्वित करना होगा। सही नीतियों और वित्तीय संसाधनों के समुचित उपयोग से ही हम आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ सकते हैं। भारत को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय, पारदर्शिता और नवाचार की आवश्यकता है। अगर वित्तीय प्रबंधन में सुधार और सरकारी नीतियों को सही दिशा में आगे बढ़ाया जाए, तो भारत के एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने का सपना शीघ्र ही साकार होगा।

निर्गुण

निर्गुण–निर्गुण करते–करते निर्गुण हुआ शरीर
रूह बन गया चलते–चलते जाकर मिला कबीर

तहजीब सनातन गंगा–जमना बरसों–बरस पुराना
सजदा पूजा तब से होती जब से रंग अबीर

निर्गुण अल्ला निर्गुण ईश्वर निर्गुण वेद कुरान
तारे सबको निर्गुण इश्क चाहे पंडित पीर

सगुण और निर्गुण है रास्ता मंजिल है बस एक
भक्ति है रस प्रेम का मीरा हो या मीर

अभीक सिंह
मुख्य प्रबंधक (सुरक्षा)
प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली

PNB Magazine 2025.indd 22 5/15/2025 11:22:46 PM

पीएनबी ने किया राष्ट्रव्यापी आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

पीएनबी ने राष्ट्रव्यापी आउटरीच अभियान के अंतर्गत देशभर में अनेक आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य देश के कोने–कोने में पीएनबी के बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की सुलभ पहुँच को सुनिश्चित करना था। इसके तहत देशव्यापी स्तर पर प्रधान कार्यालय, अंचल कार्यालय, मण्डल कार्यालय एवं इसके संबद्ध कार्यालयों द्वारा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। होम लोन एक्सपो 7–8 फरवरी 2025 को 138 शहरों में आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य रियल एस्टेट डेवलपर्स, वित्तीय विशेषज्ञों और इच्छुक घर खरीदारों को एक छत के नीचे लाना था, ताकि घर के स्वामित्व को अधिक सुलभ, किफायती और सुविधाजनक बनाया जा सके। 13 फरवरी 2025 को 65 स्थानों पर एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों, उद्योग जगत के लीडर्स और वित्तीय विशेषज्ञों को एक साथ लाना और उन्हें व्यापार वृद्धि में तेजी लाने के लिए अनुरूप ऋण समाधान, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, डिजिटल बैंकिंग टूल और सरकार समर्थित योजनाओं तक पहुंच प्रदान करना था। इस अभियान में बैंक के एमडी एवं सीईओ, श्री अंशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र सहित उच्च प्रबंधन के समस्त अधिकारियों, अंचल प्रमुखों एवं मंडल प्रमुखों ने सहभागिता की।

भुवनेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएनबी होम लोन एक्सपो का शुभारंभ करते हुए श्री अशोक चन्द्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी। दृष्टव्य हैं श्री राजेश कुमार, अंचल प्रबंधक, भुवनेश्वर, श्री लक्ष्मीकान्त मिश्रा, मंडल प्रमुख, भुवनेश्वर एवं अन्य उच्चाधिकारी।

अगरतला में कृषि आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए श्री प्राणजीत सिंघा रॉय, माननीय वित्त मंत्री, त्रिपुरा सरकार, श्री अशोक चन्द्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा श्री चितरंजन प्रृष्टि, अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी (तत्कालीन)।

PNB Magazine 2025.indd 23 5/15/2025 11:22:48 PM

वित्तीय समावेशन की महत्ता

मोनेश्वर नागपुरे, मुख्य प्रबंधक, वित्तीय समावेशन प्रभाग, प्रधान कार्यालय

वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) का अर्थ है कि देश के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान करना। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों, विशेषकर गरीब और वंचित लोगों को वित्तीय सेवाओं जैसे बचत खाते, ऋण, बीमा, और निवेश के अवसरों तक पहुंच मिलती है। भारत जैसे विकासशील देश में वित्तीय समावेशन का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि यह आर्थिक विकास, गरीबी उन्मूलन, और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने में मदद करता है।

वित्तीय समावेशन का महत्वः–

- **गरीबी उन्मूलनः** वित्तीय समावेशन गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब गरीब लोगों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच मिलती है, तो वे अपनी बचत को सुरक्षित रख सकते हैं और आवश्यकता पड़ने पर ऋण ले सकते हैं। इससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिलती है।

- **आर्थिक विकासः** वित्तीय समावेशन देश के आर्थिक विकास को गति प्रदान करता है। जब अधिक लोग बैंकिंग प्रणाली से जुड़ते हैं, तो देश की बचत और निवेश दर में वृद्धि होती है। इससे उत्पादकता बढ़ती है और रोजगार के अवसर सृजित होते हैं।

- **सामाजिक समानताः** वित्तीय समावेशन सामाजिक समानता को बढ़ावा देता है। यह समाज के वंचित वर्गों को मुख्य धारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ता है और उन्हें आर्थिक अवसर प्रदान करता है। इससे समाज में असमानता कम होती है।

- **महिला सशक्तिकरणः** वित्तीय समावेशन महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करता है। जब महिलाओं को बैंक खाते और ऋण जैसी सेवाएं मिलती हैं, तो वे अपने व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सकती हैं।

- **कृषि और ग्रामीण विकासः** भारत की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और कृषि पर निर्भर है। वित्तीय समावेशन किसानों को सस्ते ऋण और बीमा सेवाएं प्रदान करता है, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।

देश में वित्तीय समावेशन के प्रयासः–

भारत सरकार ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख पहलें निम्नलिखित हैं:

जन–धन योजना (Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana): इस योजना के तहत देश के करोड़ों गरीब और वंचित लोगों को बैंक खाते खोलने का अवसर मिला। इससे उन्हें बचत, ऋण, बीमा, और पेंशन जैसी सेवाएं प्राप्त हुईं। यह योजना देश के प्रत्येक कोने के व्यक्ति तक बचत खाते द्वारा अन्य योजनाओं के क्रियान्वन में कारगर सिद्ध हुई है. डायरेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर के तहत सब्सिडी एवं अन्य सरकारी योजनाओं से प्राप्त होने वाले लाभ हितग्राहियों के खाते में सीधे पहुंच रहे हैं. पारदर्शिता में वृद्धि हुई है एवं बिचौलियों का व्यवसाय बंद हो रहा है।

डिजिटल इंडिया (Digital India): डिजिटल बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग को बढ़ावा देकर सरकार ने वित्तीय सेवाओं को दूर–दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया है।

मुद्रा योजना (MUDRA Yojana), स्ट्रीट वेंडर योजना (PM Swanidhi Yojana), विश्वकर्मा योजना (PM Vishwakarma Yojana) इत्यादिः इन योजनाओं के तहत छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को सस्ते ऋण प्रदान किए जाते हैं, जिससे उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने और विस्तार करने में मदद मिलती है।

बीमा और पेंशन योजनाएंः प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana) और अटल पेंशन योजना (Atal Pension Yojana) जैसी योजनाओं के माध्यम से लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है।

वित्तीय समावेशन की राह में चुनौतियां;

देश में वित्तीय समावेशन को लेकर कई चुनौतियां हैं। इनमें

PNB Magazine 2025.indd 24 5/15/2025 11:22:48 PM

शिक्षा की कमी, डिजिटल साक्षरता का अभाव, और बुनियादी ढाँचे की कमी शामिल हैं। ग्रामीण और दूर–दराज के क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच अभी भी सीमित है। इसके अलावा, लोगों में वित्तीय जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। हालांकि सरकार एवं सभी वित्तीय संस्थानों द्वारा वित्तीय समावेशन हेतु बहुत सारे प्रयास किये जा रहे हैं.

वित्तीय समावेशन भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह गरीबी को कम करने, आर्थिक विकास को गति देने, और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने में मदद करता है। भारत सरकार, सरकारी संस्थानों और निजी संस्थानों को मिलकर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए नवीन तकनीकों और जागरूकता अभियानों का उपयोग करना चाहिए। यदि हम वित्तीय समावेशन को सफल बना सकते हैं, तो भारत एक समृद्ध और समावेशी समाज की ओर अग्रसर हो सकता है।

पीएनबी बना ''कौन बनेगा करोड़पति -ज्ञान के रजत महोत्सव'' का आधिकारिक बैंकिंग पार्टनर'

पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने सबसे चर्चित और प्रतिष्ठित क्विज शो, कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के ज्ञान का रजत महोत्सव के लिए 'आधिकारिक बैंकिंग पार्टनर' के रूप में सोनी एंटरटेनमेंट टीवी के साथ साझेदारी की।

इस सहयोग के हिस्से के रूप में, पीएनबी शो के दौरान प्रमुखता से दिखाई दिया, जिसमें विशेष ऑन–एयर ब्रांडिंग, विशेष सेगमेंट और ग्राहक–केंद्रित पहल शामिल हैं। बैंक को व्यापक ब्रांडिंग अधिकार भी मिले जिसमें विजेताओं को पीएनबी ब्रांड के चेक प्रदान किए गए और केबीसी प्ले अलॉन्ग पर इंटरैक्टिव एसेट शामिल हैं। खेल के अंत में श्री अमिताभ बच्चन द्वारा ब्रांड उल्लेख के साथ–साथ पीएनबी वन ऐप के माध्यम से डिजिटल मनी ट्रांसफर के बारे में भी बताया गया, जिससे प्रतियोगिता जीतने वाले को अंतिम राशि प्रदान की गई।

PNB Magazine 2025.indd 25 5/15/2025 11:22:49 PM

वित्तीय समावेशन में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की भूमिका

श्रुति जायसवाल, प्रबंधक, वित्तीय समावेशन प्रभाग, प्रधान कार्यालय

वित्तीय समावेशन गरीब ग्रामीणों और समाज के कमजोर तथा पिछड़े वर्गों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने से संबंधित है। इसका अर्थ यह हुआ कि बैंकों को ऐसे लोगों के लिए योजनाएं बनानी हैं जो या तो अशिक्षित हैं या फिर बहुत कम पढ़े–लिखे हैं। यदि बैंकों को वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति करनी है तो उन्हें दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच के लिए प्रौद्योगिकी का विवेकसम्मत प्रयोग करने के साथ–साथ एटीएम और कैश डिस्पेंसिंग मशीनों को उन लोगों की पहुंच में लाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे जो अंग्रेजी भाषा नहीं जानते।

इस परिप्रेक्ष्य में हिंदी और भारतीय भाषाओं की क्या भूमिका हो सकती है–

- इस बात पर गहराई से विचार किया जाना होगा कि क्या वित्तीय समावेशन के लक्ष्य समूह अर्थात ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कम पढ़े–लिखे/अनपढ़ लोगों से अंग्रेजी के माध्यम से संवाद किया जा सकता है?
- क्या ग्रामीण अशिक्षित लोगों को बैंकिंग, बैंक सेवाओं और उत्पादों की जानकारी अंग्रेजी माध्यम से दी जा सकती है?
- क्या हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, सिक्किम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा नगर हवेली जैसे हिंदी और अर्ध–हिंदी क्षेत्रों में जहां जनसंख्या की तुलना में बैंक खातों का प्रतिशत काफी कम है, अंग्रेजी के माध्यम से ग्रामीण जनसंख्या को बैंकिंग सेवाओं के दायरे में लाने के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य में सफलता प्राप्त की जा सकती है?
- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा जैसे उत्तर–पूर्वी राज्यों में बहुतायत व्यक्ति ऐसे हैं जिनका कोई बैंक खाता नहीं है। इस बड़े वर्ग तक पहुंचने के लिए नागालैंड को छोड़ कर और किसी भी राज्य में अंग्रेजी के बल पर सफलता हासिल नहीं की जा सकती। उन तक पहुंचने के लिए या तो क्षेत्रीय भाषा या फिर हिंदी का ही सहारा लेना होगा। यहां यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि नागालैंड राज्य ने भी प्राथमिक स्तर पर हिंदी को एक अनिवार्य विषय बना दिया है। यानि, बैंक नागालैंड में भी अब हिंदी को संवाद की भाषा बना सकते हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक हमेशा इस बात पर जोर देता आया है कि बैंक वित्तीय समावेशन के लिए विशिष्ट योजनाएं और रणनीतियां बनाएं ताकि लक्ष्य समूह की आवश्यकताओं को समझ कर उन्हें बैंकिंग सेवाओं के दायरे में लाया जा सके। इस तथ्य को देखते हुए कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अंग्रेजी नहीं जानते और वे ही अधिकांशतः बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं, ऐसी योजनाओं और रणनीतियों में भाषा के महत्त्व को अनदेखा करना बहुत महंगा साबित हो सकता है।

वित्तीय समावेशन बैंकों के लिए लाभप्रद हो, इसके लिए बैंकों से यह आशा की जाती है कि वे लीक से हट कर प्रयास करें। इस संदर्भ में बैंकों को भाषा के मुद्दे पर भी अलग हट कर सोचना होगा क्योंकि वित्तीय समावेशन के मुख्य उद्देश्य अर्थात् ''गरीब ग्रामीणों और सामान्य लोगों को बैंकिंग के दायरे में लाने'' के लक्ष्य को तभी पूरा किया जा सकेगा जब इस लक्षित वर्ग को यह बात समझ में आ जाएगी कि बैंकों में खाता खोलना, बैंकों से ऋण लेना तथा अन्य बैंकिंग सेवाओं और उत्पादों का प्रयोग उनके लिए लाभकारी है तथा इससे उनकी वे सभी समस्याएं काफी हद तक दूर हो सकती हैं जो साहूकारों जैसी अनौपचारिक संस्थाओं से अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के कारण उत्पन्न हुई हैं। उन्हें बैंकिंग तथा वित्तीय संस्थाओं के कार्य और कार्य–प्रणालियों की जानकारी भी होनी जरूरी है। इसके लिए उन्हें उनकी ही भाषा में जानकारी देनी होगी। इसे ध्यान में रखते हुए वित्तीय समावेशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अन्य बातों के साथ–साथ भारतीय भाषाओं के प्रयोग के महत्त्व को समझना होगा। वास्तव में, हिंदी और भारतीय भाषाओं के उपयोग पर एक नया दृष्टिकोण

PNB Magazine 2025.indd 26 5/15/2025 11:22:49 PM

विकसित करना होगा तथा अपनी मानसिकता में बदलाव लाना होगा क्योंकि अंग्रेजी के बल पर वित्तीय समावेशन को सफल बनाना दिवा– स्वप्न से बढ़कर और कुछ नहीं होगा। इस परिप्रेक्ष्य में बैंकों द्वारा भारतीय भाषाओं और विशेषकर हिंदी के महत्त्व को नजरअंदाज करना समझदारी नहीं होगी।

हम यह कह सकते हैं कि यदि वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को पाना है तो केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा जा सकता। बैंकों को इस बात पर गहन दृष्टि से विचार करना होगा कि क्या वे ग्रामीण जनमानस में अंग्रेजी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से विश्वास पैदा नहीं कर सकते। क्या ग्रामीणों को बैंक के रूप में एक मित्र दिखाई दे सकता है ? इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि जब तक बैंकर उनके परिवेश का हिस्सा नहीं बनते, उनकी समस्याओं में रुचि नहीं लेते, उनकी भावनाओं को, उनके कष्टों को और उनकी संवेदनाओं को नहीं समझते तब तक वे उन्हें अपने बैंक का ग्राहक भी नहीं बना सकते। उक्त बातों के लिए तथा संबंधों और व्यवहार में सुदृढ़ता लाने के लिए उनकी अपनी ही भाषा में बातचीत करना तथा संवाद स्थापित करना आवश्यक ही नहीं बल्कि अनिवार्य होगा।

वित्तीय समावेशन में भारतीय भाषाओं और विशेष रूप से हिंदी की इस अहम् भूमिका को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि ग्रामीण निर्धनों तथा अनपढ़ एवं कम पढ़े–लिखे लोगों को अंग्रेजी नहीं, बल्कि उन्हीं की भाषा में यह समझाया जा सकता है कि बैंकों की योजनाएं उनके लाभ, सुविधा के लिए तथा उनके भविष्य को सुखद बनाने के लिए है। इसके बाद ही वे बैंकों के ग्राहक बनने में रुचि लेंगे और वित्तीय समावेशन के लिए आगे कदम बढ़ाये जा सकेंगे।

सच तो यह है कि वित्तीय समावेशन के विचार ने बैंकों को हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के लाभप्रद प्रयोग के लिए एक बेहतरीन अवसर प्रदान किया है। इससे हिंदी के प्रयोग के प्रति बैंकों के नजरिये में परिवर्तन आना अवश्यंभावी है और इसके प्रयोग में अभूतपूर्व वृद्धि आना सुनिश्चित है।

है कौन?

है कौन, जो हर समय है मेरे आस–पास,
जिसका एहसास सदा है कुछ खास।

हूं अनजान इस दस्तूर–ए–दुनिया से,
संभाला है तुमने सदा ही बड़े अदब से।

कभी पूछता हूं खुद से....
इस अनजान दुनिया में क्या अस्तित्व है तेरा

तुम साथ हो तो लगता है...कुछ तो है वजूद मेरा
भौतिकता बढ़ा देती है मेरा अहम्

शून्यता तेरी मिटा देती है ये भ्रम।
जिन्दगी दौड़ रही है बेलगाम पल–पल

मिल जाए सुकून के भी कुछ पल।
निशा के तीसरे प्रहर का मौन

मुझे बतला दे कि तू है कौन?
ये अदृश्य डोर कभी न टूटे,

अनकहा साथ कभी न छूटे।
हे सर्व शक्तिमान ...

अब और नहीं यह स्वीकार
मुझे स्वीकार है केवल..... अंनत साक्षात्कार

योगेश ठाकुर
मुख्य संकाय
कार्मिक प्रशिक्षण केन्द्र, पंचकुला–1

PNB Magazine 2025.indd 27 5/15/2025 11:22:50 PM

पीएनबी ने आयोजित की टाउनहॉल बैठक

पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय दिल्ली द्वारा सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम, दिल्ली में टाउनहॉल बैठक का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य बैंक की रणनीतिक दिशा, विकास पहल और ग्राहक–केंद्रित बैंकिंग के प्रति प्रतिबद्धता पर चर्चा करने के लिए नेतृत्व, कर्मचारी और प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना था।

श्री अशोक चन्द्र, एमडी एवं सीईओ का स्वागत करते हुए श्री परवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण– श्री एम. परमशिवम और श्री बिभु प्रसाद महापात्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार और मुख्य महाप्रबंधक–मानव संसाधन विकास प्रभाग, श्री सुरेश कुमार राणा भी उपस्थित थे। टाउनहॉल बैठक में डिजिटल परिवर्तन, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहक सेवा वृद्धि के लिए बैंक की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस बैठक के माध्यम से खुले संवाद हेतु एक मंच प्रदान किया गया, जिसने बैंकिंग क्षेत्र में नवाचार और लचीलेपन को बढ़ावा देने के बैंक के दृष्टिकोण को और मजबूत किया।

श्री अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ को पारंपरिक परिधान पहनाकर सम्मानित करते हुए, श्री परवीन गोयल, अंचल प्रबंधक, दिल्ली।

अपने संबोधन में, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र ने कहा कि ''पीएनबी में, हम केवल बैंकिंग नहीं कर रहे हैं – हम नवाचार, ग्राहक–केंद्रित समाधानों और पूरे देश में वित्तीय समावेशन के विस्तार से प्रेरित भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे लोग हैं और यह टाउनहॉल बैठक एक साझा लक्ष्य की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों को संरेखित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगी। सहयोग, लचीलेपन और एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से, हमें सीमाओं से आगे बढ़ने और बैंकिंग उद्योग में नए मानक स्थापित करने की आवश्यकता है। साथ मिलकर, हमें एक मजबूत, अधिक डिजिटल और ग्राहक–केंद्रित पीएनबी का निर्माण करना चाहिए।''

टाउनहॉल बैठक की मुख्य बातों में बैंक की नवीनतम तकनीकी प्रगति, ग्राहक–प्रथम पहल और प्रदर्शन मील के पत्थर पर अंतर्दृष्टि शामिल थी। स्टाफ सदस्यों तथा कर्मचारियों ने बैंक की निरंतर सफलता में योगदान देने हेतु विचारों और प्रतिक्रियाओ

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए एमडी एवं सीईओ, श्री अशोक चंद्र।

को साझा करते हुए एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से सहभागिता की। टाउनहॉल बैठक के दौरान संगठन के भीतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पीएनबी की वृद्धि और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उप अंचल प्रबंधक, श्री अजय कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सभी हितधारकों के प्रति उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

PNB Magazine 2025.indd 28 5/15/2025 11:23:02 PM

पीएनबी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

प्रधान कार्यालय में महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी।

पंजाब नैशनल बैंक ने, दिल्ली के द्वारका स्थित अपने कॉरपोरेट कार्यालय और देश भर की अपनी सभी शाखाओं में एक समावेशी और विविधतापूर्ण कामकाज के वातावरण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करते हुए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। वैश्विक थीम 'एक्सेलरेट एक्शन' को अपनाते हुए, इस कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन, नेतृत्व विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसी पहलों के माध्यम से सभी स्तरों पर महिलाओं को सशक्त बनाने में बैंक के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय एथलीट और मैराथन आइकन डॉ. सुनीता गोदरा की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा ने सभी उपस्थित लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य किया।

इस अवसर पर एमडी एवं सीईओ, श्री अशोक चंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि ''जैसे–जैसे भारत एक अधिक समतामूलक और समावेशी भविष्य की ओर बढ़ रहा है, पीएनबी महिलाओं के सशक्तिकरण को गति देने में एक समर्पित भागीदार बना हुआ है। महिलाओं को सशक्त बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है बल्कि सामाजिक प्रगति के लिए आवश्यक भी है। हम बाधाओं को तोड़ने और महिलाओं के नेतृत्व, वित्तीय स्वतंत्रता और सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देने वाली पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ''एमडी एवं सीईओ ने महिला कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की भी घोषणा की और पीएनबी से अपनत्व की उनकी प्रबल भावना के प्रति उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महिलाओं का समर्थन न केवल कार्यस्थलों को बदलता है बल्कि व्यापक स्तर पर समाज के लिए नए मानक भी स्थापित करता है।

पीएनबी महिलाओं की अद्वितीय वित्तीय आवश्यकताओं की भी पहचान करते हुए उनके अनुरूप धन प्रबंधन समाधान प्रदान करता है। बचत योजनाओं से लेकर सेवानिवृत्ति की रणनीतियां महिला बचत खाता और निवेश योजनाएं बचत और विकास के लिए अनुकूलित अवसर प्रदान करती हैं, जो महिलाओं को उनकी वित्तीय यात्रा में सशक्त बनाती हैं।

सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत पीएनबी ने समावेशी विकास के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, महिलाओं और हाशिए पर स्थित समुदायों की सहायता करने के लिए कई एनजीओ के साथ भागीदारी भी की है। उनमें से कुछ में शामिल हैं, द न्यू लर्निंग हाइट्स (ऑटिज्म, एडीएचडी, सेरेब्रल पाल्सी, लर्निंग डिसेबिलिटी और अन्य विशेष आवश्यकताओं वाले

कार्यक्रम के दौरान एनजीओ से पधारी महिला प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए पीएनबी प्रेरणा की प्रेसीडेंट तथा अन्य महिला सदस्याएं।

बच्चों को समर्पित एक विशेष स्कूल और उपचार केंद्र, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशिष्ट देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करता है), उत्तम जय राम फाउंडेशन (एक संस्था जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम प्रदान करके हाशिए पर स्थित समुदायों का उत्थान करता है), और वेल–बीइंग शिक्षा फाउंडेशन (एक संगठन जो बच्चों के लिए वित्तीय अवधारणाओं को सरल बनाने, वित्तीय रूप

से साक्षर भविष्य की पीढ़ी के निर्माण के लिए प्रारंभिक वित्तीय शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है)।

ये पहल पीएनबी की इस प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करता हैं कि महिलाओं को दीर्घकालिक सुरक्षा, विकास और सफलता के लिए सर्वोत्तम वित्तीय साधनों तक पहुंच मिले। निरंतर पहलों, साझेदारियों और नेतृत्व विकास कार्यक्रमों के माध्यम से, पीएनबी महिला सशक्तिकरण के लिए सार्थक बदलाव लाने में सबसे आगे है।

वो लड़की...

वो शून्य थी और मौन थी
सुध भी न थी वो कौन थी,

हर ओर अब तो स्याह थी
दर्द की एक और आह थी,

देखा जो उसने रूप अपना
खुद से ही वो डर गयी,

तार टूटे साँसों के
निर्दोष लड़की मर गयी
प्यार तो जिंदगी को सजाने के लिए है
पर जिंदगी बस दर्द बहाने के लिए है।

मेरे अन्दर की उदासी काश कोई पढ़ ले
ये हंसता हुआ चेहरा तो जमाने के लिए है।

बेबस निगाहें ताकती
ऐसे दिशा को भोर की,

लेकिन खड़ी है मूँद पट
रोशनी हर ओर की,
जब अमावस की वो काली रात की थी कालिमा,
कैसे आती वक्त से पहले वो सुबह की लालिमा।

क्योंकि, वो शून्य थी और मौन थी
सुध भी न थी वो कौन थी।

रिचा भास्कर
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
मंडल कार्यालय, बुलंदशहर

PNB Magazine 2025.indd 30 5/15/2025 11:23:06 PM

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-नारीशक्ति को नमन!

संजीव कपूर, उप महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, लुधियाना

08 मार्च को पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाता है। हम सभी जानते हैं कि हमारे जीवन में महिलाओं की एक अहम है या यूं कहें कि अनिवार्य, भूमिका होती है। चाहे वो भूमिका हमारी मां के रूप में हो या फिर बहन के या पत्नी के रूप में, नारी जीवन के हर पड़ाव पर अलग–अलग रूपों में हमारा साथ देती है, हमें सहारा देती है, संबल देती है। लेकिन महिलाओं से मिला यह सहयोग अक्सर उपेक्षित, अनदेखा–सा रह जाता है और ऐसा काफी कम होता है जब हम नारी के किए गए कार्यों के लिए उनका धन्यवाद करते हैं, उन्हें सम्मानित करते हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह विशेष दिन हमें अवसर देता है कि हम अपने जीवन में महत्व रखने वाली महिलाओं को, उनके कार्यों को, उनकी भूमिकाओं को, उनके त्याग को, उनके समर्पण को, सम्मानित करें और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता को औपचारिक, मौखिक अभिव्यक्ति दें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम 'Accelerate Action' है जिसका अर्थ है कि हम सभी साथ मिलकर, एकजुट होकर लैंगिक समानता (Gender Equality) की दिशा में आगे कदम बढ़ा सकते हैं और यह लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जरुरी कार्रवाई को तेज बना सकते हैं। लैंगिक समानता का लक्ष्य प्राप्त करने और Full Gender Parity की स्टेज तक पहुंचने के लिए तेज और निर्णायक कदम उठाया जाना महत्वपूर्ण है। इस लक्ष्य की प्राप्ति व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में महिलाओं के सामने आने वाली बाधाओं और पूर्वाग्रहों को दूर करने में तेजी लाने और तत्परता बढ़ाने का आह्वाहन करती है।

अगर बात करें महिला दिवस के इतिहास की तो महिला मजदूरों द्वारा ट्रेड यूनियन बनाने और आम महिलाओं द्वारा मतदान का अधिकार पाने के संघर्ष को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की प्रेरणा का मुख्य स्रोत माना जा सकता है। साल 1908 में न्यूयॉर्क में हजारों महिलाओं ने अपना मजदूर संघ बनाने और मतदान का अधिकार पाने के लिए प्रदर्शन किया। यह ऐतिहासिक प्रदर्शन 8 मार्च को ही हुआ था। अमेरिकी आंदोलन से प्रेरित होकर, वर्ष 1910 में, इंटरनेशनल सोशलिस्ट विमेंस कांफ्रेंस की संस्थापक क्लारा जेटकिन ने महिलाओं के सार्वभौमिक मताधिकार का लक्ष्य पाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक रूप से महिला दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव रखा। शुरुआत में, महिला दिवस को अलग–अलग देशों में अलग–अलग दिनों पर आयोजित किया गया। जैसे कि, अमेरिका में यह फरवरी के आखिरी रविवार को मनाया जाता था जबकि यूरोपीय देश इसे 18 मार्च को मनाते थे। 1917 में 8 मार्च के ही दिन रूस के पेट्रोग्राद शहर में हजारों महिला श्रमिकों ने दो चीजों, शांति और रोटी, की मांग करते हुए सामूहिक प्रदर्शन किया जो आगे चलकर बहुत बड़े आंदोलन में बदल गया और इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस रूसी क्रांति का केंद्र बिंदु बन गया। रूसी क्रांति के प्रतीक व्लादिमीर लेनिन ने वर्ष 1922 में घोषणा की कि 1917 में महिलाओं द्वारा किए गए प्रखर आन्दोलन के सम्मान में हर वर्ष 8 मार्च को आधिकारिक तौर पर महिला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। आगे चलकर, अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष के दौरान 1975 में, यूएनओ ने भी 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता दे दी।

यूं तो महिलाओं के कार्यों के लिए उन्हें हर दिन सम्मानित किया जाना भी कम ही है, लेकिन महिला दिवस के दिन पर हमें खासतौर पर अपने घर की, अपने ऑफिस की महिलाओं को स्पेशल फील कराना चाहिए। यूं तो हम अपने जीवन में महिलाओं के योगदान का कर्ज कभी नहीं चुका सकते लेकिन आज के दिन उन्हें यह बताकर कि वे हमारे लिए साल के हर दिन ही कितनी खास हैं, कितनी स्पेशल हैं, हम उन्हें छोटी सी खुशी, थोड़ी सी संतुष्टि, हल्की–सी मुस्कराहट, तो दे ही सकते हैं।

PNB Magazine 2025.indd 31 5/15/2025 11:23:07 PM

नारी के प्रति आभार व्यक्त करने से पुरुष का अहं कभी छोटा नहीं होगा क्योंकि चाहें हम कहें, या न कहें, नारी का स्थान तो हमेशा से ही ऊंचा रहा है, और रहेगा ही।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता में भी महिलाओं को हमेशा से ही ऊंचा स्थान और सम्मान दिया गया है। एक ओर जहां हम मां आदिशक्ति को समस्त सृष्टि का आधार मानते हैं वहीं दूसरी ओर समस्त जीवन के आधार जल अर्थात नदियों को भी हम महिलाओं, माताओं के नाम से पूजते हैं। हमारी इस प्राचीन सभ्यता में नारी को देवी का स्थान प्राप्त है और वह सरस्वती देवी, लक्ष्मी देवी और अन्य कई कुल देवी के रूप में पूजनीय हैं। तभी तो मनुस्मृति में कहा गया है कि... "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वः तत्रा फलाः क्रियाः।"

इस श्लोक का अर्थ है कि जहां स्त्रियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं और जहां स्त्रियों की पूजा नहीं होती है, उनका सम्मान नहीं होता है, वहां किये गये सारे अच्छे कर्म भी निष्फल रहते हैं। यह श्लोक भारतीय परंपरा में नारी के चिरकालीन महत्व एवं उसके प्रति सम्मान को दर्शाता है। यद्यपि कुछ लोगों की ऐसी मान्यता है कि हमारा समाज एक पुरुष प्रधान समाज है परंतु अनादि काल से ही इस समाज में नारी की भूमिका कहीं भी कमतर नहीं रही है। ज्ञान और कौशल की दृष्टि से महिलाएं पुरुष के समतुल्य, या कभी–कभी उनसे बेहतर मानी गईं हैं। किसी ने सही ही कहा है कि... "पुरुष बेहतर योजनाएं बनाते हैं, महिलाएं उन्हें और भी बेहतर ढंग से लागू कर लेती हैं।"

आज की महिला किसी पर निर्भर नहीं है, वह आत्मनिर्भर बन चुकी है और हर काम को पुरुषों के बराबर या उनसे बेहतर करने में सक्षम है। पुराने दिनों में, महिलाओं को घर तक ही सीमित रखा जाता था और उन्हें काम के लिए घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। लेकिन वर्तमान में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को साकार कर रही हैं। अब पुरुषों को यह स्वीकार करना होगा कि घर, दफ्तर और समाज को बेहतर बनाने के लिए पुरुष और महिला दोनों समान रूप से योगदान करते हैं। पुरुषों को महिलाओं का सम्मान उनके जेंडर के कारण नहीं, बल्कि स्वयं की, अपने परिवार की, अपने समाज की, पहचान को सार्थक बनाने के लिए करना चाहिए। हमें यह बात समझनी होगी कि हर महिला विशेष है, चाहें वह घर पर हो या ऑफिस में। वहीं महिलाओं को भी यह सीखना, समझना और स्वीकारना होगा कि वे स्वयं में ही परिपूर्ण हैं और किसी से कमतर नहीं हैं। कुछ संकीर्ण लोग उन्हें यह यकीन दिलाने की कोशिश करते रहते हैं कि स्त्री का कोई महत्व नहीं है, वह कमजोर है, दूसरों पर निर्भर है। लेकिन वास्तव में नारी के पास वह सब था, और है, जिसकी उसे जरूरत है। स्त्री तो सृष्टिकर्ता है जिसके पास अनंत शक्ति है, सामर्थ्य है, समृद्धि है, सफलता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को मजबूत बनाना नहीं है, महिलाएं तो पहले से ही मजबूत हैं। वो झुक तो सकती हैं, पर टूटती नहीं हैं, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का मकसद तो यह है कि सारी दुनिया महिलाओं की मजबूती समझे, इसी स्वीकार करे, उन्हें देखने के नजरिए को बदले। आज महिलाओं को समर्पित इस विशेष दिन पर अगर हम महिला सशक्तिकरण की बात करें तो अपने अधिकार पाने के लिए महिलाओं को सबसे पहले खुद से ही लड़ना होगा, ताकि वो दुनिया से लड़ने के लिए मजबूत बन सकें। हमेशा भरोसा रखिए कि आप अपना आत्मसम्मान बनाए रखने के लिए सशक्त हैं। खुद का महत्व समझिए, खुद का सम्मान कीजिए। और फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ, पूरी ऊर्जा के साथ जीवन में आत्मसम्मान और आत्मिर्भरता के शिखर तक पहुंचिए। आपके अस्तित्व को, आपकी सफलता को, कभी भी, कोई भी, नहीं रोक सकता। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की महान उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालता है। आज, अनगिनत महिलाएं पारंपरिक रूढ़ियों और सामाजिक बाधाओं को तोड़ रही हैं, दूसरी महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं, भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम सभी को महिला शक्ति की ताकत को, सामर्थ्य को, क्षमता को पहचानने और एक ऐसी दुनिया बनाने का संकल्प लेना होगा जहां हर महिला सुरक्षित और सशक्त महसूस करे।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी इस दिन के, इस लेख के महत्व और आवश्यकता को समझेंगे। आइए आज के दिन हम सभी यह प्रण लें कि हम अपने जीवन से जुड़ी हर महिला के योगदान को समझेंगे, स्वीकारेंगे और इसके लिए उनका धन्यवाद करते हुए उन्हें साल के हर दिन स्पेशल फील कराएंगे।

PNB Magazine 2025.indd 32 5/15/2025 11:23:07 PM

बैंकिंग में साइबर अपराध और उनकी रोकथाम

पदारबिंद राउत, मुख्य प्रबंधक, अंचल कार्यालयः कोलकाता

साइबर अपराध की अवधारणा बहुत व्यापक है। सबसे पहले यहां यह जानना प्रासंगिक होगा कि यह शब्द आया कहां से? तकनीकी विशेषज्ञों के बीच इस शब्द के उद्‌भव और इसके अर्थ को लेकर मतभेद है, परंतु इस शब्द की जीवन यात्रा पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि सबसे पहले, 1940 के दशक के अंतिम वर्षों में 'साइबरनेटिक्स' शब्द का प्रयोग एक ऐसी पद्धति के लिए किया गया था, जो मनुष्य और मशीनों के बीच नियंत्रण और संचार का माध्यम बनी। उस समय 'साइबरनेटिक्स' के कार्यक्षेत्र में मूल रूप से कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग, जीव–विज्ञान तथा इन क्षेत्रों में हो रही प्रगति से जुड़ी गतिविधियां शामिल थीं। इस शब्द की उत्पत्ति यूनानी/ग्रीक शब्द Kubernetes से मानी जाती है जिसका अंग्रेजी पर्याय pilot या steersman है अर्थात् विमान चालक या खेवैया। परवर्ती काल में इस शब्द का प्रयोग बदलते वैश्विक परिवेश में प्रत्यक्ष रूप से कंप्यूटर विज्ञान और इंटरनेट से जुड़े सभी क्षेत्रों एवं संसाधनों के प्रतिनिधि पर्याय के रूप में किया जाने लगा और साइबर से जुड़े अपराध को ही साइबर अपराध कहा जाने लगा। साइबर अपराधों में आर्थिक और गैर–आर्थिक दोनों प्रकार के अपराध शामिल हैं। विगत कुछ दशकों में साइबर अपराध बैंकों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। जिससे उपयुक्त तरीके से निपटना हमारे देश की बेहतर विश्वसनीय अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है। इसी कड़ी में भारत सरकार ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 और 2008 लागू कर दिया था।

साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकेः–

1. **साइबर स्टॉकिंग–** इसका अर्थ है किसी कंप्यूटर या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे मोबाइल एसएमएस और एमएमएस के माध्यम से दूसरों को चिढ़ाना या परेशान करना। ग्राहकों को इस बारे में जागरूक होना चाहिए क्योंकि भारत में कानूनी दृष्टिकोण से, साइबर स्टॉकिंग भारतीय आईटी संशोधन अधिनियम 2008 की धारा 66 के तहत एक दंडनीय अपराध है।

2. **साइबर स्क्वैटिंग–** इसका अर्थ है इंटरनेट डोमेन नाम का उपयोग करना या डोमेन को पंजीकृत करना और अक्सर किसी और के व्यावसायिक या व्यापारिक चिन्ह का उपयोग करने के इरादे से इसका अवैध उपयोग किया जाता है। व्यापारिक चिन्ह का अवैध तरीके से उपयोग करना एक सामान्य तरीका है। ग्राहकों को अवैध व्यापारिक चिन्ह के भ्रम से बचने के लिए वास्तविक व्यापारिक चिन्ह की जानकारी होनी चाहिए।

3. **फास्ट फ्लक्स–** यह साइबर अपराधियों द्वारा कोम्प्रोमाइस्ड के एवर चेंजिंग नेटवर्क के पीछे फिशिंग और मालवेयर डिलीवरी साइटों को छिपाने के लिए उपयोग की जाने वाली एक तकनीक है, जो प्रॉक्सी के रूप में कार्य करती है। ग्राहकों को फिशिंग से बचने के लिए इस तकनीक के बारे में पता होना चाहिए।

4. **अनधिकृत निगरानी और अनधिकृत प्रतिलिपि–** बिना अनुमति के किसी की कंप्यूटर गतिविधि को गुप्त रूप से देखना या उनका रिकॉर्ड रखना शामिल है। अनधिकृत नकल का अर्थ है कंप्यूटर मालिक की अनुमति के बिना डिजिटल सामग्री, सॉफ्टवेयर या डेटा की अवैध प्रतियां बनाना। ग्राहकों को किसी भी अवैध परिणाम से बचने के लिए उपरोक्त तथ्यों के बारे में पता होना चाहिए।

5. **डीओएस (सेवा से इंकार)** – यह एक साइबर हमला है जिसका उद्देश्य अनुपयोगी ट्रैफिक की बहुतायत करके सेवाओं को बाधित कर अपने इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए कंप्यूटर या नेटवर्क संसाधन को अनुपलब्ध बनाना है। ग्राहकों को डीओएस से बचने के लिए सिस्टम का ध्यान रखना चाहिए।

6. **साइबर जबरन वसूली** – हमलावर पीड़ितों को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर पैसे की मांग करते हैं। ग्राहकों को इस तरह के हमले से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए।

PNB Magazine 2025.indd 33 5/15/2025 11:23:08 PM

7. **साइबर धोखाधड़ी**– वित्तीय या व्यक्तिगत लाभ प्राप्त करने के लिए डिजिटल साधनों के माध्यम से व्यक्तियों या संगठनों को धोखा देना शामिल है। इसमें फिशिंग, पहचान की चोरी, ऑनलाइन घोटाले, नीलामी और ऑनलाइन बिक्री घोटालों जैसे विभिन्न तरीके शामिल होते हैं। ग्राहकों के संभावित किसी भी वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए इससे बचना चाहिए।

8. **रूट–किट**– यह एक प्रकार का दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर (मालवेयर) है जिसे कंप्यूटर तक अनधिकृत पहुंच प्राप्त करने और उपयोगकर्ताओं और सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर से अपनी उपस्थिति छिपाने के लिए डिजाइन किया गया है।

9. **हैकर**– एक व्यक्ति जो सिस्टम के मालिक से गुप्त रूप से जानकारी प्राप्त करने, उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंच प्राप्त करता है। विभिन्न प्रकार के हैकर होते हैं अर्थात व्हाइट हैट हैकर, ब्लैक हैट हैकर, ग्रे हैट हैकर और ब्लू हैट हैकर। ग्राहकों को आईटी अधिनियम (धारा 43) के बारे में पता होना चाहिए जो अनधिकृत पहुंच और कंप्यूटर सिस्टम को नुकसान पहुंचाने से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है जिसके परिणामस्वरूप जुर्माना और मुआवजा भरना होता है।

10. **कार्ड लेनदेन में धोखाधड़ी**–

क) **स्किमिंग**– इसमें एटीएम या पीओएस टर्मिनलों जैसे वैध कार्ड रीडर से जुड़े स्किमर नामक छोटे उपकरण का उपयोग करके कार्ड की जानकारी चुराना शामिल है।

ख) **फिशिंग**– भ्रामक ईमेल, फोन कॉल के माध्यम से कार्ड विवरण लेना।

ग) **फार्मिंग**– फार्मिंग एक ऐसा अपराध है जिसमें हैकर्स इंटरनेट प्रयोगकर्ता को असली के स्थान पर किसी फर्जी वेबसाइट पर भेज देते हैं।

कार्ड नॉट प्रेजेंट (सीएनपी) धोखाधड़ी– यह उस लेनदेन में होती है जहां कार्ड भौतिक रूप से प्रस्तुत नहीं किया जाता है, जैसे कि ऑनलाइन खरीद। धोखेबाज अनधिकृत खरीद या लेनदेन करने के लिए चोरी किए गए कार्ड विवरण का उपयोग करते हैं।

घ) **नकली कार्ड धोखाधड़ी**– चोरी किए गए कार्ड के डेटा का उपयोग करके नकली कार्ड बनाना।

ड) **एप्लीकेशन धोखाधड़ी**– कोई किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर कार्ड खाता खोलने के लिए चोरी किए गए कार्ड या नकली दस्तावेजों का उपयोग करता है।

च) **इंटरसेप्ट धोखाधड़ी**– ऐसा तब होता है जब वैध कार्ड धारक तक पहुंचने से पहले धोखाधड़ी करने वालों द्वारा मेल के माध्यम से भेजा गया नया कार्ड इंटरसेप्ट कर लिया जाता है।

छ) **मैत्रीपूर्ण धोखाधड़ी**– यह धोखाधड़ी तब होती है जब कार्ड धारक कार्ड जारीकर्ता के साथ खरीदी करता है और डिस्प्यूट चार्ज करता है, यह दावा करते हुए कि यह अनधिकृत था या प्राप्त नहीं हुआ था, जबकि उन्हें सामान भी मिला।

ज) **वोइस फिशिंग**– यह धोखाधड़ी टेलीफोन या मोबाइल के माध्यम से की जाती है। भारत में इस माध्यम से सबसे ज्यादा अपराध घटित होते हैं। इसके तहत् किसी बैंक या बीमा कंपनी या किसी संस्थान का प्रतिनिधि या अधिकारी बनकर बैंक या क्रेडिट/डेबिट कार्ड संबंधी जानकारी ले ली जाती है।

साइबर अपराध रोकथाम के उपाय

साइबर अपराध रोकथाम के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

1. **जागरूकता और शिक्षा**– ग्राहकों को सामान्य साइबर खतरों के बारे में सूचित करते रहना चाहिए और उनको पहचानने के तरीके बताना चाहिए। उदाहरण के लिए, फिशिंग ईमेल अक्सर उपयोगकर्ताओं पर निर्भर करते हैं कि वे धोखाधड़ी वाले संदेश के संकेतों से अनजान हैं। साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातों के बारे में खुद को शिक्षित करना जैसे कि सुरक्षित वेबसाइटों की पहचान करना, संदिग्ध लिंक को पहचानना और पासवर्ड को समय–समय पर बदलना महत्वपूर्ण है।

2. **सुरक्षित प्रथाओं को अपनाना**– इसमें खातों को सुरक्षित रखने के लिए, अद्वितीय पासवर्ड का उपयोग करना, दो–कारक प्रमाणीकरण (2एफए) को सक्षम करना और सॉफ्टवेयर और उपकरणों को नियमित रूप से अपडेट करना शामिल है। व्यक्तिगत जानकारी

PNB Magazine 2025.indd 34 5/15/2025 11:23:09 PM

ऑनलाइन साझा करते समय सावधानी बरतनी चाहिए, विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जहां साइबर अपराधी अक्सर फिशिंग हमलों के लिए डेटा कलेक्ट करते हैं।

उपयोगकर्ता स्तर पर सुरक्षाः

क) ब्राउजर सुरक्षा
ख) की लॉगर्स
ग) वर्चुअल कीबोर्ड का उपयोग
घ) एंटी–वायरस की स्थापना
ड) मजबूत पासवर्ड का उपयोग
च) असामान्य व्यवहार का पता लगाना
छ) फायरवॉल का उपयोग
ज) एचटीटीपीएस की तलाश करना
झ) अज्ञात लिंक पर कभी क्लिक न करना

3. **संदिग्ध गतिविधि की तत्काल रिपोर्टिंग**– सेवा प्रदाताओं द्वारा संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने से संभावित उल्लंघनों को रोका जा सकता है। उदाहरण के लिए, जो ग्राहक फिशिंग प्रयास की पहचान करते हैं, वे अपने ईमेल प्रदाता या संगठन को प्रतिरूपित होने की सूचना दे सकते हैं, जिससे खतरे को कम करने के लिए त्वरित कार्रवाई की जा सकती है।

4. **उपकरणों और नेटवर्क की सुरक्षा**– ग्राहकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके उपकरणों को अद्यतित एंटीवायरस सॉफ्टवेयर और फायरवॉल के साथ सुरक्षित रखा गया है। मजबूत पासवर्ड और एन्क्रिप्शन प्रोटोकॉल के साथ होम वाई–फाई नेटवर्क सुरक्षित करना अनधिकृत पहुंच के जोखिम को और कम करता है।

6. **सिंक होलिंग** – यह एक ऐसी तकनीक है जिसका उपयोग दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर (मालवेयर) से निपटने के लिए किया जाता है, जो ट्रैफिक को संक्रमित उपकरणों से सुरक्षित सर्वर जिसे सिंक होल के रूप में जाना जाता है, पर रीडायरेक्ट करके नियंत्रित, कर सुरक्षित सर्वर पर पुनर्निर्देशित करता है। विशेष रूप से बॉटनेट अर्थात डॉस के संचालन को बाधित करने में प्रभावी है।

ग्राहकों के सामने चुनौतियां

अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, ग्राहकों को साइबर सुरक्षा बनाए रखने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैः

1. जागरूकता की कमी कई ग्राहक बुनियादी साइबर सुरक्षा प्रथाओं या उनके कार्यों के संभावित परिणामों से अनजान हैं। ज्ञान की यह कमी अक्सर जोखिम भरे व्यवहार की ओर ले जाती है, जैसे कि असत्यापित लिंक पर क्लिक करना या कमजोर पासवर्ड का उपयोग करना।

2. सुरक्षा उपायों की जटिलता उन्नत सुरक्षा उपाय, जैसे एन्क्रिप्शन और बहु–कारक प्रमाणीकरण, गैर–तकनीकी उपयोगकर्ताओं के लिए डराने वाले हो सकते हैं। यह जटिलता कभी–कभी ग्राहकों को इन प्रथाओं को अपनाने से हतोत्साहित करती है।

3. तेजी से विकसित होने वाले साइबर खतरे तेजी से विकसित होते हैं, जिससे ग्राहकों के लिए अपडेट रहना मुश्किल हो जाता है। उदाहरण के लिए, परिष्कृत फिशिंग योजनाएं और शून्य–दिवसीय कमजोरियां पारंपरिक सुरक्षा उपायों को दरकिनार कर सकती हैं, जिससे ग्राहक उजागर हो जाते हैं।

4. **संगठनात्मक सुरक्षा**– ग्राहकों में यह विश्वास होना कि साइबर सुरक्षा के लिए संगठन या संस्थान की ही एकमात्र जिम्मेदारी है। यह गलत धारणा खतरे का कारण बन सकती है, जहां उपयोगकर्ता सुरक्षा बनाए रखने में अपनी भूमिका की अवहेलना करते हैं।

5. **मानव त्रुटि**– मानव त्रुटि सुरक्षा उल्लंघनों के प्रमुख कारणों में से एक बनी हुई है। सरल गलतियां, जैसे कि गलत प्राप्तकर्ता को संवेदनशील जानकारी भेजना या साझा उपकरणों से लॉग आउट करने में विफल रहना, महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं।

साइबर अपराध की रोकथाम के लिए ग्राहकों के लिए रणनीतियां

इन चुनौतियों को दूर करने के लिए, ग्राहक निम्नलिखित रणनीतियों को अपना सकते हैंः

1. खुद को शिक्षित करें और अन्य ग्राहकों को ऑनलाइन संसाधनों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों के माध्यम से साइबर सुरक्षा के बारे में जानने की पहल करनी चाहिए। परिवार और दोस्तों के साथ ज्ञान साझा करने से उनके नेटवर्क की समग्र सुरक्षा बढ़ सकती है।

2. **अच्छी डिजिटल स्वच्छता की आदत**– डिजिटल स्वच्छता में ऐसी आदतें शामिल हैं जो साइबर खतरों के

PNB Magazine 2025.indd 35 5/15/2025 11:23:09 PM

जोखिम को कम करती है। उदाहरणस्वरुप संवेदनशील लेनदेन के लिए सार्वजनिक वाई–फाई से बचना, पासवर्ड प्रबंधकों का उपयोग करना और नियमित रूप से उपकरणों और सॉफ्टवेयर को अपडेट करना शामिल है।

3. **सोशल इंजीनियरिंग हमलों के खिलाफ सतर्क रहें**– सोशल इंजीनियरिंग हमलों ने जानकारी तक अनधिकृत पहुंच हासिल करने के लिए मानव मनोविज्ञान में हेरफेर किया। ग्राहकों को अवांछित संचार से सावधान रहना चाहिए और संवेदनशील डेटा साझा करने से पहले अनुरोधों की प्रामाणिकता को सत्यापित करना चाहिए।

4. **शून्य–विश्वास मानसिकता को अपनाएं**– शून्य–विश्वास दृष्टिकोण मानता है कि कोई भी इकाई, आंतरिक या बाह्य, डिफॉल्ट रूप से भरोसेमंद नहीं है। ग्राहकों को उन वेबसाइटों और अनुप्रयोगों की सुरक्षा का गंभीर रूप से मूल्यांकन करना चाहिए जिनके साथ वे बातचीत करते हैं और उनके द्वारा ऑनलाइन साझा की गई व्यक्तिगत जानकारी की मात्रा को सीमित करना चाहिए।

5. **वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन),** एडी ब्लॉकर्स और एंटी– मालवेयर सॉफ्टवेयर जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग साइबर सुरक्षा को काफी बढ़ा सकता है। ग्राहकों को अपनी ऑनलाइन गतिविधियों की रक्षा के लिए इन उपकरणों का लाभ उठाना चाहिए।

6. सेवा प्रदाताओं के साथ जुड़ना ग्राहक सुरक्षा चिंताओं के संबंध में सेवा प्रदाताओं को प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं और संभावित खतरों के बारे में सूचित रहने के लिए उपयोगकर्ता मंचों में भाग ले सकते हैं। उपयोगकर्ताओं और प्रदाताओं के बीच सहयोग एक मजबूत सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा देता है।

7. **कानूनी सहायता**– ग्राहकों को साइबर अपराध से संबंधित सभी कानूनों की समुचित जानकारी होनी चाहिए और यह ज्ञात होना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर कहाँ से कानूनी मदद ली जा सकती है।

उपसंहार

विद्या, तर्कशक्ति, विज्ञान, स्मृति–शक्ति, तत्परता और क्रियाशीलता, ये छह गुण जिसके पास हैं उसके लिए कुछ भी असाध्य नहीं है। आज की दुनिया के साइबर अपराध से निपटने के लिए इन्हीं गुणों की सबसे अधिक आवश्यकता है। ग्राहकों में पर्याप्त जागरूकता होना ही इसका सबसे कारगार उपाय है।

कला दीर्घा

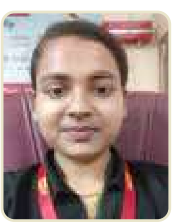

श्वेता शर्मा
ग्राहक सेवा सहयोगी
शाखा – देवली
मण्डल कार्यालय, कोटा

रोशन चौरसिया
वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, आगरा

PNB Magazine 2025.indd 36 5/15/2025 11:23:13 PM

कहानियों की दराज से.....

संतोष का स्तर: सबका अपना-अपना

गुरपिंदर कौर, प्रशिक्षण प्रमुख, कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, पंचकूला

"मम्मा आज हम जरूर कहीं घूमने जाएंगे" यह फरमान निकिता ने सुबह उठते ही सुना दिया। 'इतनी गर्मी में"? यह मेरा अनायास ही निकला हुआ सवाल सहित जवाब था। इस बार गर्मी ने मानो सभी हदों को पार कर दिया था। इस बार लंबे वीकएंड के कारण दो दिन छुट्टी के घर पर ही बिताए थे और निकिता का वर्क फ्रॉम होम भी खत्म होने को था। इसी कारण मैं उसे नाराज नहीं करना चाहती थी, अतः हमने मॉल में चलने का मन बनाया। सेंट्रलाइज्ड एसी होने के कारण गर्मी से भी बच जाएंगे और घूमना फिरना भी हो जाएगा।

मॉल में पहुंचकर गाड़ी पार्क करके सामने ही 'लाइफस्टाइल होम स्टोर' के शोरूम पर नजर पड़ी, तो वहीं से शुरुआत करना उचित समझा। उसमें 70% तक छूट की सेल लगी हुई थी। कुछ न खरीदने का मन बनाकर घर से निकलने के बावजूद भी इतनी छूट देखकर महिला होने के नाते कुछ भी न खरीदना असंभव सा लगने लगा। शोरूम में प्रवेश करते ही सामने मुझे एक सुंदर सा दस हजार रुपए का क्रॉकरी का टी सेट दिखा, जिसे हर बार देखकर मैं अपने मन को समझा लेती थी कि काँच पर इतने पैसे क्यों खर्च करने। आज सेल के बहाने उसे खरीदने का मन बना ही लिया और साथ ही रसोई से संबंधित कुछ अन्य बर्तन, एक–दो जार आदि मिलाकर कुल पांच हजार रुपए की शॉपिंग कर डाली। इस दौरान तीन घंटे कब बीत गए, पता ही न चला, फिर मॉल में ही फूड कोर्ट में हल्का–फुल्का खाया और शाम होते–होते घर पहुंच गए।

निकिता भी नया टी सेट खरीदकर बहुत उत्साहित थी। उसी टी सेट में चाय बना कर पूरी ट्रे सजा कर निकिता ने हमें पेश की। निकिता के पापा को उसके चाय सर्व करने पर ही इतना प्यार उमड़ रहा था कि उन्होंने उसके सिर पर हाथ फेरकर ढेर सारा आशीर्वाद दिया। एक पिता का पुत्री के प्रति स्नेह देखते ही बनता है, यही एक ऐसा रिश्ता है, जिसमें नारी को पुरुष से निःस्वार्थ प्रेम प्राप्त होता है और इस प्रेम के बदले कुछ भी पाने की इच्छा नहीं होती। अन्यथा मां–बेटी से काम में हाथ बंटाने की उम्मीद रखती है, भाई–बहन पर अपना रौब जमाए रखना चाहता है, इसी प्रकार अन्य रिश्तों में भी कुछ न कुछ पाने की इच्छा रहती ही है।

चाय पीने के पश्चात मैंने रसोई में जाकर कुछ पुराने डिब्बे निकाले और नए सजा दिए और भी कुछ पुराने बर्तन और डिब्बे निकालकर मैंने रसोई की शेल्फ पर ही एक तरफ इकट्ठे कर दिए। अगले दिन जब मेरी बाई शिवानी आई तो इतने बर्तनों और डिब्बों का ढेर देखकर उदास सा मुंह बनाकर बोली, "भाभी यह सब भी धोने हैं क्या?" मैंने बोला, "नहीं, यह कोई कबाड़ी आएगा, तो उसको दे देंगे।" मेरी यह बात सुनकर उसके चेहरे पर राहत और चाहत के मिश्रित भाव मुझे स्पष्ट दिखाई दिए। मैंने शिवानी से कहा, कि तुझे इसमें से जो चाहिए, वह ले जा। बाकी कबाड़ी ले जाएगा। वह बहुत खुश हुई और उनमें से एक 5 कप का सेट, पतीला, काँच की कुछ शीशियां और प्लास्टिक के डिब्बे उठा लिए। जाते हुए उसी पतीले में वह फ्रिज से बर्फ निकाल कर ले गई, यह उसका दैनिक रूटीन था। उसे सामान देकर मुझे भी एक आंतरिक संतुष्टि हुई कि मेरा सामान कोई उपयोग कर लेगा और वह बेकार नहीं जाएगा।

अगले दिन शिवानी सुबह काम पर आई, तो बहुत खुश थी। उसकी 'नमस्ते भाभी' की आवाज में एक अलग खनक थी। मैंने पूछा, "आज बहुत खुश है, क्या हुआ?" वह बोली, "भाभी, आपके दिए सामान से मेरी रसोई पूरी सज गई। मैंने पुराने बर्तन निकाल कर नए डिब्बे सजा दिए हैं। मैंने पूछा कि अपना पुराना सामान कबाड़ वाले को दे दिया, तो शिवानी का उत्तर सुनकर मुझे हैरानी हुई। वह बोली, "नहीं भाभी, कल यहां से जाने के बाद एक भिखारी आया और उसने पीने के लिए पानी मांगा, मैंने उसे अपने पुराने एल्यूमिनियम के लोटे में ही पानी देकर उसे लोटा रख लेने को कहा। उसने कहा कि अगर कुछ और भी दे सको तो बड़ा भला होगा, तो मैंने अपने पुराने बर्तनों में से अलग– अलग रंगों के कुछ कप और एक दो पुरानी चम्मच दे दीं, वह उन्हें लेकर बड़ा खुश हुआ और खूब सारी दुआएं देकर गया। मैंने बोला कि दुआएं मेरी भाभी को दे, जिन्होंने मुझे अपना इतना नया–नया सामान दिया है, तभी मैं तुम्हें इतना सामान दे पाई।"

शिवानी की बेधड़क एक ही बार में बोली गई निश्छल सी बातें मेरे मन को छू गईं और मैं सोचने पर मजबूर हो गई कि ईश्वर के बनाए हुए इंसानों में संतुष्टि का स्तर कितना अलग–अलग है। जिस वस्तु की हम लालसा रखते हैं, वे किसी के लिए कितनी बेमानी हो सकती हैं और जो वस्तु हम बेकार समझते हैं, वही वस्तुएं कुछ लोगों को कितना संतोष प्रदान करती हैं। मेरे लिए बेकार हो चुके डिब्बे शिवानी को कितना संतोष दे गए और उसी के कुछ पुराने टूटे हुए बरतन भी एक भिखारी को कितनी खुशी प्रदान कर गए। यही सृष्टि का नियम है, इसी कारण वह ईश्वर जिस हाल में रखे, उसी में संतुष्ट रहने की कोशिश करना और उसका शुक्रिया अदा करना ही उसकी सच्ची पूजा है।

PNB Magazine 2025.indd 37 5/15/2025 11:23:13 PM

तीन दिवसीय अखिल भारतीय

राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन सह समीक्षा बैठक के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, आईएएस, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार। दृष्टव्य हैं श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री नरेंद्र कुमार बजाज, उप महाप्रबंधक।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की मुख्य अतिथि श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, आईएएस, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को पौधा भेंट कर उनका अभिनंदन करते हुए, श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक।

सम्मेलन के दौरान श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक को पौधा भेंटकर स्वागत करते हुए श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक–राजभाषा (तत्कालीन)।

पंजाब नैशनल बैंक के राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय द्वारा उन्नत प्रशिक्षण संस्थान, सिविल लाइन्स, नई दिल्ली में बैंक के समस्त राजभाषा अधिकारियों के लिए दिनांक 19 से 21 मार्च, 2025 तक तीन दिवसीय "अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन" का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में बैंक के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न स्केल के लगभग 160 राजभाषा अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि श्रीमती अंशुली आर्या, आई. ए. एस., सचिव राजभाषा, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री कल्याण कुमार, श्री देवार्चन साहू, (महाप्रबंधक राजभाषा तत्कालीन), श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्री विजेन्द्र सिंह चौहान, प्रोफेसर, जाकिर हुसैन, महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य से राजभाषा अधिकारियों का मनोबल बढ़ाया।

सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग से श्री राजेश श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक (नीति), श्री के. पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक (का0) वित्तीय सेवाएं विभाग से श्री धर्मबीर, उप निदेशक, श्री केवल कृष्ण, पूर्व वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, श्री बालेन्दु शर्मा दाधीच, डायरेक्टर, माइक्रोसॉफ्ट ने राजभाषा अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

PNB Magazine 2025.indd 38 5/15/2025 11:23:21 PM

राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के डिजिटल ऐप पीएनबी आरंभ के राजभाषा मॉड्यूल का शुभारंभ किया गया तथा त्रिभाषा एवं छः भाषाओं की बुकलेट का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय सचिव महोदया ने कहा कि हमें राजभाषा हिंदी के मौलिक प्रयोग को बढाना चाहिए। पंजाब नैशनल बैंक राजभाषा के क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य कर रहा है, यह सराहनीय है।

श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक, पंजाब नैशनल बैंक, ने कहा कि, "हिंदी केवल राजभाषा ही नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर भी है। सरकारी कार्यों में इसकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है। साथ ही मुख्य अतिथि महोदया एवं बैंक के उच्च कार्यपालकों द्वारा राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उच्चाधिकारियों को राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।"

सम्मेलन में बैंक के राजभाषा अधिकारियों को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के राजभाषा संबंधी नवीनतम निर्देशों से अवगत करवाया गया। श्रीमती मनीषा शर्मा, विभागीय प्रमुख, राजभाषा विभाग ने पंजाब नैशनल बैंक में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों का पीपीटी के माध्यम से प्रजेंटेशन दिया, जिसकी गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा सराहना की गई।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की मुख्य अतिथि श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, आईएएस, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक–'राजभाषा आनॅलाइन मॉडयूल आरभ' का विमोचन करते हुए।

राजभाषा सम्मेलन के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री धर्मबीर, उप निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री विजेन्द्र सिंह चौहान, प्रोफेसर, जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय। दृष्टव्य हैं श्री नरेंद्र कुमार बजाज, उप महाप्रबंधक, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं राजभाषा अधिकारीगण।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान प्रधान कार्यालय तथा विविध अंचल कार्यालयों द्वारा लगाई गई राजभाषा प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव, आईएएस, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं महाप्रबंधकगण श्री देवार्चन साहू, श्री पवन सिंह, उप महाप्रबंधक, श्री नरेंद्र कुमार बजाज, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक, मुख्य प्रबंधक, श्री आशीष शर्मा एवं अन्य।

PNB Magazine 2025.indd 39 5/15/2025 11:23:31 PM

आर्गेनाइजेशन्स में साईकोलॉजिकल सेफ्टी

(Psychological Safety)

आलोक बोहरा, मुख्य संकाय, एसटीसी फ़रीदाबाद

अपना वो अनुभव याद कीजिये, जब आपने पूरी तरह से निडर होकर किसी टीम या ग्रुप के सामने अपने विचार साझा किये थे। जहां आपको किसी प्रकार की आलोचना या नकारात्मक प्रतिक्रिया का डर नहीं था। जहां कम से कम यह विश्वास था कि आपको सुना जाएगा और आपके विचारों का सम्मान किया जाएगा। हो सकता है कि यह अनुभव आपके कार्यस्थल का न हो, बल्कि दोस्तों या परिवार के बीच का हो। लेकिन फिर भी, उस पल को याद कीजिए।

ऐसा क्या था जिसने आपको इतना आत्मविश्वास दिया कि आप अपने विचार खुलकर व्यक्त कर सके? उस टीम या ग्रुप में कौन सी बुनियाद डाली गई थी, जिसने इस माहौल को संभव बनाया? उन संबंधों और उस आरामदायक स्थिति का निर्माण कैसे हुआ?

इस अनुभव की जड़ में जो महत्वपूर्ण तत्व छिपा है, उसे हम 'साइकोलॉजिकल सेफ्टी' कहते हैं। 2012 में, गूगल (Google) ने एक शोध की शुरुआत की जिसका उद्देश्य एक आदर्श टीम बनाने का तरीका ढूंढना था। इस शोध को 'प्रोजेक्ट एरिस्टोटल' नाम दिया गया, और इसके तहत चार वर्षों तक 200 से अधिक टीमों का अध्ययन किया गया। हालांकि, शुरुआती परिणाम अस्पष्ट थे क्योंकि टीम के सदस्यों की व्यक्तिगत विशेषताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था, बजाय इस पर कि टीम एक इकाई के रूप में कैसे काम करती है।

बाद में, हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एमी एडमंडसन के काम को इस शोध में शामिल किया गया, जिन्होंने सफल टीमों को बेहतर ढंग से समझने के लिए गहन अध्ययन किया है। उन्होंने वर्षों के शोध और साक्ष्यों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि 'साइकोलॉजिकल सेफ्टी' एक प्रमुख तत्व है, जो किसी भी सफल टीम के केंद्र में होता है।

एडमंडसन के अनुसार, साइकोलॉजिकल सेफ्टी का मतलब है कि व्यक्ति यह महसूस करे कि अगर वह अपने विचार, सवाल, चिंताएं, या गलतियां साझा करेगा, तो उसे सजा या अपमान का सामना नहीं करना पड़ेगा। उसे यह भी विश्वास हो कि वह बिना किसी डर के व्यक्तिगत जोखिम ले सकता है। जब गूगल (Google) ने अपने शोध में इस साइकोलॉजिकल सेफ्टी के सिद्धांत को लागू किया, तो उन्होंने खोजा कि टीम में कौन शामिल है– इसका महत्व बहुत कम था, जबकि टीम कैसे काम करती है, यह सबसे महत्वपूर्ण था। सबसे महत्वपूर्ण तत्व साइकोलॉजिकल सेफ्टी ही था।

एडमंडसन, गूगल (Google) और अन्य कई शोधों से यह साबित हुआ है कि साइकोलॉजिकल सेफ्टी एक महत्वपूर्ण तत्व है, जो टीम के आपसी सहयोग, कार्यकुशलता, और नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित करता है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक, जटिल, परिवर्तनशील और अनिश्चितताओं से परिपूर्ण समय में, आर्गेनाइजेशन्स को अपना स्थान बनाये रखने और उत्तरोत्तर प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहने के लिए इनोवेटिव, एजाइल और अडैप्टिव बनना पड़ेगा। इनोवेशन के लिए जोखिम उठाना जरूरी होता है। इसके लिए लोगों को नए, और कभी–कभी आर्गेनाइजेशन के सामान्य तरीकों से अलग हटकर सोचना पड़ता है। लोग अगर जोखिम उठाने के लिए सुरक्षित महसूस करेंगे, तभी स्थापित मान्यताओं को चुनौती दे सकेंगे और खुलकर अपनी बात कह सकेंगे। यही वजह है कि साइकोलॉजिकल सेफ्टी का आर्गेनाइजेशन की सफलता में अपरिहार्य योगदान है।

साइकोलॉजिकल सेफ्टी का वातावरण बनाना एक अनवरत प्रक्रिया है। इसे अचानक से प्राप्त नहीं किया जा सकता, वरन इसके लिए सोचे समझे, संतुलित और अथक प्रयास करने पड़ते हैं। सुविख्यात आर्गेनाइजेशनल साइकोलॉजिस्ट और लेखक, टिमोथी आर. क्लार्क ने यह प्रतिपादित किया है कि आर्गेनाइजेशन में साइकोलॉजिकल सेफ्टी, चार उत्तरोत्तर चरणों में प्राप्त की जा सकती है:

1. **समावेशन सुरक्षा (Inclusion Safety):** इकोलॉजिकल सेफ्टी का प्रथम चरण है टीम में इन्क्लुसिविटी (समावेशन) स्थापित करना, जहां प्रत्येक सदस्य अपने आप को टीम का अभिन्न अंग अनुभव कर सके। यदि किसी सदस्य को उसके धर्म, जाति, क्षेत्र, शिक्षा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, शारीरिक बनावट, बोलचाल के तरीके, भाषा, दिव्यांगता आदि के आधार पर पक्षपात झेलना पड़ता है तो वह किसी भी नवाचार अथवा जोखिम से बचने की कोशिश करेगा ताकि उसे और तिरस्कार ना झेलना पड़े।

2. **शिक्षार्थी सुरक्षा (Learner Safety):** साइकोलॉजिकल सेफ्टी का अगला पड़ाव है सभी सदस्यों को लर्निंग और ग्रोथ के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाना। प्रश्न पूछना, एक्सपेरिमेंट करना, गलतियां करना, फीडबैक देना और फीडबैक लेना आदि लर्निंग प्रोसेस का अभिन्न हिस्सा हैं। अगर इन सब से डर हटा दिया जाये तो टीम हमेशा परिवर्तन और इनोवेशन के लिए उत्साहित रहेगी।

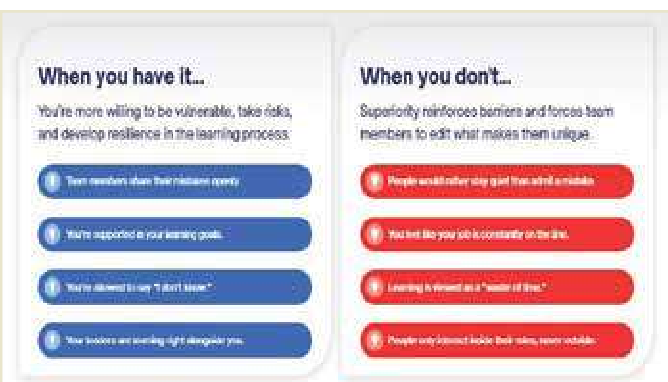

3. **योगदानकर्ता सुरक्षा (Contributor Safety):** अपना योगदान देने और बदलाव लाने की आकांक्षा, सहज मानवीय स्वभाव है। टीम मेंबर्स को अपने तरीके से अपना काम करने की स्वायत्तता प्रदान करना Contributor Safety को इंगित करता है। यह आर्गेनाइजेशन में रिजल्ट ओरिएंटेड परफॉर्मेंस का आधार स्तम्भ है।

4. **चैलेंजर सुरक्षा (Challenger Safety):** यह साइकोलॉजिकल सेफ्टी के 4 चरणों की पराकाष्ठा है। यह टीम मेंबर्स को अपनी आवाज उठाने और status-quo को चुनौती देने के लिए तैयार करती है। एक टीम अथवा आर्गेनाइजेशन के लिए बहु–आयामी एवं नवोन्मेषी विचारों की अतीव महत्ता है तथा लोग बेबाकी से अपनी बात/अपने विचार रखने का साहस केवल तभी कर सकेंगे जब उन्हें विश्वास हो कि इस कारण उन्हें तिरस्कृत या दण्डित नहीं किया जायेगा।

अंततः, साइकोलॉजिकल सेफ्टी एक ऐसी नींव है, जिस पर मजबूत और सफल टीमों का निर्माण होता है। जब आर्गेनाइजेशन इसके महत्व को समझते हुए एक सहयोगात्मक और खुले वातावरण को बढ़ावा देते हैं, तो वे न केवल वर्तमान की चुनौतियों का सामना करते हैं, बल्कि भविष्य की दिशा में एक मजबूत और प्रगतिशील कदम भी बढ़ाते हैं। आइये हम सब आत्मावलोकन करें कि हमारी टीम में साइकोलॉजिकल सेफ्टी का क्या स्तर है, और यदि आवश्यकता है, तो उचित कदम उठायें ताकि हम हमारे प्यारे बैंक को हमेशा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रख सकें।

अर्थव्यवस्था में वित्तीय समावेशन और सरकारी व्यवसाय का महत्त्व

अंकुश वोहरा, वरिष्ठ प्रबंधक, अंचल कार्यालय, लुधियाना

वित्तीय समावेशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को बैंकिंग और अन्य वित्तीय सेवाओं से जोड़ना है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। भारत में सरकार ने वित्तीय समावेशन को एक महत्वपूर्ण नीति के रूप में अपनाया है, जिससे गरीबों, किसानों, महिला उद्यमियों और छोटे व्यवसायियों को वित्तीय संसाधनों का लाभ मिल सके।

वित्तीय समावेशन का महत्व

वित्तीय समावेशन का महत्व केवल गरीबों को बैंक खाते खोलने और कर्ज प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। जब लोग वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाते हैं, तो वे अपनी बचत कर सकते हैं, निवेश कर सकते हैं, और अपने व्यवसायों को बढ़ावा दे सकते हैं। इसके अलावा, यह उन्हें आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षित रखने में भी मदद करता है। भारत में कई ऐसे लोग हैं जो अभी भी वित्तीय सेवाओं से वंचित हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। यही कारण है कि सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं, ताकि इस असमानता को कम किया जा सके और अधिक से अधिक लोगों को वित्तीय व्यवस्था में शामिल किया जा सके।

सरकार की पहल

भारत सरकार ने वित्तीय समावेशन के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है। इनमें से कुछ प्रमुख योजनाएं निम्नलिखित हैंः–

1. **प्रधानमंत्री जन–धन योजनाः** यह योजना भारतीय नागरिकों को एक सरल और सुविधाजनक बैंक खाता खोलने का अवसर देती है। इस योजना का उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ उन लोगों तक पहुंचाना है, जो पहले बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे। इसके तहत गरीबों और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए बैंकों में निःशुल्क खाता खोलने की सुविधा दी जाती है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी बीमा योजनाएं भी इससे जुड़ी हैं।
2. **प्रधानमंत्री मुद्रा योजनाः** यह योजना छोटे व्यवसायों और उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अंतर्गत व्यवसायियों को बिना किसी गारंटी के कर्ज दिया जाता है। इसका उद्देश्य छोटे और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा देना है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।
3. **किसान क्रेडिट कार्डः** कृषि क्षेत्र को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना शुरू की गई है। इसके तहत किसानों को सस्ती ब्याज दरों पर कर्ज दिया जाता है, जिससे वे अपने कृषि कार्यों के लिए आवश्यक पूंजी प्राप्त कर सकते हैं।
4. **डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाएंः** सरकार ने डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे कि UPI (Unified Payments Interface)] AePS (Aadhaar enabled Payment System) और Bharat Bill Payment System (BBPS)। इन योजनाओं से वित्तीय समावेशन को और बढ़ावा मिलता है, क्योंकि यह सेवा ग्राहकों को बिना भौतिक शाखाओं के बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराती है।

सरकारी व्यवसाय में वित्तीय समावेशन की भूमिका

सरकारी व्यवसायों के लिए वित्तीय समावेशन एक महत्वपूर्ण कदम है। जब लोग वित्तीय सेवाओं का उपयोग करते हैं, तो सरकार को भी इससे लाभ होता है। सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कर वसूली, सब्सिडी वितरण और अन्य सरकारी कार्यक्रमों को सुचारु रूप से चला सकती है।

PNB Magazine 2025.indd 42 5/15/2025 11:23:32 PM

निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी

वित्तीय समावेशन में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। सरकार ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी की है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचायी जा सकें। साथ ही, डिजिटल माध्यमों की मदद से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है।

विकास के अवसर

वित्तीय समावेशन से सरकारी व्यवसायों को एक नया बाजार मिलता है। जैसे–जैसे अधिक लोग बैंकिंग सेवाओं से जुड़ते हैं, वैसे–वैसे वित्तीय संस्थान अपनी सेवाओं का विस्तार कर सकते हैं। इससे रोजगार सृजन, व्यापार विस्तार और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है।

निष्कर्ष

वित्तीय समावेशन न केवल समाज के गरीब और वंचित वर्गों को सशक्त बनाता है, बल्कि यह पूरे देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है। सरकार के प्रयासों से भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है, और यह कदम देश की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि में योगदान करेगा। यह भी सुनिश्चित करता है कि सरकारी योजनाएं सही लाभार्थियों तक पहुंचें और उनका जीवन स्तर बेहतर हो।

संसदीय राजभाषा समिति के दौरे

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उपसमिति द्वारा मंडल कार्यालय, मुंबई पश्चिम का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष माननीय डॉ. भृर्तहरी महताब से प्रशस्ति पत्र ग्रहण करते हुए श्री फिरोज हसनैन, अंचल प्रमुख, मुंबई। दृष्टव्य हैं माननीय संसदीय समिति के सदस्यगण तथा पंजाब नैशनल बैंक से श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा) (तत्कालीन) श्री विनिष कुमार चावला, मंडल प्रमुख, मुंबई, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति द्वारा अंचल कार्यालय, जयपुर का राजभाषाई निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर दृष्टव्य हैं समिति के उपाध्यक्ष माननीय डॉ. भृर्तहरी महताब तथा संसदीय समिति के सदस्यगण, श्री धर्मबीर, उप निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक(राजभाषा) तत्कालीन, श्री राजेश भौमिक, अंचल प्रबंधक, जयपुर, श्री सुधीर शर्मा, उप महाप्रबंधक, जयपुर अंचल, श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) प्रधान कार्यालय तथा श्रीमती दिशा कुमारी, राजभाषा अधिकारी।

PNB Magazine 2025.indd 43 5/15/2025 11:23:36 PM

महामहिम राष्ट्रपति ने किया पीएनबीएंस को सम्मानित

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से अर्जुन पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री सुखजीत सिंह।

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से अर्जुन पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री अभिषेक।

भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में देश के बेहतरीन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया। इस अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पंजाब नैशनल बैंक में कार्यरत दो स्टाफ सदस्यों एवं हॉकी खिलाड़ियों श्री अभिषेक तथा श्री सुखजीत सिंह को वर्ष 2024 के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। पंजाब नैशनल बैंक के लिए यह बहुत ही गौरवशाली क्षण था। उल्लेखनीय है अर्जुन पुरस्कार खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पिछले चार वर्षों की अवधि में अच्छे प्रदर्शन तथा नेतृत्व, खेल कौशल और अनुशासन की भावना दिखाने के लिए दिया जाता है।

सुधीर सक्सेना ने इंडिया ओपन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीता रजत

पंजाब नैशनल बैंक के प्रधान कार्यालय में अधिकारी के रूप में कार्यरत किकबॉक्सर श्री सुधीर सक्सेना ने फरवरी 2025 माह में दिल्ली में आयोजित चौथी इंडिया ओपन किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए रजत पदक प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री अशोक चंद्र तथा कार्यपालक निदेशकगण, श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम, श्री बी. पी. महापात्र ने उन्हें गणतंत्र दिवस के अवसर प्रधान कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया।

PNB Magazine 2025.indd 44 5/15/2025 11:23:37 PM

वीर बाल दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार" से सम्मानित किया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पुरस्कार विजेताओं से संवाद भी किया। इन 17 बच्चों में पंजाब नैशनल बैंक के प्रधान कार्यालय में पदस्थापित श्री यदुवंश शिरोमणि की भतीजी जिन्होंने थाईलैण्ड में आयोजित वर्ल्ड एबिलिटी स्पोर्ट्स यूथ गेम्स 2024 में शॉर्टपुट में स्वर्ण पदक, जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में एक–एक कांस्य पदक जीता है को भी महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रधान कार्यालय में पदस्थापित श्री संदीप सिंह नेगी, वरिष्ठ प्रबंधक ने 24 से 28 फरवरी 2025 को के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित 13वीं राष्ट्रीय पैरा जूडो चैंपियनशिप 2025 में कांस्य पदक जीता। उक्त प्रतियोगिता इंडियन बैंक और पंजाब नैशनल बैंक द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित की गई थी।

पंजाब नैशनल बैंक की पुरुष हॉकी टीम ने वाराणसी में आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय पद्मश्री मोहम्मद शाहिद पुरुष हॉकी टूर्नामेंट 2024–25 का खिताब जीता। टीम की इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में प्रधान कार्यालय, द्वारका में आयोजित एक कार्यक्रम में हॉकी टीम का उत्साहवर्धन करते हुए श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा श्री बी. पी. महापात्र, कार्यपालक निदेशक।

नई दिल्ली, कनॉट प्लेस के होटल ली मेरिडियन में आयोजित एक कार्यक्रम में हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2024 के अंतर्गत फॉरवर्ड ऑफ द ईयर के लिए "हॉकी इंडिया धनराज पिल्लै पुरस्कार" ग्रहण करते हुए श्री अभिषेक, पंजाब नैशनल बैंक की ओर से राष्ट्रीय हॉकी टीम के सदस्य।

PNB Magazine 2025.indd 45 5/15/2025 11:23:40 PM

पीएम विश्वकर्मा योजना

गगनदीप कौर, प्रबंधक, अंचल कार्यालय, लुधियाना

15 अगस्त 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घोषित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शी योजना पीएम विश्वकर्मा की अवधि पांच वर्ष (वित्त वर्ष 2023–24 से 2027–28) और वित्तीय परिव्यय ₹13000 करोड़ है। पीएम विश्वकर्मा योजना न केवल पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों जैसी आम भारतीय जनता के लिए उपयोगी है बल्कि संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी के समान है। पीएम स्वनिधि के बाद माननीय प्रधानमंत्री जी की यह अगली महत्वाकांक्षी परियोजना हमारे समाज के विभिन्न समुदायों, विशेषकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), को ध्यान में रखकर बनाई और लागू की गई है।

उद्देश्यः योजना का उद्देश्य विभिन्न समुदायों, विशेषकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), से संबंधित पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल विकास, वित्तीय सहायता, बाजार संपर्क, सामाजिक सुरक्षा और सशक्तिकरण प्रदान करना है। गुरु–शिष्य परंपरा या अपने हाथों और औजारों से काम करने वाले कारीगरों व शिल्पकारों द्वारा पारंपरिक कौशल के परिवार–आधारित पेशे को मजबूत करना और बढ़ावा देना, कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों व सेवाओं की पहुंच के साथ–साथ गुणवत्ता में सुधार करने के साथ–साथ यह सुनिश्चित करना कि विश्वकर्मा घरेलू और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ सकें।

विस्तारः यह योजना पूरे भारत में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों को सहायता प्रदान करेगी। पीएम विश्वकर्मा के तहत पहले चरण में कपड़ा, चमड़ा, धातु, लकड़ी, मिट्टी, पत्थर, बांस, बेंत, कागज, कांच आदि से जुड़े अठारह पारंपरिक व्यवसायों को शामिल किया जाएगा। इन व्यवसायों में (i) बढ़ई (सुथार); (ii) नाव निर्माता; (iii) अस्त्र बनाने वाला; (iv) लोहार (v) हथौड़ा और टूल किट निर्माता; (vi) ताला बनाने वाला; (vii) गोल्डस्मिथ (सुनार); (viii) कुम्हार; (ix) मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाला, पत्थर तोड़ने वाला); (x) मोची (चर्मकार)/जूता कारीगर; (xi) मेसन (राजमिस्त्री); (xii) टोकरी/चटाई/झाडू निर्माता/जूट बुनकर; (xiii) गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक); (xiv) नाई; (xv) माला बनाने वाला; (xvi) धोबी; (xvii) दर्जी और (xviii) मछली पकड़ने का जाल बनाने वाला शामिल हैं।

पात्रताः योजना के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के निर्दिष्ट परिवार आधारित किसी भी पारंपरिक व्यवसाय को स्वरोजगार के माध्यम से करने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु के कारीगर एवं शिल्पकार पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीकरण के लिए पात्र हैं। लाभार्थी पंजीकरण की तिथि पर संबंधित व्यवसायों में संलग्न हो और उसने पिछले 5 वर्षों में स्वरोजगार/व्यवसाय विकास के लिए केंद्र सरकार या राज्य सरकार की ऐसी ही ऋण–आधारित किसी भी योजना के तहत ऋण न लिया हो। हालांकि, मुद्रा और स्वनिधि के ऐसे लाभार्थी, जिन्होंने अपना ऋण चुका दिया है, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत भी पात्र हैं। आवेदकों को कौशल सत्यापन और 5 दिनों का बुनियादी कौशल प्रशिक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा करना होगा।

सुविधाएंः योजना के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाणपत्र तथा पहचान–पत्र दिया जाएगा और उन्हें उनकी मौजूदा दक्षता के स्तर तथा बाजार की मांग के आधार पर विभिन्न माध्यमों से कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कच्चे माल की खरीद, उपकरणों की खरीद, उत्पाद विकास, गुणवत्ता सुधार आदि जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए ऋण, अनुदान, सब्सिडी,

PNB Magazine 2025.indd 46 5/15/2025 11:23:41 PM

ब्याज में छूट आदि के रूप में वित्तीय सहायता दी जाएगी। आरंभ में, 5% की रियायती ब्याज दर के साथ ₹1 लाख (पहली किस्त) और ₹ 2 लाख (दूसरी किस्त) तक की ऋण सहायता प्रदान की जाएगी। बाद में, टूलकिट प्रोत्साहन; डिजिटल लेनदेन हेतु प्रोत्साहन एवं ई–कॉमर्स पोर्टल, प्रदर्शनियों आदि के माध्यम से विपणन सहायता भी प्रदान की जाएगी।

महत्वः यह योजना राष्ट्र एवं अर्थव्यवस्था के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। योजना द्वारा पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के जीवन और आजीविका पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा और उन्हें अपनी आय, उत्पादकता, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। योजना से उन्हें नए घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और उनका ग्राहक आधार बढ़ेगा। योजना इन पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपनी पहचान, गरिमा तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में सहायता करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं संपूर्ण समाज के समग्र विकास में सार्थक योगदान करेगी।

नारी

नारी का अभिवादन कर रहे हैं, आज हम–तुम,
मात्र एक दिन ही यह भाव क्यूँ?
एक पल का ही लगाव क्यूँ?
हर क्षण वंदनीय हो नारी, करे प्रण आज हम–तुम।

समझना होगा सबको नारी का महत्व
हर तत्व में मौजूद, 'प्रकृति' है, वो है नारीत्व।
प्रकृति और पुरुष पूरक है एक–दूजे के
सृष्टि रचित है इनसे, अपूर्ण है बिन एक के।

पर हर रूप में वंदनीय, रक्षित है नारी,
लक्ष्मी, सरस्वती, शक्ति–रूप है धारी।
लेखनी, वाणी, औषधि सब है नारीत्व,
क्षमा, प्रार्थना, दया और मातृत्व।

भावनाओं के विभिन्न स्वरूप है,
बिना नारी के सृष्टि अपूर्ण है।
पर हर युग में फिर भी नारी को देनी होती है परीक्षा,
जिम्मेदारी निभाते पीछे छोड़ देनी होती है अपनी इच्छा

उन्मुक्त आकाश में उड़ान भरने की चाहत भी है,
साहस है, पर प्रश्न बूझती आँखों से आहत भी है।
हर बात का हिसाब नारी से मांगा जाता है।
योग्यता को अव्यवहारिक कसौटी पर आँका जाता है।

दोषहीन है नारी, ऐसा कतई नहीं है,
पर हर परिस्थिति की जिम्मेदार वही नहीं है।
संतुलन इस सृष्टि का नियम है,
एक दिन का ही सम्मान दोयम है।

चाहत, जिंदगी, मुस्कान, कामना,
दौड़ते हैं लोग पाने को, सबमें नारीत्व समाया है।
नारी के सम्मान में है धर्म–गरिमा,
संस्कृति, परिवार, सृष्टि का अस्तित्व इसी में समाया है।

शिल्पा पटेल
वरिष्ठ प्रबंधक
विश्लेषिकी उत्कृष्टता केंद्र प्रभाग, प्रधान कार्यालय

PNB Magazine 2025.indd 47 5/15/2025 11:23:41 PM

लघु बचत योजनाएं

अनुभव चौधरी, प्रबंधक–विपणन, सीएसी, लुधियाना

लघु बचत योजनाएं आम नागरिक की बचत के वे साधन हैं जिनका प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है। इन योजनाओं का उद्देश्य हर आयु वर्ग के नागरिकों को नियमित बचत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। ये योजनाएं आम नागरिकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हैं क्योंकि ये न केवल अधिकतर बचत उपकरणों की तुलना में अधिक रिटर्न देती हैं बल्कि सॉवरेन गारंटी और कर लाभ भी प्रदान करती हैं। जमाकर्ताओं को उनकी जमा पर एक सुनिश्चित ब्याज भी मिलता है। साथ ही ये योजनाएं सरकारी घाटे के वित्तपोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरी हैं।

लघु बचत योजनाओं पर गठित श्यामला गोपीनाथ पैनल (2010) ने इन योजनाओं के लिए बाजार से जुड़ी ब्याज दर प्रणाली का सुझाव दिया था और तदनुसार लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरें तिमाही आधार पर निर्धारित की जाती हैं, जो समान परिपक्वता वाले बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड में होने वाले बदलावों के अनुरूप होती हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा समय–समय पर इन दरों की समीक्षा की जाती है। जनवरी–मार्च 2024 से इन दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

लघु बचत योजनाओं को मुख्य रूप से तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है – डाकघर जमा (जिसमें बचत खाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा, मासिक आय योजना आदि), बचत प्रमाणपत्र (राष्ट्रीय लघु बचत प्रमाणपत्र एनएससी, किसान विकास पत्र केवीपी आदि) और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं (सुकन्या समृद्धि योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस आदि)।

आइए अब इनमें से दो प्रमुख लघु बचत योजनाओं, यथा पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि खाता, की मुख्य विशेषताएं संक्षिप्त रूप से जान लें।

लोक या सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)

- खाते में एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम ₹ 500 तथा अधिकतम ₹ 150000 जमा किए जा सकते हैं।
- तीसरे वित्तीय वर्ष से लेकर छठे वित्तीय वर्ष तक खाते में से ऋण की सुविधा उपलब्ध।
- सातवें वित्तीय वर्ष से खाते में से निकासी की जा सकती है।
- जिस वित्तीय वर्ष में खाता खोला गया है उसको छोड़कर 15 वित्तीय वर्ष पूर्ण होने पर खाता परिपक्व हो जाता है।
- परिपक्वता के उपरांत खाते को 5–5 वर्ष के ब्लॉक में आगे बढ़ाया जा सकता है परंतु इसमें प्रत्येक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है।
- परिपक्वता के उपरांत खाते को बिना जमा राशि के भी जारी रखा जा सकता है।
- खाते में जमा राशि पर आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत छूट उपलब्ध है।
- खाते में अर्जित सम्पूर्ण ब्याज आयकर अधिनियम की धारा 10 के तहत कर मुक्त है।
- खाते में जमा राशि को किसी भी आदेश या न्यायालय की डिक्री के द्वारा अटैच नहीं किया जा सकता है।
- वर्तमान तिमाही (जनवरी–मार्च 2025) हेतु लागू ब्याज दर 7.10% है।

सुकन्या समृद्धि खाता (एसएसए)

- खाते में एक वित्तीय वर्ष में न्यूनतम ₹ 250 तथा अधिकतम ₹ 150000 जमा किए जा सकते हैं।
- यह खाता 10 वर्ष से कम आयु (खाता खोलने की तिथि पर) की कन्या के नाम से उसके नैसर्गिक/विधिक अभिभावक द्वारा खोला जा सकेगा।
- एक कन्या के नाम से केवल एक ही खाता खोला जा सकता है।

PNB Magazine 2025.indd 48 5/15/2025 11:23:41 PM

- खाता डाकघर अथवा अधिकृत बैंकों की शाखाओं में खोला जा सकता है।
- खाताधारक की उच्च शिक्षा में होने वाले खर्चों के लिए खाते से आहरण किया जा सकता है।
- कन्या की आयु 18 वर्ष होने के उपरांत उसके विवाह के लिए खाते को समय पूर्व बंद किया जा सकता है।
- खाता पूरे देश में एक डाकघर/बैंक से दूसरे डाकघर/बैंक में स्थानांतरित किया जा सकता है।
- खाता खोले जाने की तारीख से 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाता परिपक्व हो जाता है।
- खाते में जमा राशि पर आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत छूट उपलब्ध है।
- खाते में अर्जित सम्पूर्ण ब्याज आयकर अधिनियम की धारा 10 के तहत कर मुक्त है।
- वर्तमान तिमाही (जनवरी–मार्च 2025) हेतु लागू ब्याज दर 8.20% है।

वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय में आयोजित हिंदी संगोष्ठी के दौरान मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान का स्वागत करते हुए श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक–राजभाषा (तत्कालीन)। दृष्टव्य हैं श्री सुरेश कुमार राणा, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर पंजाब नैशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, द्वारका में वरिष्ठ कार्यपालकों के लिए हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त संगोष्ठी "वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी की भूमिका व उच्च अधिकारियों के लिए उपयोगी हिंदी ई–टूल्स" के विषय पर आयोजित की गई। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान उपस्थित रहे। संगोष्ठी में प्रधान कार्यालय, द्वारका के समस्त मुख्य महाप्रबंधकों व महाप्रबंधकों द्वारा सहभागिता की गई। उक्त संगोष्ठी के स्वागत सत्र की शुरुआत श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक, राजभाषा के संबोधन से हुई, उसके पश्चात श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक, राजभाषा (तत्कालीन) ने अपने संबोधन में विश्व हिंदी दिवस के आयोजन के इतिहास पर प्रकाश डाला। साथ ही राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार पर भी चर्चा की। इसके बाद श्री सुरेश कुमार राणा, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.वि.) ने विश्व हिंदी दिवस पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संदेश को पढ़ा तथा उसकी मुख्य बातों से अवगत कराया।

संगोष्ठी के अगले सत्र में हिंदी के उपयोगी ई–टूल्स पर श्री राहुल, प्रबंधक(राजभाषा) द्वारा पीपीटी प्रस्तुति दी गई, साथ ही उनके प्रयोग के संबंध में भी जानकारी दी गई। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. प्रमोद कुमार शर्मा ने वैश्विक भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने राजभाषा हिंदी के विश्व भाषा बनने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। विश्व हिंदी दिवस के प्रारंभ से लेकर वर्तमान स्थिति तक उनके द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

PNB Magazine 2025.indd 49 5/15/2025 11:23:43 PM

जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई)

शौर्य गुप्ता, प्रबंधक, वित्तीय समावेशन प्रभाग, प्रधान कार्यालय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2014 को गरीबों को आर्थिक रूप से मुख्यधारा में शामिल करने और हाशिये के समुदायों के विकास के लिए लाई गई प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने 2024 में एक दशक पूरा कर लिया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम है।

वित्त मंत्रालय अपने वित्तीय समावेशन प्रयासों के जरिये हाशिए के समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहायता प्रदान करने का निरंतर प्रयास करता रहा है।

पीएमजेडीवाई बिना बैंकिंग सुविधा वाले हर वयस्क को एक बुनियादी बैंक खाता प्रदान करता है। इस खाते के लिए खाते में शेष राशि रखने की जरूरत नहीं होती है और इस खाते के लिए कोई शुल्क भी नहीं लिया जाता है। इस खाते के साथ एक निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड भी प्रदान किया जाता है ताकि डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दिया जा सके। रुपे डेबिट कार्ड पर 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर भी प्रदान किया जाता है। पीएमजेडीवाई खाताधारकों को आपातकालीन स्थितियों के दौरान 10,000 रुपये तक ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी दी गई है।

पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत किए गए प्रयासों ने प्रभावी तौर पर परिवर्तनकारी एवं दिशात्मक बदलाव किए हैं। इससे बैंक एवं वित्तीय संस्थान समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति अर्थात् सबसे गरीब व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में समर्थ हुए हैं।

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत खोले गए खाते न केवल प्रत्यक्ष लाभ अंतरण में मददगार साबित हुए हैं बल्कि ये सरकार द्वारा निर्धारित लाभार्थियों को दी जाने वाली सब्सिडी/ भुगतान को बिना किसी बिचौलिए के आसानी से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने, निर्बाध लेनदेन और बचत संचय के लिए भी एक प्लेटफॉर्म के रूप में भी काम करते हैं। इसके अतिरिक्त ये खाते जन सुरक्षा योजनाओं (सूक्ष्म बीमा योजनाओं) के जरिये असंगठित क्षेत्र के लाखों श्रमिकों को जीवन एवं दुर्घटना बीमा प्रदान करने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

जन–धन आधार एवं मोबाइल (जेएएम) की त्रिमूर्ति के लिए भी प्रधानमंत्री जन–धन योजना एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और यह बिना किसी नुकसान के सब्सिडी वितरित करने का ढांचा साबित हुआ है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के अंतर्गत जेएएम के जरिये सरकार ने सब्सिडी एवं सामाजिक लाभ सीधे तौर पर वंचितों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक अंतरित किए हैं।

पिछले 10 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जन–धन योजना के सफल कार्यान्वयन ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पीएमजेडीवाई की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

क. पीएमजेडीवाई खातों की संख्या: 53.13 करोड़ (14 अगस्त 2024 तक)

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत 14 अगस्त 2024 तक खोले गए खातों की कुल संख्या 53.13 करोड़ है। इसमें 55.6 प्रतिशत (29.56 करोड़) जन–धन खाताधारक महिलाएं हैं और 66.6 प्रतिशत (35.37 करोड़) जन–धन खाते ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में हैं।

ख. पीएमजेडीवाई खातों में जमा रकम: 2.31 लाख करोड़ रुपये (14 अगस्त 2024 तक)

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों में कुल जमा रकम 2,31,236 करोड़ रुपये है। इन खातों में 3.6 गुना वृद्धि के साथ जमा राशि में करीब 15 गुना (अगस्त 2024/ अगस्त 2015) वृद्धि हुई है।

PNB Magazine 2025.indd 50 5/15/2025 11:23:44 PM

ग. प्रति पीएमजेडीवाई खाते में औसत जमा रकमः 4,352 रुपये (14 अगस्त 2024 तक)

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों में प्रति खाता औसत जमा रकम 14 अगस्त 2024 के अनुसार 4,352 रुपये है। अगस्त 2015 अगस्त के मुकाबले प्रति खाता औसत जमा रकम में 4 गुना वृद्धि हुई है। औसत जमा रकम में वृद्धि खातों के बढ़ते उपयोग और खाताधारकों में बचत की आदत विकसित होने का संकेत है।

घ. पीएमजेडीवाई खाताधारकों को जारी किए गए रुपे कार्डः 36.14 करोड़ (14 अगस्त 2024 तक)

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत खोले गए खातों के खाताधारकों को 36.14 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए हैं। समय के साथ–साथ रुपे कार्ड की संख्या और उपयोग में वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री जन–धन योजना के अंतर्गत ₹ 36.06 करोड़ से अधिक तक के रुपे डेबिट कार्ड जारी किए जाने, 89.67 लाख पीओएस/एमपीओएस मशीनों की स्थापना और यूपीआई जैसी मोबाइल आधारित भुगतान प्रणालियों की शुरुआत होने से डिजिटल लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2018–19 में 2,338 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 में 16,443 करोड़ हो गई। यूपीआई वित्तीय लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2018–19 में महज 535 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 में 13,113 करोड़ हो गई। इसी प्रकार, पीओएस और ई–कॉमर्स पर रुपे कार्ड के जरिये लेनदेन की कुल संख्या वित्त वर्ष 2017–18 में 67 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023–24 में 96.78 करोड़ हो गई।

पीएमजेडीवाई की सफलता इसके मिशन मोड वाले दृष्टिकोण, नियामकीय समर्थन, सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी और बायोमेट्रिक पहचान के लिए आधार जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के महत्व को दर्शाती है। प्रधानमंत्री जन–धन योजना ने लोगों को बचत करने में सक्षम बनाया है। साथ ही इसने औपचारिक तौर पर लेनदेन के बिना किसी रिकॉर्ड वाले लोगों के लिए भी ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित की है। खाताधारक अब अपना बचत पैटर्न दिखा सकते हैं, जो उन्हें बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से ऋण के लिए पात्र बनाएगा। इसका सबसे अच्छा उदाहरण मुद्रा लोन का आवंटन है। मुद्रा लोन के आवंटन में वित्त वर्ष 2019 से वित्त वर्ष 2024 तक 5 वर्षों के दौरान सालाना 9.8 प्रतिशत चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी हुई है। इस ऋण तक पहुंच काफी परिवर्तनकारी है क्योंकि यह व्यक्तियों को अपनी आय बढ़ाने के लिए सशक्त बनाती है।

प्रधानमंत्री जन–धन योजना विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम है। इसकी परिवर्तनकारी ताकत और डिजिटल नवाचारों ने भारत में वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किया है।

'जन–धन, मोबाइल और आधार को लिंक करते हुए तैयार की गई सहमति आधारित पाइपलाइन वित्तीय समावेशन परिवेश के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में शामिल है। इसने सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को पात्र लाभार्थियों के खाते में त्वरित, निर्बाध एवं पारदर्शी तरीके से हस्तांतरित करने में सक्षम बनाया है और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है– केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

स्त्रोतः पीआईबी

माता–पिता भले ही अनपढ़ क्यों न हो.... लेकिन शिक्षा और संस्कार देने की जो क्षमता उनमें है वो दुनिया के किसी स्कूल में नहीं है।

PNB Magazine 2025.indd 51 5/15/2025 11:23:44 PM

सीएसआर गतिविधियाँ

सरकारी माध्यमिक विद्यालय, देवीनगर, पंचकूला में पीएनबी प्रेरणा के अंतर्गत कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र–1, पंचकूला के सहयोग से आयोजित सीएसआर गतिविधि में श्रीमती इति प्रसाद, प्रेरणा अध्यक्षा, चंडीगढ़, श्रीमती गुरपिंदर कौर, प्रशिक्षण प्रमुख एवं पीएनबी प्रेरणा की अन्य सदस्याओं द्वारा जरूरतमन्द विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र वितरित किए गए।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत गठित पीएनबी प्रेरणा, आगरा अंचल इकाई की तत्कालीन अध्यक्षा श्रीमती अफसाना बेगम वनवासी कल्याण आश्रम, आगरा में आयोजित एक कार्यक्रम में स्कूली छात्रा को स्कूल बैग भेंट करते हुए।

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत खड़गपुर तेलुगु विद्यापीठम उच्च विद्यालय में श्री सुजीत कुमार नेगी, मंडल प्रमुख, खड़गपुर विद्यार्थियों के लिए बैंक की ओर से पंखे प्रदान करते हुए। दृष्टव्य हैं स्कूल के प्रधानाचार्य एवं स्टाफ सदस्यगण।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत श्रीमती मोनिका श्रीवास्तव, अध्यक्षा, पीएनबी प्रेरणा, हैदराबाद (तत्कालीन) अनाथ बालिकाओं के सशक्तिकरण को समर्पित सामाजिक संस्था 'आशा कुटीर, हैदराबाद' को उपयोगी सामग्री प्रदान करते हुए।

मंडल कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा गुवाहाटी स्थित "गरभंगा पारिजात अकादमी" के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए "कॉरपोरेट सामाजिक उतरदायित्व के तहत डेस्क, बैंच, लेखन सामग्री तथा खेल–कूद से संबंधित सामग्री श्री तरुण सैकिया, मुख्य प्रबंधक ने प्रदान की।

श्री राजीव बंसल, मंडल प्रमुख, झांसी सामाजिक कॉरपोरेट उत्तरदायित्व के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में स्कूल सामग्री का वितरण करते हुए। दृष्टव्य हैं श्री शोभित खरे, मुख्य प्रबंधक और अन्य अधिकारीगण।

पंजाब केसरी लाला लाजपत राय जी की 160वीं जयंती के शुभ अवसर पर श्री समीर बाजपेयी, अंचल प्रबन्धक, कोलकाता (तत्कालीन) ने श्रीमती कृष्णकली लाहिड़ी, डीआईजी, आईपीएस, पश्चिम बंगाल पुलिस के साथ श्री शिव शंकर सिंह, महाप्रबंधक और श्रीमती भुवनेश्वरी वेंकटरमन, महाप्रबंधक की उपस्थिति में पुलिस कर्मियों और पुलिस सहायकों के वेतन खाते खोलने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के साथ, पीएनबी रक्षक प्लस, वेतन बचत योजना और पीएनबी पुलिस रक्षक योजना की अपनी आकर्षक और प्रतिस्पर्धी सुविधाओं के माध्यम से, पीएनबी पश्चिम बंगाल पुलिस के 2.5 लाख कर्मचारियों की सेवा करने में सक्षम होगा।

पंजाब नैशनल बैंक ने भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर पीएनबी के महाप्रबंधक श्री एस.पी. सिंह और श्री एस.सी. ममगईं, आईजी (प्रशासन) ने आईटीबीपी मुख्यालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए। यह आदान–प्रदान पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक, श्री बिनय कुमार गुप्ता, आईटीबीपी के डीआईजी (प्रशासन) श्री विकास बर्मन और पीएनबी और आईटीबीपी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। आईटीबीपी कर्मियों, पेंशनभोगियों, उनके आश्रितों और रक्षक खाताधारकों के परिवारों को ₹ 100 लाख की पीएआई कवरेज और ₹150 लाख की एएआई कवरेज सहित कई लाभ दिए जा रहे हैं।

पंजाब नैशनल बैंक ने पेंशनभोगियों, उनके जीवनसाथी और पारिवारिक पेंशनभोगियों हेतु 1 जनवरी 2025 से ₹ 6 लाख की दुर्घटना मृत्यु कवर पॉलिसी के नवीनीकरण की घोषणा की है। इस पॉलिसी में एक बारगी निवारक स्वास्थ्य जांच और असीमित ऑनलाइन चिकित्सा परामर्श भी शामिल है। इस समझौते पर श्री सुरेश कुमार राणा, मुख्य महाप्रबंधक–एचआरडी, श्री सुमेश कुमार, महाप्रबंधक–एचआरडी, श्री पुनीत कटारिया, उपाध्यक्ष और राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और पंजाब नैशनल बैंक और बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

पंजाब नैशनल बैंक ने सीएनएच इंडस्ट्रियल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ पीएनबी के प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। श्री के. एस. राणा, महाप्रबंधक, कृषि – पीएनबी, और श्री सौरभ शर्मा, प्रमुख, रिटेल और डब्ल्यूएस फाइनेंस – सीएनएच इंडस्ट्रियल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, ने पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों और सीएनएच के अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। श्री के. एस. राणा, महाप्रबंधक, कृषि–पीएनबी श्री सौरभ शर्मा, प्रमुख रिटेल एवं डब्ल्यू एवं फाइनेंस–सीएनएच इंडस्ट्रियल (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के उपरांत आदान–प्रदान करते हुए।

PNB Magazine 2025.indd 53 5/15/2025 11:23:48 PM

वित्तीय समावेशन एवं सरकारी कारोबार

विद्याभूषण मल्होत्रा, अधिकारी (सेवानिवृत्त), शाखा ढेर के बालाजी, जयपुर

किसी भी देश के आर्थिक विकास का मुख्य आधार उस देश का बुनियादी ढांचा होता है। यदि बुनियादी ढांचा ही कमजोर हो तो कितना भी प्रयास किया जाये व्यवस्था को मजबूत नहीं किया जा सकता। अतः वित्तीय समावेशन के अन्तर्गत यह सुनिश्चित किया जाता है कि अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी आर्थिक सुधार से जोड़ा जा सके और कोई भी व्यक्ति आर्थिक सुधारों से वंचित न रहें। इसलिए एक समावेशी वित्तीय प्रणाली की न केवल भारत में व्यापक रूप से आवश्यकता है, बल्कि यह विभिन्न देशों की नीतिगत प्राथमिकता बन गई है। वित्तीय पहुंच से निश्चित रूप से गरीब और वंचित वर्ग की वित्तीय स्थिति और जीवन स्तर में सुधार किया जा सकता है।

वित्तीय समावेशन क्या है?

वित्तीय समावेशन वह प्रक्रिया है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी लोगों को वित्तीय सेवाओं, ऋण, बीमा और पेंशन तक पहुंच प्राप्त है। यदि देखा जाये तो वित्तीय समावेशन की परिधि में वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें आधारभूत बैंकिंग सेवाएं (बचत एवं चालू खाते), ऋण सुविधाएं, बीमा उत्पाद, निवेश विकल्प, पेंशन योजनाएं, भुगतान एवं धन प्रेषण सेवाएं तथा वित्तीय सलाहकार सेवाएं शामिल हैं।

वित्तीय समावेशन के 6 आधार स्तम्भ भी हैं जो इस प्रकार हैं– सार्वभौमिक पहुंच, बुनियादी सेवाएं, आजीविका तक पहुंच, वित्तीय साक्षरता, ग्राहक संरक्षण और हितधारकों के बीच प्रभावी समन्वय।

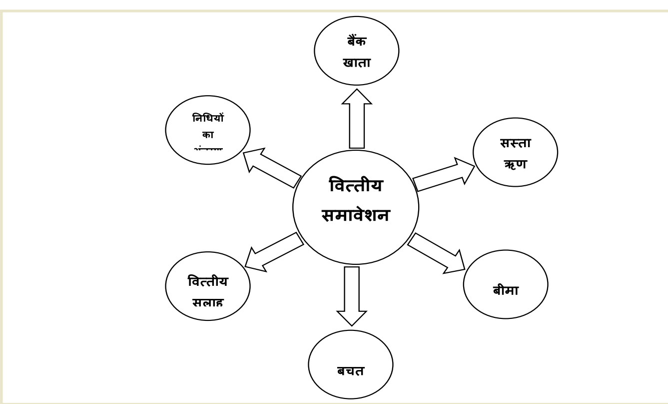

वित्तीय समावेशन की आवश्यकता

वित्तीय समावेशन की आवश्यकता को आजादी के बाद से ही महसूस किया जाने लगा था। सरकार द्वारा कुछ कल्याणकारी योजनाएं भी लाई गईं, लेकिन उस समय बैंकों की मुट्ठीभर शाखाएं होने के कारण नाम मात्र ही सफलता मिल सकी। 19 जुलाई 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात इस दिशा में कुछ गतिशीलता आई। बाद में सरकार ने यह महसूस किया कि जब तक अंतिम छोर पर खड़े व्यक्तियों या समुदायों के बैंक खाते नहीं होंगे तब तक उन्हें सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकता।

28 अगस्त 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन–धन योजना' की शुरुआत की। जिसका मुख्य उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को सार्वभौमिक, सस्ती और औपचारिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करना था। प्रधानमंत्री जन–धन योजना (PMJDY) की सफलता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि एक दशक में इस योजना के अन्तर्गत 53.13 करोड़ खाते खुले हैं। जो एक विश्व रिकार्ड भी है। इस एक दशक में अर्थात 28 अगस्त 2014 से 28 अगस्त 2024 के बीच 2.30 लाख करोड़ रुपये जमा हुए है तथा 36 करोड़ से ज्यादा लोगों को रुपे कार्ड (Rupay) जारी किये गये हैं। इस योजना में खाता खोलने व रखरखाव के लिए न तो कोई शुल्क लगता है और न ही न्यूनतम राशि रखने की कोई आवश्यकता होती है।

इस योजना में 67% खाते ग्रामीण व अर्धशहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं जिसमें 55% खाते महिलाओं द्वारा खोले गये हैं। जन–धन योजना में आधार कार्ड को मोबाइल से जोड़ना एक महत्वपूर्ण व क्रान्तिकारी कदम था। जिससे पात्र लाभार्थियों को न केवल सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित, निर्बाध व पारदर्शी हस्तांतरण ही सम्भव हो बल्कि डिजिटल भुगतान को भी बढ़ावा मिला व करोड़ों लोगों में वित्तीय सुरक्षा की भावना भी पैदा हुई।

PNB Magazine 2025.indd 54 5/15/2025 11:23:48 PM

वित्तीय समावेशन व सरकारी कारोबार

बैंकों में सरकारी कारोबार वह कार्य है जो बैंक सरकार के लिए करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक भी अपने स्वयं के कार्यालयों व वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से सरकार के बैंकिंग कारोबार का प्रबंधन करता है। बैंक सरकारी कारोबार में निम्न प्रकार से सहायता करते हैं–

सरकारी खातों का प्रबंधन

बैंक सरकार के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं। जैसे– सरकारी राजस्व (कर संग्रह), भुगतान (कल्याण राशि, पेंशन, छात्रवृत्ति इत्यादि) और अन्य वित्तीय प्रबंधन ।

सार्वजनिक ऋण का प्रबंधन

बैंक सार्वजनिक या राष्ट्रीय ऋण के प्रबंधन में सहायता करते हैं। सरकारी ऋण जारी करने और उनके भुगतान की प्रक्रिया में मध्यस्थ के रूप में, काम करते हैं। जिसमें ब्याज भुगतान और उधार की परिपक्वता शामिल होती है।

सरकारी प्रतिभूतियां जारी करना

बैंक सरकारी बॉन्ड्स, ट्रेजरी बिल्स व अन्य प्रतिभूतियां जारी करने व उन्हें वितरित करने में भी सहायता करते हैं। इससे सरकार को बुनियादी ढांचें, कल्याणकारी कार्यक्रमों और अन्य सार्वजनिक योजनाओं के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है।

सार्वजनिक क्षेत्र का वित्तपोषण

बैंक राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों व सरकारी परियोजनाओं को ऋण प्रदान करते हैं, जिससे सरकार की नीतियों और राष्ट्रीय विकास योजनाओं को लागू करने में मदद मिलती है।

मुद्रा स्फीति नीति का कार्यान्वयन

बैंक, केन्द्रीय बैंक की मौद्रिक नीति के कार्यान्वयन में सहायता करते हैं जो प्रायः मुद्रास्फीति नियंत्रण, आर्थिक स्थिरता और सरकार की आर्थिक योजनाओं का समर्थन करने के लिए होती है।

कर संग्रहण व भुगतान में सहायता

बैंक सरकार के लिए करों और शुल्कों की संग्रहण प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। जिससे नागरिकों व व्यवसायियों के लिए करों का भुगतान करना सरल हो जाता है। बैंक सरकार को जुर्माने व अन्य भुगतानों की वसूली में भी मदद करते हैं।

सार्वजनिक निजी साझेदारी (PPP)

बैंक सार्वजनिक–निजी साझेदारी परियोजनाओं में वित्तपोषण प्रदान करने में सहायता प्रदान करते हैं। जिससे सरकार व निजी निवेशकों को लाभ होता है। बड़े–बड़े प्रोजेक्ट समय से पहले ही पूरे हो जाते हैं। ऐसा विशेष रूप से बुनियादी ढांचा परियोजना में होता है।

सरकारी योजनाएं व सब्सिडी

बैंक विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य या शिक्षा के क्षेत्र में सरकार के साथ मिलकर सब्सिडी, सामाजिक लाभ और प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता योजनाओं का वितरण करते हैं। इससे वित्तीय पारदर्शिता भी बनी रहती है।

वित्तीय समावेशन की चुनौतियां एवं समाधान

आज वित्तीय समावेशन की अनेक चुनौतियां सामने आ रही हैं वही चुनौतियों के समाधान के सार्थक प्रयास भी किये जा रहे हैं जो इस प्रकार है–

- आज भी बहुत से ग्रामीण या दूर–दराज के इलाकों में लोग बुनियादी वित्तीय सेवाओं के बारे में अनजान होते हैं। उन्हें बैंकिंग उत्पादों जैसे–बैंक खाता खोलना, ऋण लेना और बीमा उत्पादों का लाभ कैसे उठाया जा सकता है, इसकी जानकारी नहीं होती। बैंक अपने बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट (BC) या बैंक मित्र द्वारा उस क्षेत्र में ऐसे लोगों को जागरुक करके उन्हें अन्य खाते खोलने व उन्हें अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में सहायता कर रहे हैं।
- आदिवासी क्षेत्रों या पूर्वोत्तर राज्यों में बैंक वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय साक्षरता केन्द्र या वित्तीय और डिजिटल साक्षरता शिविर लगाकर उस क्षेत्र के लोगों को जागरूक करके उन्हें बैंकिंग उत्पादों के विषय में जानकरी प्रदान कर रहे हैं।
- सरकार और वित्तीय संस्थानों को ग्रामीण इलाकों को डिजिटल बैंकिंग का विस्तार करना चाहिए। मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई (UPI) जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ाने से लोगों को सरलता से बैंकिंग सेवाएं प्राप्त हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त इंटरनेट और स्मार्टफोन उपयोग को बढ़ाने के लिए सस्ती इंटरनेट सेवाओं/योजनाओं और स्मार्टफोन सब्सिडी पर भी विचार किया जा सकता है।
- वित्तीय समावेशन में सेवाओं की अधिक लागत भी एक

बड़ी चुनौती है। इस चुनौती के समाधान में फिनटेक कम्पनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ये कम्पनियां तकनीकी समाधान प्रदान करती है, जो कम लागत में वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में मदद करती हैं। माइक्रो–लोन, डिजिटल भुगतान और क्राउडफंडिंग जैसे नए मॉडल गरीबों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं।

- ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में बैंकों की शाखाओं का विस्तार और बैंक मित्र (Bank Mitra) जैसी पहल ग्रामीण हितों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार को नई गति प्रदान कर सकती है। पंचायतों, डाक–घरों, सहकारी बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को इसके लिए सक्रिय किया जा सकता है।
- सरकार की कई योजनाएं जैसे– प्रधानमंत्री जन–धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना इत्यादि का प्रचार–प्रसार करके गरीब व समाज के वंचित लोगों के खाते खुलवाए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त सामाजिक जागरुकता कार्यक्रमों में महिलाओं को वित्तीय सशक्तिकरण के बारे में भी बताया जा सकता है।

अंत में...

वित्तीय समावेशन केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह समाज के विकास और समृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह सत्य है कि इस क्षेत्र में कई चुनौतियां है लेकिन सही नीतियां, तकनीकी पहल, जागरुकता और सरकार की योजनाओं के माध्यम से इन चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यदि वित्तीय समावेशन के लिए ठोस कदम उठाये जाएं तो हर व्यक्ति को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जा सकती है तथा गरीबों के जीवन में खुशियों के नये रंग भरे जा सकते हैं।

हर तस्वीर कुछ कहती है

कहते हैं कि कैमरा और तस्वीर झूठ नहीं बोलते हैं और वाकई में हर तस्वीर कुछ कहती है जो हमारे दिलो–दिमाग और अंतरात्मा को छू जाती है और हमें सोचने और उस पर कुछ लिखने के लिए प्रेरित करती है। क्या यह तस्वीर आपको लिखने के लिए प्रेरित नहीं कर रही है? तो उठाइए कलम और इस तस्वीर पर अपने मौलिक विचार **(गद्य/पद्य)** केवल 10 से 15 पंक्तियों में हिंदी यूनिकोड में टाइप कर हमें 31 मई 2025 तक ईमेल पते pnbstaffjournal@mail.co.in या राजभाषा विभाग की rajbhashavibhag@pnb.co.in पर भेज दीजिये। कृपया प्रविष्टि में फोटो सहित अपना पूर्ण विवरण अवश्य लिखें। हस्तलिखित/रोमन लिपि में टंकित प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। केवल पीएनबी बैंक के स्टाफ सदस्य ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक स्टाफ सदस्य की केवल एक प्रविष्टि पर विचार किया जाएगा। चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रतिक्रियाओं को पत्रिका के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

PNB Magazine 2025.indd 56 5/15/2025 11:23:48 PM

पीएनबी ने जीते 22 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार

राजभाषा के क्षेत्र में अभूर्तपूर्व उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पंजाब नैशनल बैंक के विभिन्न अंचल एवं मंडल कार्यालयों ने वर्ष 2023–24 के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों के कुल 22 क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त किए और कीर्तिमान स्थापित किया।

दक्षिण एवं दक्षिण पश्चिम क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन–मैसूर

अंचल कार्यालय, हैदराबाद को प्रदत्त प्रथम पुरस्कार स्वरूप राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र बिहार के माननीय राज्यपाल, श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय से ग्रहण करते हुए श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, हैदराबाद (तत्कालीन) तथा वरिष्ठ प्रबन्धक (राजभाषा), श्री रणविजय कुमार (तत्कालीन)।

मंडल कार्यालय, एर्नाकुलम को प्रदत्त द्वितीय पुरस्कार स्वरूप राजभाषा शील्ड तथा प्रमाण–पत्र बिहार के माननीय राज्यपाल, श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय से ग्रहण करते हुए श्री राम मोहन आर, मंडल प्रमुख, मंडल कार्यालय, एर्नाकुलम एवं सुश्री सुनंदा एस. पालात, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, तिरुवनंतपुरम को प्रदत्त तृतीय पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र माननीय राज्यपाल (बिहार) श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय के कर–कमलों से ग्रहण करते हुए श्रीमती आर. नित्यकल्यानी, मंडल प्रमुख, तिरुवनंतपुरम एव श्रीमती अमुदा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)।

मंडल कार्यालय, सिकंदराबाद को प्रदत्त द्वितीय पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र बिहार के माननीय राज्यपाल, श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय से ग्रहण करते हुए श्री सुजीत कुमार झा, मंडल प्रमुख, सिकंदराबाद एवं श्री राजा सुधीर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)।

मंडल कार्यालय, हुबली को प्रदत्त तृतीय पुरस्कार स्वरुप राजभाषा शील्ड तथा प्रमाण–पत्र बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय से ग्रहण करते हुए श्री राकेश कुमार, मंडल प्रमुख, हुबली एवं श्रीमती प्रेमा, तत्कालीन राजभाषा अधिकारी।

दिल्ली (बैंक) नराकास को जयपुर में आयोजित सम्मेलन में राजभाषा सम्मान–द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री परवीन गोयल, अध्यक्ष, दिल्ली (बैंक) नराकास एवं अंचल प्रबंधक, दिल्ली तथा श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव।

PNB Magazine 2025.indd 57 5/15/2025 11:23:54 PM

अभूर्तपूर्व उपलब्धि

पीएनबी ने जीते 22 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार

मध्य, पश्चिम एवं क्षेत्रों का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन–जयपुर

अंचल कार्यालय, लुधियाना को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री–राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री संजीव कपूर, उप अंचल प्रबंधक, लुधियाना तथा श्री अटल बाजपेयी, मुख्य प्रबंधक, राजभाषा।

अंचल कार्यालय, अमृतसर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री हेमंत गोयल, सहायक महाप्रबन्धक, अंचल कार्यालय, अमृतसर तथा श्री राहुल, प्रबंधक, राजभाषा।

अंचल कार्यालय भोपाल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री नवीन बुंदेला, उप अंचल प्रबंधक, भोपाल तथा श्री नीरज शर्मा, प्रबंधक, राजभाषा।

अंचल कार्यालय, चंडीगढ़ को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री देवार्चन साहू, महाप्रबंधक–राजभाषा (तत्कालीन) तथा श्री संजीव जैन, मुख्य प्रबंधक, राजभाषा।

चंडीगढ़ (बैंक) नराकास को राजभाषा सम्मान–प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए डॉ. राजेश प्रसाद, अध्यक्ष चंडीगढ़ (बैंक) नराकास (तत्कालीन) एवं अंचल प्रबंधक, दिल्ली, श्री परवीन गोयल।

अंचल कार्यालय, आगरा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ । माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री जान मोहम्मद, अंचल प्रबंधक, आगरा (तत्कालीन) तथा श्री गणेश, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा

PNB Magazine 2025.indd 58 5/15/2025 11:23:56 PM

पीएनबी ने जीते 22 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार

मध्य, पश्चिम एवं उत्तरी क्षेत्रों का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन–जयपुर

मंडल कार्यालय, कुरुक्षेत्र को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री हरि ओम, मंडल प्रमुख, मंडल कार्यालय, कुरुक्षेत्र तथा श्री राजबीर डाण्डे, मुख्य प्रबंधक,राजभाषा।

अंचल कार्यालय, शिमला को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, अंचल प्रबंधक, शिमला तथा सुश्री सोनम छोमो, प्रबंधक, राजभाषा।

अंचल कार्यालय, रायपुर को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए अंचल प्रबंधक, रायपुर श्री आशीष कुमार चतुर्वेदी तथा श्री नवीन जाधव, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, रायपुर (नया) को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजन लाल शर्मा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड एवं प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए अंचल प्रबंधक, रायपुर, श्री आशीष कुमार चतुर्वेदी तथा श्री मंगेश बनसोड, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, जम्मू को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से राजभाषा शील्ड एवं प्रमाणपत्र प्राप्त करते हुए मंडल प्रमुख, जम्मू, श्री अनिल कुमार शर्मा तथा सुश्री पूजा देवी, प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, श्रीनगर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री भजनलाल शर्मा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय एवं उप मुख्यमंत्री माननीय श्री प्रेमचंद बैरवा से शील्ड और प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए मंडल प्रमुख, श्रीनगर, श्री अनिल कुमार शर्मा एवं सुश्री पूजा देवी, प्रबंधक राजभाषा।

PNB Magazine 2025.indd 59 5/15/2025 11:23:59 PM

अभूर्तपूर्व उपलब्धि

पीएनबी ने जीते 22 राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार

पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रों का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन–गुवाहाटी

अंचल कार्यालय, गुवाहाटी को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, असम, श्री हेमंत बिस्वा सरमा एवं गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय से शील्ड तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए अंचल प्रबंधक, गुवाहाटी (तत्कालीन), श्री चितरंजन प्रूष्टि तथा सुश्री श्वेता कुमारी, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा (तत्कालीन)।

अंचल कार्यालय, दुर्गापुर को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, असम, श्री हेमंत बिस्वा सरमा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय से शील्ड तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए अंचल प्रबंधक, दुर्गापुर, (तत्कालीन) श्री सुमंत कुमार एवं श्री उज्ज्वल साव, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, मुज्जफरपुर को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, असम, श्री हेमंत बिस्वा सरमा तथा गृह राज्यमंत्री, माननीय श्री नित्यानंद राय से शील्ड तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए मंडल प्रमुख, मुज्जफरपुर, श्री कुन्दन कुमार श्रीवास्तव एवं सुश्री रेशमी लता सिंह, प्रबंधक, राजभाषा।

मंडल कार्यालय, गुवाहाटी को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माननीय मुख्यमंत्री, असम, श्री हेमंत बिस्वा सरमा एवं माननीय गृह राज्यमंत्री, श्री नित्यानंद राय से राजभाषा शील्ड तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए मंडल प्रमुख, गुवाहाटी, श्री उपेंद्र कुमार तथा श्री अनिल कुमार भगत, प्रबंधक, राजभाषा।

पीएनबी प्रतिभा का वेब संस्करण

सभी स्टाफ सदस्यों एवं प्रिय पाठकों की सुविधा हेतु पीएनबी प्रतिभा का ऑन–लाइन संस्करण नॉलेज सेंटर पर उपलब्ध है। पीएनबी प्रतिभा तक निम्न नेविगेशन से पहुंच सकते हैं–

पीएनबी नॉलेज सेंटर → **ई-सर्कुलर** → **मैगजीन** → **पीएनबी प्रतिभा**

इस पत्रिका को और अधिक बेहतर तथा उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत है।

PNB Magazine 2025.indd 60 5/15/2025 11:24:01 PM

वित्तीय समावेशन और बैंकिंग कारोबारः एक साथी की भूमिका

इंदुमती झा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), मंडल कार्यालय, मुंबई शहर

एक छोटे से गांव में रहने वाली एक महिला थी गीता। वह अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती थी। गीता का पति एक छोटे से व्यवसाय में काम करता था, लेकिन उसकी आय बहुत कम थी। गीता अपने परिवार को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए कुछ नौकरी या व्यवसाय करना चाहती थी, लेकिन उसे हर जगह ये पूछा जाता था कि क्या उसका खाता बैंक में है? लेकिन वह बैंक में खाता खोलने से डरती थी क्योंकि उसे लगता था कि बैंक में खाता खोलने के लिए बहुत सारे पैसों की जरुरत होगी।

एक दिन गीता को स्थानीय बैंक के एक प्रतिनिधि से मिलने का मौका मिला। उन्होंने उसे बताया कि बैंक में खाता खोलना बहुत आसान है और इसके लिए बहुत कम पैसे की जरुरत होती है। उन्होंने गीता को छोटे से खाते के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उसने आवेदन किया और जल्द ही उसका खाता खुल गया। वह अपनी आमदनी से छोटी–छोटी बचत करके पैसे जमा करने लगी।

कुछ महीनों बाद गीता के पास पर्याप्त पैसे जमा हो गए। वह अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसे निकाल सकती थी। वह अपना व्यवसाय शुरू करने और उसे बढ़ाने के लिए पैसे जमा कर सकती थी।

गीता की यह कहानी वित्तीय समावेशन के महत्त्व और इसमें बैंक की भूमिका को दर्शाती है। वित्तीय समावेशन ने गीता को छोटी बचत से परिवार के लिए पैसे जमा करने और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद की।

वित्तीय समावेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वित्तीय सेवाओं को सभी वर्गों के लोगों तक पहुंचाया जाता है, विशेष रूप से उन लोगों तक जो पहले वित्तीय सेवाओं से वंचित थे। इसका उद्देश्य सभी लोगों तक सभी प्रकार की वित्तीय सेवाएं जैसे कि बैंक खाते, ऋण, बीमा और अन्य वित्तीय उत्पाद पहुंचाना है।

वित्तीय समावेशन के मुख्य उद्देश्य हैंः–

1. **वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ानाः–** वित्तीय सेवाओं को सभी वर्गों के लोगों तक पहुंचाना।
2. वित्तीय साक्षरता बढ़ानाः– लोगों को वित्तीय सेवाओं के बारे में जागरुक करना और उन्हें वित्तीय निर्णय लेने में मदद करना।
3. आर्थिक विकास को बढ़ावा देनाः– लोगों के आर्थिक विकास में सहायक बनना।

वित्तीय समावेशन के लाभः–

1. **वित्तीय स्थिरताः–** वित्तीय सेवाओं की पहुंच से लोगों में वित्तीय स्थिरता बढ़ती है और वो आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनते हैं।
2. **आर्थिक विकासः–** वित्तीय समावेशन से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।
3. **सामाजिक समानताः–** वित्तीय समावेशन से सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलता है।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार, बैंक और संगठन विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करते हैं।

बैंकिंग कारोबार किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैंक की किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैंः–

1. **वित्तीय सेवाएं और वितीय सुरक्षा प्रदान करनाः–** बैंक विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे कि (जमा खाते), ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद प्रदान करने के साथ ही बैंक लोगों के पैसे सुरक्षित रखने में मदद करता है जिससे उन्हें वित्तीय स्थिरता मिलती है।
2. **वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और पैसे का प्रबंधन करनाः–** बैंक पैसे का प्रबंधन करते हैं, जैसे की जमा राशि को सुरक्षित रखना, ऋण देना और पैसे का निवेश करना। साथ ही बैंक वित्तीय सेवाओं की पहुंच हर वर्ग तक बढ़ाते हैं जो लोगों को विभिन्न प्रकार की वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने में मदद करता है।

PNB Magazine 2025.indd 61 5/15/2025 11:24:02 PM

3. **आर्थिक विकास और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना** :– बैंक आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हैं जो नए व्यवसाय को शुरू करने में और मौजूदा व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करता है। इस तरह बैंक वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने में मदद करते हैं।

वित्तीय समावेशन और बैंकिंग कारोबार के बीच संबंधः–

वित्तीय समावेशन और बैंकिंग कारोबार के बीच एक गहरा संबंध है। वित्तीय समावेशन का उद्देश्य है कि सभी लोगों तक वित्तीय सेवाओं की पहुंच हो जबकि बैंकिंग कारोबार वित्तीय सेवाएं प्रदान करने का एक मुख्य साधन है।

वित्तीय समावेशन के माध्यम से बैंकिंग कारोबार को बढ़ावाः–

1. **वित्तीय सेवाओं की पहुंचः–** बैंकिंग कारोबार वित्तीय सेवाओं को प्रदान करने का एक मुख्य साधन है, जो वित्तीय समावेशन के उद्देश्य को पूरा करने में मदद करता है।
2. **जमा खाते और ऋणः–** बैंक जमा खाते ऋण जैसी वित्तीय सेवाएं प्रदान करते हैं, जो लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं।
3. **वित्तीय साक्षरताः–** बैंक वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों को आयोजित करते हैं, जो लोगों को वित्तीय सेवाओं के बारे में जागरुक करने में मदद करते हैं।

बैंकिंग कारोबार के लिए वित्तीय समावेशन के लाभः–

1. **नए ग्राहकों तक पहुंचः–** वित्तीय समावेशन बैंकों को नए ग्राहकों तक पहुंच प्रदान करने में मदद करता है।
2. **व्यवसाय का विकासः–** वित्तीय समावेशन बैंकों के व्यवसाय को विकसित करने में मदद करता है।
3. **सामाजिक जिम्मेदारीः–** वित्तीय समावेशन बैंकों को सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करने में मदद करता है।

बैंकिंग कारोबार के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावाः–

बैंकिंग कारोबार द्वारा कई तरीकों से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल सकता है।

वित्तीय सेवाओं की पहुंच

1. **ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक की शाखाएं खोलनाः–** ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाएं खोलने से लोगों को वित्तीय सेवाओं तक सुलभ पहुंच मिल सकती है।
2. **मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंगः–** मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से लोग अपने घरों से ही वित्तीय लेन–देन कर सकते हैं। इससे बैंकिंग सेवा घर–घर तक पहुंचेगी।
3. **एटीएम और माइक्रो एटीएमः–** एटीएम और माइक्रो एटीएम के माध्यम से लोग नकदी निकाल सकते हैं और अन्य वित्तीय लेन–देन कर सकते हैं।

वित्तीय साक्षरता बढ़ानाः–

1. **वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमः–** बैंक ग्रामीण क्षेत्रों तथा वैसे क्षेत्रों में जहां बैंकिंग सेवाओं की पहुंच नहीं है वहां वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं, जिसमें लोगों को वित्तीय सेवाओं के बारे में जानकारी दी जा सकती हैं और बचत का महत्त्व समझाया जा सकता है।
2. **वित्तीय शिक्षाः–** बैंक विभिन्न आय वर्ग के समूह को वित्तीय शिक्षा प्रदान कर सकते हैं जिसमें लोगों को वित्तीय योजना, बजटिंग और निवेश के बारे में जानकारी दी जा सकती है।

वित्तीय सेवाओं को सुलभ बनानाः–

1. **कम आय के लोगों के लिए विशेष योजनाएंः–** बैंक कम आय वाले लोगों के लिए विशेष योजनाएं चला सकते हैं, जैसे कि कम ब्याज दर वाले ऋण।
2. **महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष योजनाएं** :– बैंक महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष योजनाएं प्रदान कर सकते हैं ताकि महिलाएं भी आत्मनिर्भर एवं आर्थिक तौर पर सशक्त बने।

बैंक कारोबार और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कुछ चुनौतियां इस प्रकार हैंः–

बैंक कारोबार और वित्तीय समावेशन की चुनौतियांः–

1. **वित्तीय साक्षरता की कमीः–** लोगों में वित्तीय साक्षरता की कमी होने से वो वित्तीय सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं।

PNB Magazine 2025.indd 62 5/15/2025 11:24:02 PM

2. **बुनियादी ढांचे की कमी:**– ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमी होने से बैंक शाखाएं और एटीएम खोलना एक चुनौती पूर्ण कार्य है।

3. **साइबर सुरक्षा की चुनौती:**– ऑनलाइन बैंकिंग मोबाइल बैंकिंग का असावधानी भरा उपयोग करने पर ग्राहकों के खातों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

4. **नियामकीय आवश्यकताओं की जटिलता:**– नियामकीय आवश्यकताओं की जटिलता होने से बैंकों को इन आवश्यकताओं का पालन करने में कठिनाई हो सकती है।

5. **वित्तीय सेवाओं की अनुपलब्धता:**– ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं की अनुपलब्धता होने से लोगों को वित्तीय सेवाओं का लाभ नहीं मिल पाता है।

6. **सामाजिक और आर्थिक असमानता:**– सामाजिक और आर्थिक असमानता होने से कुछ लोगों में हीन भावना होती है और वे वित्तीय सेवाओं का लाभ नहीं ले पाते।

7. **प्रौद्योगिकी की कमी:**– प्रौद्योगिकी की कमी होने से वित्तीय सेवाओं को ऑनलाइन और मोबाइल प्लेटफोर्म पर उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।

समाधान और भविष्य की दिशा:–

उपर्युक्त चुनौतियों से निपटने के लिए निम्नलिखित समाधान तथा दिशाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है:–

1. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करना तथा वित्तीय शिक्षा प्रदान करना।
2. वित्तीय सेवाओं को सुलभ बनाना।
3. मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग को प्रचलित बनाना।
4. एटीएम और माइक्रो एटीएम की अधिक से अधिक सुविधा ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराना।
5. नियामकीय आवश्यकताओं को सरल बनाना।
6. बैंकों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
7. कम आय वर्ग के लोगों के लिए विशेष ऋण योजनाएं चलाना तथा विशेष बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना।

बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय की 160वीं जयंती

बैंक के संस्थापक तथा महान स्वतन्त्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की 160वीं जयंती के अवसर पर प्रधान कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक एवं श्री राघवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी। दृष्टव्य हैं मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

PNB Magazine 2025.indd 63 5/15/2025 11:24:04 PM

हर तस्वीर कुछ कहती है - उत्कृष्ट प्रविष्टियां

ठंड का सितम

ठंड की इस सर्द रात में
गर्मी की तलाश में
लोग यहां आये हैं

आग की लपटों में
महसूस करते हैं थोड़ी गर्मी

इस गर्मी से उन पर कठोर
ठंड
कुछ नरम हो जाती है

इस गर्मी से भूल जाते हैं
वो अपनी दिनभर की थकान

और आ जाती है उनके चेहरे पर
एक छोटी–सी मुस्कान

इस ठिठुरती ठंड में
आग की ये गर्मी
उनके संघर्ष में
थोड़ी हिम्मत भरती है

और उनके सपनों को
पूरा करने की ताकत देती हैं

आग की लपटों में बैठ
वो महसूस करते हैं

अपनी आने वाली खुशियों को
और भरते हैं वो
नई ताकत और रोशनी
से खुद को।

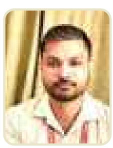

सागर मनी
वरिष्ठ प्रबंधक (ऋण)
मंडल कार्यालय, मुंबई शहर

"शीत के मीत"

धर्म, जाति, रंग, लिंग, पैसे, और न जाने कितने ही अन्य आधारों पर हर दिन बंटती हुई दुनिया में सर्दी का मौसम ही है जो सभी को साथ बैठने को मजबूर करता है। शीत की ये ऋतु हमें याद दिलाती है कि हम सभी इंसान हैं और दुनिया की किसी भी चीज से ज्यादा हमें एक–दूसरे के साथ की जरुरत है। सर्दियों का मौसम आपसी संघर्ष या अकेलेपन का मौसम नहीं है, यह तो क्षितिज पर सूरज के न होने पर भी मानवता की गर्मजोशी को महसूस कर लेने और इस आत्मीयता के जुड़ाव को अपने अंदर समाहित कर लेने का समय है। हमारे लिए सर्दी का मतलब है दिन का छोटा हो जाना और तन पर कपड़ों की परतों का मोटा हो जाना लेकिन हममें से ही कई इंसानों के पास सर्दी से बचने तक के कपड़े नहीं होते। ठिठुरती ठण्ड में सड़क किनारे जलते अलावों के अलावा सर्दी से लड़ने का उनके पास कोई शस्त्र नहीं होता। ऐसे ही कुछ इंसान यहां अलाव ताप रहे हैं। भले ही इस जलती आग के बीच भी उन्हें ठण्ड महसूस हो रही होगी, लेकिन वे बहुत सौभाग्यशाली हैं क्योंकि एक–दूसरे के साथ की, भावनाओं की, और रिश्तों की गर्माहट से बड़ा न ही कोई सुख है, न ही कोई संपत्ति। शायद, अभावों के बीच भी भी इन लोगों ने ठण्ड का आनंद लेने की कला सीख ली है।

अजय यादव
मुख्य प्रबंधक (आईटी)
अंचल कार्यालय, लुधियाना

अलाव

जाड़े की ठंडी रातों में धधकता हुआ अलाव।
सर्द हवाओं के बीच कुछ राहत का बिखराव।।

अलाव की उठती लपटें कंकपाते तन को दे राहत।
ये आग की तपिश देती है कुछ अनजानी सी ताकत।।

आते–जाते राहगीर भी ठिठकें सब पल दो पल।
एक जाए तो दो आ जाएं बैठे हुए हैं सब निश्चल।।

अलाव की गर्मी में स्वाहा जात–पांत का अंतर।
अमीर–गरीब सब एक समान भेदभाव सब छूमंतर।।

अलग–अलग है वेषभूषा अलग–अलग पहनावा।
अलाव सिखाता है हम सबको जीवन एक छलावा।।

अलग ही महसूस होता जाड़े की आग तापने का आनंद।
है चार दिन की जिंदगी बस बसर करें सब सानंद।।

बृज गोपाल दास
उप प्रबंधक (सेवानिवृत्त)
शाखाः विश्वेरगंज, वाराणसी

भारत का दूसरा ताजमहल (शेरशाह सूरी का मकबरा)
(यात्रा संस्मरण)

डॉ बब्बी सेन, प्रबंधक (राजभाषा), प्रधान कार्यालय, राजभाषा विभाग

बचपन में इतिहास की किताबों में पढ़ी हुई जगहों को जब देखने का मौका मिलता है तो मन आनंदित हो उठता है। हम उन स्थानों से एक अलग तरह का लगाव महसूस करते हैं जो कभी हमने कल्पनाओं में महसूस किया था। इसी क्रम में गत वर्ष दिल्ली से सासाराम जाने का प्लान बना और बचपन में सुने और पढ़े गए उस ऐतिहासिक स्थान शेरशाह सूरी के मकबरे को साक्षात देखने का मौका मिला। सभी पर्यटन स्थलों की तरह वहां आसपास ज्यादा भीड़ नही होने के कारण मैंने उसकी कमियों का अनुमान लगा लिया लेकिन जैसे ही मैं उस मकबरे के प्रवेश द्वार से अंदर गई उसकी भव्यता देखकर अनायास मेरे मुंह से निकल गया ये तो मेरी सोच से कुछ अलग ही है और ये इतना बड़ा होगा मैंने सोचा नही था।

यह मकबरा लाल बलुआ पत्थर से एक विशाल सरोवर के बीचों–बीच बना हुआ है। करीब 52 एकड़ में फैले सरोवर के बीच में स्थित यह 135 फीट व्यास वाला अष्टकोणीय तीन मंजिला मकबरा 122 फीट ऊंचा है। बीजापुर गुंबद के बाद शेरशाह सूरी के मकबरे का गुंबद दूसरे नंबर पर आता है। अष्टकोणीय मकबरे के किनारों पर आठ स्तंभ वाले छोटे गुंबद बने हुए हैं। इसे भारत के दूसरे ताजमहल के रूप में भी जाना जाता है।

यह मकबरा हिंद–इस्लामी वास्तुकला का एक बेहतरीन उदाहरण है। अपने ऐतिहासिक महत्व और बेजोड़ स्थापत्य कला के कारण यह देश की प्रसिद्ध पुरातात्विक धरोहरों एवं देश के बेहतरीन स्मारकों में से एक है। वास्तुकार मीर मुहम्मद अलीवाल खान ने इस मकबरे का डिजाइन तैयार किया था।

कहा जाता है शेरशाह ने अपने जीवनकाल में ही इस मकबरे का निर्माण शुरू कर दिया था, लेकिन पूरा होने से पहले ही उनकी मृत्यु 13 मई, 1545 को कालिंजर किले में हो गई थी। मकबरे का निर्माण 16 अगस्त, 1545 को पूरा हुआ तथा बाद में शेरशाह के शव को कालिंजर से लाकर यहीं दफनाया गया था। इस मकबरे में कुल 24 कब्रें हैं और बादशाह शेरशाह सूरी की कब्र ठीक बीच में है।

मकबरे तक जाने के लिए 350 फीट लंबा एक पुल है जो एक बड़े चबूतरे तक जाता है। यह चबूतरा पानी की सतह से 30 फीट की ऊंचाई पर है। मकबरे के चबूतरे से पानी तक जाने के लिए चारों ओर बीच–बीच मे सीढ़ियां बनी हुई हैं।

शेरशाह ने अपने पांच साल के शासन काल के दौरान ही देश को कई नायाब तोहफे दिए। देश में सबसे पहले रुपये की शुरुआत उन्होंने ही की थी और संदेश भेजने के लिए डाक व्यवस्था को भी विकसित किया था। उनके शासनकाल में ही बंगाल से काबुल तक शेरशाह सूरी पथ का निर्माण किया गया जो बाद में ग्रैंड ट्रंक रोड (जीटी रोड) के नाम से मशहूर हुआ। इसे नेशनल हाइवे 2 के नाम से भी जानते हैं।

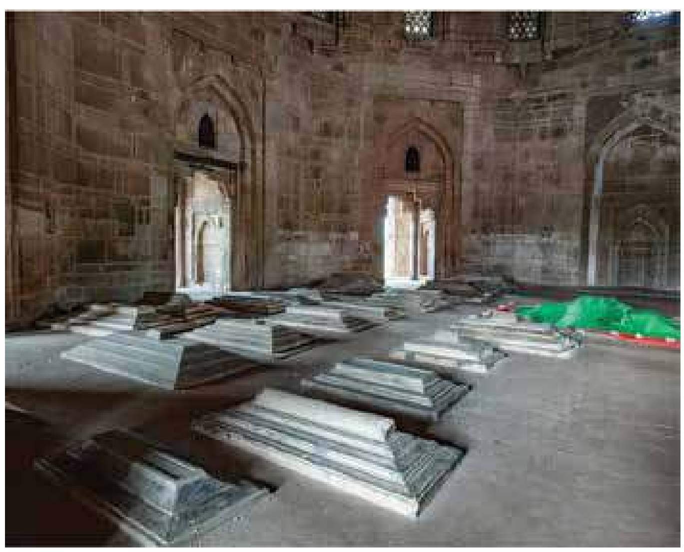

PNB Magazine 2025.indd 65 5/15/2025 11:24:07 PM

कैसे पहुंचें सासाराम–

मार्ग– शेरशाह सूरी का मकबरा सासाराम शहर में स्थित है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और गया जंक्शन रेलखंड पर सासाराम एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। दिल्ली–कोलकाता के बीच चलने वाली ज्यादातर ट्रेन सासाराम होते हुए जाती हैं। स्टेशन से ऑटो या रिक्शा से मकबरे तक पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग– सासाराम नेशनल हाइवे 2 (जीटी रोड) पर स्थित है। यहां से आप वाराणसी, दिल्ली, कोलकाता और पटना आसानी से जा सकते हैं।

हवाई मार्ग– सासाराम का नजदीकी हवाई अड्डा गया और वाराणसी है। गया करीब 100 किलोमीटर, वाराणसी 120 किलोमीटर और पटना करीब 150 किलोमीटर की दूरी पर है।

सासाराम के लोग पटना से ज्यादा वाराणसी से जुड़े रहते हैं।

यहां सितंबर से अप्रैल के बीच आना बेहतर रहता है। वैसे कैमूर हिल्स पर बरसात के समय काफी रोमांचक माहौल रहता है। बरसात में भी यहां आ सकते हैं।

मेरे लिए इस अद्भुत धरोहर को देखने का अनुभव अत्यंत सुखद रहा। हम अपने आस–पास ऐसे कई ऐतिहासिक स्थानों और धरोहरों की अनदेखी करके उन्हें आजीवन देखने से वंचित हो जाते हैं। हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए न केवल एक धरोहर है बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहने का मजबूत आधार भी हैं इसलिए हमारा यह नैतिक उत्तरदायित्व और कर्तव्य बनता है कि हम इस धरोहर को संरक्षण प्रदान करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संजो कर रखें। मेरा यह विश्वास है कि जिन्हें इतिहास और कला से प्रेम है उनके लिए यह एक यादगार और रोमांचक यात्रा बन सकती है।

रंग और रूप बदलता सच

सुना था सच, सच ही होता है,
माना भी कि सच तो सच ही होता है।

फिर जाना भी कि सच तो सच ही है,
पर फिर आज उसका सच और मेरा सच।

कहाँ से आ गया,
उसका सच मेरे सच से अलग क्यों?

जवाब मिला जरिया, दृष्टिकोण
पर क्या सच में ऐसा है कि

सच अलग–अलग हो सकता है।
मानना नहीं चाहती पर क्या मेरे

न मानने से सत्य बदल जाएगा।
ये पूरब का सच, ये पश्चिम का सच,

ये उत्तर का सच, ये दक्षिण का सच।
ये आदमी का सच, ये औरत का सच,

ये सवाल का सच, ये जवाब का सच।
ये तेरा सच, ये मेरा सच।
रंग और रूप बदलता सच।

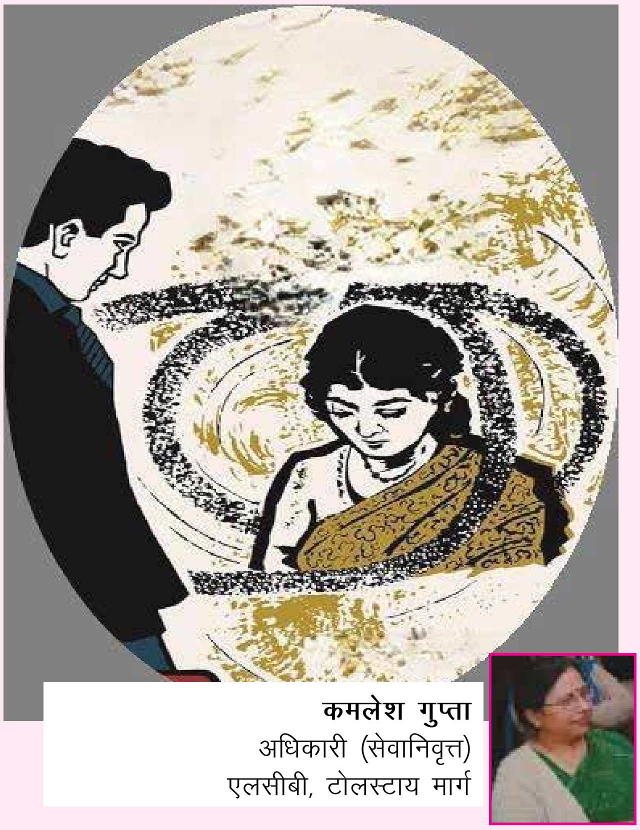

कमलेश गुप्ता
अधिकारी (सेवानिवृत्त)
एलसीबी, टोलस्टाय मार्ग

PNB Magazine 2025.indd 66 5/15/2025 11:24:07 PM

प्रधान कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान श्री अशोक चंद्र, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशकगण श्री एम. परमशिवम, श्री बी.पी. महापात्र, श्री डी. सुरेन्द्रन, मुख्य महाप्रबंधकगण श्री सुरेश कुमार राणा, श्री सुनील कुमार गोयल, महाप्रबंधकगण, श्री मनीष अग्रवाल, श्री हेमंत वर्मा, श्री देवार्चन साहू एवं श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)।

मैसूर में आयोजित दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर अंचल कार्यालय, हैदराबाद, मंडल कार्यालय, सिकंदराबाद एवं मंडल कार्यालय, हुबली द्वारा लगाई गई राजभाषा प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन करते हुए बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं गृह राज्यमंत्री, श्री नित्यानंद राय तथा मैसूर के सांसद श्री यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडयार एवं मंडल प्रमुख, बेंगलूरु श्री रतीश कुमार सिंह।

मैसूरु में आयोजित दक्षिण एवं दक्षिण –पश्चिम क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में संबोधित करते हुए बैंक के कार्यपालक निदेशक (तत्कालीन) श्री बिनोद कुमार। मंचासीन हैं बिहार के माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय, श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव (राजभाषा), डॉ. मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव (राजभाषा) एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण।

अंचल कार्यालय, मुंबई में वार्षिक राजभाषा समीक्षा बैठक के अवसर पर श्री फिरोज हसनैन, अंचल प्रबंधक, मुंबई (तत्कालीन) श्रीमती मनीषा शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) को पुस्तक भेंट कर अभिनंदन करते हुए। इस बैठक में मुंबई अंचल के अधीन सभी मंडल कार्यालयों के मंडल प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी ऑनलाइन तथा प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे।

अंचल कार्यालय, लुधियाना द्वारा "विश्व हिंदी दिवस" के उपलक्ष्य में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन अंचल प्रबंधक, श्री परमेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। हिंदी विभाग, जीएचसी खालसा कॉलेज, लुधियाना के प्रमुख डॉ राजेंद्र सिंह साहिल संगोष्ठी में मुख्य वक्ता थे। दृष्टव्य हैं श्री संजीव कपूर, उप अंचल प्रबंधक, लुधियाना, श्री विशाल अग्रवाल, उप मंडल प्रमुख, लुधियाना एवं अन्य उच्चाधिकारीगण।

चंडीगढ़ बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में "शुरूआत समिति, हरियाणा" की पहल पर विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सरकारी कन्या महाविद्यालय, सेक्टर 11, चंडीगढ में "प्रकृति रक्षा में साहित्य" विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी के अवसर पर मंचासीन मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, अंचल प्रबंधक, चंडीगढ़ (तत्कालीन), प्रो.(डॉ.) अनीता कौशल, प्राचार्या, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, डॉ. सुधा सिंह, मुख्य वक्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय।

राजभाषा गतिविधियां

मंडल कार्यालय, कोलकाता उत्तर द्वारा "विश्व हिंदी दिवस" के अवसर पर आयोजित 'हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' के विजताओं को पुरस्कृत करते हुए श्री प्रफुल्ल कुमार, मंडल प्रमुख, कोलकाता (उत्तर) मुख्य अतिथि वक्ता श्री हरीश चोपड़ा निदेशक, पायनियर पेपर – स्टेशनरी प्रा.लि., श्री पंकज कुमार, उप मंडल प्रमुख, कोलकाता उत्तर, श्री विश्वरूप राय, सहायक महाप्रबंधक।

नराकास–ठाणे की छमाही बैठक में समिति द्वारा मंडल कार्यालय,ठाणे को वर्ष 2024–25 में राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु प्रदत 'द्वितीय पुरस्कार' स्वरूप शील्ड तथा प्रशस्ति–पत्र डॉ सुष्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम), नवीन ग्रोवर, अध्यक्ष नराकास–ठाणे से प्राप्त करते हुए श्री वैभव पड़ते, मुख्य प्रबंधक तथा सुश्री ऋतिका गुप्ता, प्रबंधक (राजभाषा)।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, त्रिची (तमिलनाडु) द्वारा आयोजित छमाही बैठक में मंडल कार्यालय, त्रिची को वर्ष 2024 के लिए उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु प्रदत्त तृतीय पुरस्कार त्रिची नराकास संयोजक (दक्षिण रेलवे) के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोच्चि के उप–निदेशक श्री अनिर्बान विश्वास से ग्रहण करते हुए उच्च अधिकारीगण तथा श्री विवेक कुमार साहू, राजभाषा अधिकारी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बुलंदशहर द्वारा आयोजित 27वीं बैठक के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु मंडल कार्यालय, बुलंदशहर को प्रदत्त प्रथम पुरस्कार मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार चौधरी, सहायक निदेशक (कार्यान्वयन) राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त करते हुए श्रीमती रिचा भास्कर, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा)।

पंजाब एंड सिंध बैंक, फरीदकोट के आंचलिक कार्यालय में आयोजित नराकास फरीदकोट की छमाही बैठक में पंजाब नैशनल बैंक को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ, नराकास अध्यक्ष से पुरस्कार ग्रहण करते हुए कार्यालय प्रमुख श्री सतीन्द्र सिंह बेदी और श्रीमती सुमित्रा देवी, प्रबंधक, राजभाषा।

नराकास मुक्तसर द्वारा आयोजित छमाही बैठक में पंजाब नैशनल बैंक को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय–I (दिल्ली) राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से पुरस्कार प्राप्त करते हुए कार्यालय प्रमुख, श्री पुलकित जिंदल और श्रीमती सुमित्रा देवी, प्रबंधक, राजभाषा।

प्रादेशिक भाषा की रचना

यह कविता उत्तराखंड के प्रसिद्ध रचनाकार अनूप सिंह रावत जी की गढ़वाली भाषा में रचित कविता से उद्धृत है जिसका हिंदी अनुवाद इसके साथ प्रदर्शित किया गया है। कविता के माध्यम से कवि ने पहाड़ों में रहने वाली नारियों की महानता को रेखांकित करते हुए उनके संघर्ष और परिवार, समाज और देश के विकास में उनके त्याग और योगदान को इंगित किया है।

"धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी..."

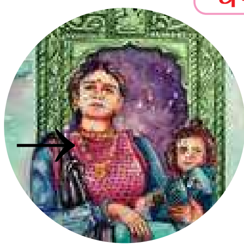

गढ़वाली भाषा

खैरी दुःख विपदा छन त्वैकू भारी.
जनु भी होलू हे हिक्मत ना हारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...

भेलू पखाण, डांडी कांठी घासा कु जांदी.
स्वामी जी की खुद मा, बाजूबंद लगान्दी.
सासु, बेटी, ब्वारी होली पहाड़ा घस्यारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...

रौली गदिन्युं छ्वाल्या मा पाणी कु जांदी.
बांजा जाड्यूं कु ठंडो मीठो पाणी ल्यांदी.
मुंडमा धैरी कसेरी आणी होली पन्यारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...

सारी पुन्गिदयूं मा रोपणी कु जाणु.
दुध्याल नौन्याल थे ऐकि बुथ्याणु.
काम काज होलू न्यरी द्वि सारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...

प्याज पिरन्यां कंडली की भुज्जी पकाली.
कुशल रख्यां स्वामी परदेश देवतों मनाली.
बौडी आला स्वामी अबकी बारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...

हर रूप मा तेरु ही नौ चा हे लथ्याली.
माँ, बेटी, ब्वारी, बोडी, काकी अर स्याली.
तीलू रामी गोरा ह्वेन यख महान
नारी..
धन धन हे मेरा पहाड़ा की नारी...।

हिंदी अनुवाद

संघर्ष, दुख, विपदा है तुम्हारे लिए भारी
जैसा भी होगा तू बस हिम्मत ना हारी
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

तड़के नित जंगलों, पहाड़ों में घास के लिए जाती
अपने स्वामी की याद में बाजूबंद है लगाती
सास, बेटी, बहू होगी पहाड़ों की घसियारी
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

नदी, नहरों, झरनों में पानी के लिए है जाती
जंगलों के जाड़े में भी ठंडा मीठा पानी है लाती
सिर पर रख कसेरी (मटकी) आती होगी पन्यारी
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

खेत–खलिहानों को रोपने के लिए जाना
दूध पीते नन्हों को ऐसे चुप कराना
काम काज होगा नजदीक की दोनों सारी (खेत)
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

प्याज, पिरन्या, कंडली (बिच्छू घास) की भुज्जी पकाती
परदेस में स्वामी(पति) को कुशल रखें देवता को मनाती
बहू आएंगे तेरे स्वामी (पति) आपकी बारी .....
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

हर रूप में तेरा ही नाम है लथ्याली (लाडली)
माँ, बेटी, बहू, ताई, चाची, और स्याली (साली)
तीलू रामी गोरा जैसी हुईं यहां महान नारी
धन्य हो, धन्य हो मेरे पहाड़ों की नारी

हृदय कुमार
राजभाषा अधिकारी
राजभाषा विभाग, प्रधान कार्यालय

PNB Magazine 2025.indd 69 5/15/2025 11:24:14 PM

पुस्तक समीक्षा-एरिक वोन दानिकेन रचित ''चेरियट्स ऑफ दी गाड्ज''

अटल बाजपेयी, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), अंचल कार्यालय, लुधियाना

ट्रेन, बस या मेट्रो में सीट मिल जाने पर किसी पुस्तक को पढ़ने से अच्छा कुछ भी नहीं हो सकता। हालांकि कुछ लोग संगीत में व्यस्त हो जाते हैं और कुछ अन्य, जिनको सीट नहीं मिलती वो आपको घूरते रहते हैं... फिर भी ऐसे ही एक सौभाग्यशाली दिन मैंने उन सब को अनदेखा करते हुए हाल ही में रोड़ पर से खरीदी एक पुस्तक "चेरियट्स ऑफ दी गाड्ज" को पढ़ने का निर्णय लिया। यह पुस्तक इतनी रोचक लगती है कि ज्ञान–विज्ञान में रूचि रखने वाले किसी भी पाठक के लिए इसके कुछ शुरुआती अनुच्छेद पढ़ कर ही दिन के अंत से पहले ही पुस्तक का समापन करने का प्रण लेना स्वाभाविक हो जाता है। धर्म और इतिहास को खगोल विज्ञान से जोड़ती इस पुस्तक के रचयिता एरिक वोन दानिकेन हैं जिन्होंने इसे 1968 में लिखा था। अपने धार्मिक ग्रंथों को नितांत कोरी कल्पना मानने वाले लोगों के लिए यह पुस्तक निश्चित रूप से पढ़ने तथा रखने योग्य है।

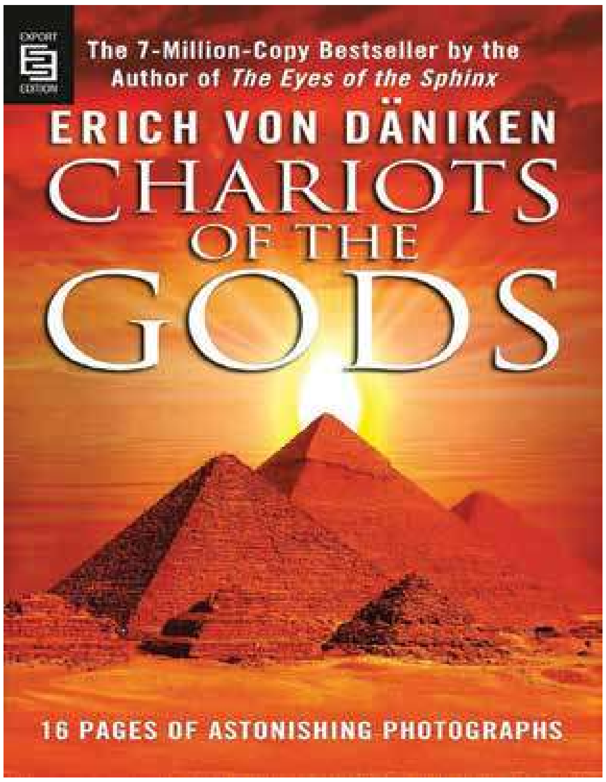

इस पुस्तक की सामान्य अवधारणा है कि मानव जाति के अतीत का ऐसा कुछ भी जिसकी उचित व्याख्या नहीं की जा सकती, वह निश्चित रूप से बाह्य अंतरिक्ष से आए यूएफओ (परग्रही, जिन्हें हम साधारण मनुष्यों ने देवता मान लिया) का काम रहा होगा। अपनी इस कार्य–कारण शैली के द्वारा दानिकेन ने न केवल विभिन्न धर्मों के ग्रंथों में आए दृष्टांतों के माध्यम से पृथ्वी पर आए संभावित अंतरिक्ष यानों की संकल्पना प्रस्तुत की है अपितु मिस्त्र के पिरामिडों, यूनानी स्थापत्य की बारीकियों, नाजका मैदान की आड़ी–तिरछी लकीरों, ईस्टर आइलैंड्स की महामानव अर्ध–प्रतिमाओं, आदि के रहस्यों को खोलने का प्रयास किया है। साथ ही दानिकेन का कहना है कि हमारे पूर्वजों द्वारा यूएफओ को देखना, उनसे संपर्क करना मात्र एक कल्पना नहीं है, अपितु वह यथार्थ है जो कालांतर में आधुनिक काल के वैज्ञानिक चिंतकों–लेखकों की महान कृतियों की प्रेरणा बना।

निस्संदेह वोन दानिकेन की अवधारणा और उनके तर्कों से असहमत हुआ जा सकता है, परन्तु इतने कम पृष्ठों में इस महान विज्ञान की इतने सारे सिद्धांतों को कम लेकिन सरल शब्दों में समझाना लेखक की सफलता कही जा सकती है। टाइम ट्रेवल के गूढ़ सूत्रों और विशिष्ट सापेक्षता सिद्धांत तक को दानिकेन ने एक आम पाठक की भाषा और ज्ञान के अनुसार समझाने का प्रयास किया है।

वॉन दानिकेन ने काफी अच्छी तरह से पुस्तक का आरंभ किया है। वह बाह्य ब्रह्मांड में जीवन की संभावनाओं के विषय में तर्कसहित बात करते हैं और बड़ी चतुराई से कहते हैं कि हमारे पाषाण युग के विकास की अवस्था के समान अवस्था में रह रहे किसी ग्रह के निवासियों के लिए यकायक अंतरिक्ष यात्रियों को देखने का अनुभव कैसा रहा होगा। यह संभावनाएं और ऐसी तस्वीर अटपटी तो नहीं लगती।

पहले अध्याय से ही लेखक विचारों में उत्तेजना एवं मन में प्रेरणा उत्पन्न करने में सफल रहे हैं। दानिकेन द्वारा दिए गए ब्रह्मांड में परग्रहियों के जीवन की संभावना संबंधित आंकड़ों को आधुनिक सांख्यिकीविदों ने भी सही पाया है। इस भविष्यवादी लेखक ने मानव जाति के वैज्ञानिक पदचिन्हों की गति को भांपते हुए मनुष्य द्वारा प्रकाश की गति से चलने की संभावना

PNB Magazine 2025.indd 70 5/15/2025 11:24:15 PM

को प्रस्तुत किया है, जो तत्कालीन आम लेखकों के लिए अवश्य ही एक दिवास्वप्न रहा होगा। यहां पर यह कहना भी आवश्यक होगा कि अपने वैज्ञानिक चिंतन के प्रवाह में यदा–कदा लेखक अपने कथनों एवं तर्कों पर अतिशय पूर्वाग्रहग्रस्त हो जाता है और सुधि पाठकों के लिए इन कथनों से संबंधित स्त्रोतों को उपलब्ध कराने की आवश्यकता तक महसूस नहीं करता। साथ ही साथ, उनका ऐसा रवैया पूरी पुस्तक में पुनः–पुनः परिलक्षित होता रहता है।

आगे चलकर यह पुस्तक कहीं–कहीं पर तार्किक से अतिशयवादी दृष्टिकोण पकड़ लेती है। हाल ही में पैदा हुआ वैज्ञानिक चिंतन संदेह और संशय की बेड़ियों में जकड़ कर हल्काने लगता है। दानिकेन पेरू में टनों तक भारी बड़ी–बड़ी चट्टानों के बारे में बात करते हैं तो हमारी कल्पनाशीलता हमारी तार्किकता से सामंजस्य नहीं बना पाती। हम नहीं समझ पाते कि किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने खदानों से 100 टन से भी ज्यादा भारी अखंड चट्टानों को निकाला होगा.. कैसे उन्होंने दूरवर्ती स्थानों तक इनको पहुंचाया होगा और फिर किस प्रकार इन पर्वतनुमा चट्टानों पर अपनी कला को उकेरा होगा? इस पुस्तक की सबसे रोचक सामग्री अर्थात प्रौद्योगिकीय भविष्यवाणियां भी अब विचित्र सी ही लगती हैं। किसी विशाल जलपोत के आकार वाले विशाल अंतरिक्ष यान का चंद्रमा पर निर्माण किया जाना जो प्रकाश की गति से चलेगा, कुछ कल्पनाशील ही लगता है।

ईश्वरवादियों का अनुसरण करते हुए लेखक ने हर अनसुलझे रहस्य का कारण भगवान रूपी परग्रहियों को मान लिया है। दानिकेन का मानना है कि यदि विज्ञान के पास किसी चीज की व्याख्या मौजूद नहीं है तो निश्चित ही वह चीज किसी चमत्कारी या अविश्वसनीय व्यक्ति अथवा घटनाओं का परिणाम रही होगी। लेखक संदेही और अज्ञानी विज्ञान से संतुष्ट नहीं है और इसीलिए हर अनसुलझी गुत्थी का कोई न कोई कारण अपनी तरफ से बता ही देता है। इस तरह से कहीं न कहीं लेखक हमें विज्ञान से दूर खींचता दिखाई देता है क्योंकि यह विज्ञान ही तो है जो मनमानी व्याख्याओं से संतुष्ट हो कर हर दिन कुछ नया और बेहतर सीखने की मानवीय प्रवृत्ति को समाप्त करने की चेष्टा करने के स्थान पर इस अज्ञानता के बीच तर्क एवं चिंतन से ज्ञान के प्रकाश तक पहुंचने के लिए हमको निरंतर प्रेरित करता रहता है।

वैज्ञानिक सोच के साथ–साथ पुस्तक में कई अनर्थक तर्कों का अंतहीन सिलसिला जारी रहता है। अपने तर्कों को सिद्ध करने के लिए दानिकेन बाइबिल से लेकर महाभारत और विश्व के अन्य धर्मों के ग्रंथों और साहित्यिक कृतियों की घटनाओं को ऐतिहासिक प्रमाण मानते हुए हमारे सामने रखने का प्रयास करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी त्रुटि है। यह पुस्तक तार्किक भ्रमों और घोर त्रुटियों का संगम सिद्ध होती है। अंततोगत्वा, कुछ हद तक यह निरर्थक ही कही जा सकती है।

मैं चाहती हूं कि तुम ....

मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो!

मुझमें समाहित असीमित क्रोध को,
शांत कर सको यदि तुम अपने अविरल प्रेम से,
तो मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।

मुझमें व्याप्त अस्थिरता को,
स्थिर कर सको यदि तुम अपने निश्चल स्पर्श से,
तो मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।

धारण कर सको मेरी प्रचंडता को,
शीश पर अपने गंगा की तरह,
तो मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।

हो सके इंतजार तुमसे सदियों तक,
जीवन के प्रारंभ से लेकर अंत तक,
और हो सके मृत्यु के उस पार तक,
तो मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।

कर सको स्वीकार मेरी शक्ति को,
और कर सको स्वीकार मेरी सांसारिक विरक्ति को,
तो मैं चाहती हूं कि तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।
हां तुम मेरे इष्ट, मेरे शिव बनो।।

गीतांजलि
वरिष्ठ प्रबंधक
सतर्कता प्रभाग, प्रधान कार्यालय

PNB Magazine 2025.indd 71 5/15/2025 11:24:15 PM

रहस्यमयी और अलौकिक यात्रा
(यात्रा वृतांत)

मेजर करिश्मा किरन, वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा), मंडल कार्यालय, अयोध्या

मध्य प्रदेश ''हृदय प्रदेश'' क्षेत्रफल के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। मध्य प्रदेश में कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल हैं, जैसे कि खजुराहो के मंदिर, ओरछा के राजा राम मंदिर, मैहर देवी, सांची का स्तूप, ग्वालियर का किला, और उदयगिरि के गुफा मंदिर, महाकालेश्वर और ओम्कारेश्वर ज्योतिर्लिंग, मांडू, महेश्वर, पंचमढ़ी, कुछ राष्ट्रीय उद्यान इत्यादि। हमारे द्वारा इन सभी मुख्य स्थलों की यात्रा की जा चुकी थी, इसीलिए इस बार कुछ ऐसे स्थलों की यात्रा का विचार किया जो आध्यात्मिक रूप से अत्यंत शक्तिशाली और रहस्यमयी है परन्तु लोगों में कम प्रचलित हैं। इन्हीं में से एक स्थान है दतिया और उसके निकटतम अन्य स्थल जैसे रतनगढ़ वाली माता, सोनागिर जैन मंदिर, उनाव बालाजी मंदिर, अछरुमाता मंदिर, कुंडेश्वर महादेव मंदिर, भीमकुंड एवं जटाशंकर मंदिर।

पीताम्बरा पीठ मध्य प्रदेश के दतिया शहर मे स्थित देश का एक प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। श्री गोलोकवासी स्वामीजी महाराज के द्वारा इस स्थान पर "बगलामुखी देवी" तथा "धूमवती माता" की स्थापना 1935 में की गयी थी। 10 महाविद्याओं में से एक सातवीं उग्र शक्ति मां धूमावती और आठवीं महाविद्या मां बगलामुखी है। मां बगलामुखी को ही पीतांबरा भी कहते हैं। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है, जो राजपूत और मराठा शैलियों का मिश्रण है। मुख्य मंदिर के सामने स्थित हरिद्रा झील है। एक किंवदंती के अनुसार, देवी बगलामुखी एक विनाशकारी तूफान को शांत करने के लिए 'हरिद्रा सरोवर' से प्रकट हुई थीं। झील के बीच में भगवती पीतांबरा को समर्पित एक सुंदर 'यंत्र' है और दोनों तरफ कई देवताओं के मंदिर हैं। शत्रुओं का नाश करने वाली पीतांबरा माता की सुन्दर प्रतिमा के दर्शन होते है जिसमें माता के एक हाथ में शत्रु की जिह्वा और दूसरे हाथ में अस्त्र है। देश में देवी धूमावती के बहुत कम मंदिर हैं और स्वामी जी ने भारत–चीन युद्ध के दौरान भारत की जीत सुनिश्चित करने के लिए इस मंदिर की स्थापना की थी। धूमावती माता के दर्शन केवल शनिवार को प्रातः 7.15 से 9 बजे तक और संध्या काल में 5 से 8 बजे तक ही संभव है। माई को भोग में सेव नमकीन, पकौड़े और कचौरी चढ़ाते हैं। धूमावती माता के विधवा स्वरूप के कारण सौभाग्यवती स्त्रियों के लिए दर्शन वर्जित है। पीताम्बरा पीठ में स्थित वनखण्डेश्वर मंदिर एक महाभारत कालीन शिव मंदिर है जिसके 5000 वर्ष पौराणिक होने के तथ्य को भारतीय पुरातत्व विभाग ने सत्यापित किया है। मैंने धूमावती माई, पीतांबरा माता वनखण्डेश्वर महादेव और मंदिर क्षेत्र में परशुराम जी, हनुमान जी, कालभैरव जी के दर्शन लाभ से अभिभूत हो कर अपने अगले गंतव्य की ओर प्रस्थान कर दिया।

सोनागिर मंदिर

दतिया रेलवे स्टेशन से 15 km की दूरी पर स्थित सोनागिर एक बहुत ही प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र है जिसे श्रवनगिरी या स्वर्ण गिरी भी कहते है। यह स्थान लघु संवेद शिखर के नाम से भी प्रसिद्ध है। जहां आचार्य शिव चंद्र एवम भृतहरि ऋषि ने निवास करके आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया और कुछ ग्रंथों की रचना भी की। सोनागिरि पर्वत पर भगवान चन्द्रप्रभु भी लगभग 17

PNB Magazine 2025.indd 72 5/15/2025 11:24:15 PM

बार आये। सोनागिरी पर्वत लगभग 132 एकड़ में फैला हुआ है जिस पर 77 बड़े एवं भव्य मंदिरों की एक श्रृंखला है। जिनमें से अधिकांश मंदिर अत्यंत प्राचीन है। सभी मंदिरों में मंदिर क्रमांक 57 सबसे बड़ा एवं भव्य है, जिसमें 24 में से आठवें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु की 11 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित है। इस मंदिर के निकट ही 43 फीट ऊंचा पवित्र स्तंभ भी है। सोनागिर में इन 77 मंदिरों के अतिरिक्त 26 मंदिर नीचे गांव में हैं, जिनमें से कुछ अति प्राचीन हैं। एक ही पर्वत पर इतने सारे भव्य मंदिरों का समूह आने वालों को अत्यधिक आकर्षित और मंत्र–मुग्ध करता है। मानसून के समय और पहाड़ी से चारों ओर जंगल, खेत और हरियाली दिखाई देती है जो मन को मोह लेती है। मोर और लंगूर भी विचरण करते हुए दिख जाएंगे। इन मनमोहक मंदिरों के बीच समय व्यतीत करके हम एक और पहाड़ी वाली माता के दर्शन करने हेतु चल पड़े।

रतनगढ़ वाली माता और कुंवर बाबा मंदिर

दतिया से 65 किलोमीटर दूर मर्सेनी (सेंवढ़ा)के विंध्याचल पर्वत पर रतनगढ़ वाली माता विराजी हैं। बीहड़ इलाका होने की वजह से यह मंदिर घने जंगल में पड़ता है। यह स्थान पूर्णतः प्राकृतिक और चमत्कारिक है, साथ ही एक दर्शनीय स्थल भी है। एक मंदिर है रतनगढ़ माता का और दूसरा कुंवर बाबा का मंदिर है। दीवाली की दूज पर लगने वाले मेले में यहां 20 से 25 लाख लोग दर्शन करने आते हैं।

बात लगभग 900 साल पुरानी है जब मुस्लिम तानाशाह अलाउद्दीन खिलजी ने सेंवढ़ा से रतनगढ़ में आने वाला पानी बंद कर दिया था। रतन सिंह की बेटी मांडुला व उनके भाई कुंवर गंगा रामदेव जी ने अलाउद्दीन खिलजी के फैसले का कड़ा विरोध किया। इसी विरोध के चलते अलाउद्दीन खिलजी ने वर्तमान मंदिर रतनगढ़ वाली माता के परिसर में बने किले पर आक्रमण कर दिया। राजा रतन सिंह की बेटी मांडुला बहुत सुंदर थी। उसकी सुंदरता की ख्याति से आकर्षित होकर अलाउद्दीन खिलजी ने उसे पाने के लिए रतनगढ़ की ओर सेना सहित प्रस्थान किया। उन पर मुस्लिम आक्रमणकारियों की बुरी नजर से बचने के लिए बहन मांडुला तथा उनके भाई कुंवर गंगा रामदेव ने जंगल में समाधि ले ली। तभी से यह मंदिर अस्तित्व में आया।

सिंधु नदी से छः किलोमीटर दूर स्थित रतनगढ़ माता मंदिर की स्थापना लगभग 600 वर्ष पूर्व सत्रहवीं सदी में हुई थी। छत्रपति शिवाजी जब बादशाह औरंजगेब की कैद में थे, तब उनके गुरू समर्थ रामदास, रतनगढ़ माता के मंदिर में लगभग 6 माह तक रहे और वहां उन्होंने शिवाजी को छुड़ाने की योजना बनाई थी। औरंजगेब की कैद से छूटकर शिवाजी सबसे पहले रतनगढ़ आये थे। उसी समय गुरू समर्थ रामदास और छत्रपति शिवाजी द्वारा, माता की मूर्ति की स्थापना की गई थी। प्रति सोमवार को मां के दरबार में विशाल मेला लगता है। वही नवरात्रि में लाखों श्रृद्धालु माता के दर्शन करते हैं।

शिवाजी महाराज के घंटा चढ़ाने के बाद से मंदिर में घंटा चढ़ाने की परंपरा की शुरुआत हो गई, और श्रद्धालु मनोकामना पूर्ति के लिए यहां पीतल का घंटा चढ़ाने लगे। मंदिर पर एकत्रित हुए घंटों की पूर्व में नीलामी की जाती थी। 16 अक्टूबर 2015 को जिला प्रशासन ने यहां पर एकत्रित घंटों को गलवाकर देश का सबसे वजनी बजने वाला लगभग 10 क्विंटल वजन का विशाल घंटा बनवाकर चढ़ाया है जिसकी नीचे की गोलाई का व्यास 13.5 इंच है।

किसी भी पुरुष अथवा पशु को सांप काटने पर प्रायः कुँवर साहब के नाम का बंध लगा दिया जाता है जिससे विष का प्रभाव सारे शरीर में व्याप्त नहीं होता। यह बंध कोई धागा आदि नहीं होता जिसे बांधा जाता हो। केवल कुँवर साहब की आन देकर उस स्थान के चारों ओर उंगली फेर देते हैं, इसी को बंध कहा जाता है। दीपावली के पश्चात पड़ने वाली द्वितीया के मेले में इस

PNB Magazine 2025.indd 73 5/15/2025 11:24:16 PM

चबूतरे के पास सर्प दंश वाले ऐसे लोगों और गाय, बैल, भैंस आदि के बंध काटे जाते हैं। विचित्र बात तो यह है कि पुजारी के बंध काटते ही उस व्यक्ति को मूर्छा आती है, उसे चबूतरे की परिक्रमा कराकर घर जाने दिया जाता है।

ऐसी चमत्कारी कथाओं पर विचार करते हुए हम लोग झांसी पहुंचे और रात्रि में विश्राम किया। अगली सुबह अछरू माता मंदिर के लिए पृथ्वीपुर की बस पकड़कर निकल पड़े।

अछूरू माता मंदिर

मध्य प्रदेश में चमत्कारी माता रानी का मंदिर निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मडिया में है और देवी अछूरू माता मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां पर मां कुंड से आने वाले हर भक्त से संवाद भी करती हैं, यहां मां भक्तों की फरियाद सुनती है, मां भक्तों के प्रश्नों के उत्तर भी देती है। आपका कार्य पूरा होगा अथवा नहीं माता रानी यह भी बता देती हैं। अछरू माता के इस अद्भुत कुंड से मां भक्तों को प्रसाद के रूप में नींबू, दाख, गरी, फूल, जलेबी, दही, चिरौंजी इत्यादि प्रसाद के रूप में प्रदान करती हैं। झांसी से 2 घंटे में इस मंदिर में पहुंचे। मेरे सामने एक भक्त को माता ने बूंदी दी और मुझे माता ने प्रसाद में गरी का टुकडा दिया। कुण्ड के जल का स्वाद खट्टा है और हर भक्त को चरणामृत स्वरूप जल पीने के लिए मिलता है।

बुंदेलखंड क्षेत्र सूखे की स्थिति आने पर भी कुंड में सदैव ही जल भरा रहा। दक्ष प्रजापति ने जब अपना यज्ञ किया था और शिवजी का अपमान किया था, उस वक्त मां पार्वती की आंखों में आंसू आ गए थे और यह वही स्थान हैं, जहां पर आंसू गिरे थे। माता रानी के नौ रूप की मूर्तियां, गणेश मंदिर और हनुमान मंदिर भी है। मंदिर प्रांगण में बहुत सारे लंगूर भी भक्तों का दिया प्रसाद खाते हैं। रात्रि में बड़ा मलहेरा तक पहुंच कर विश्राम किया और सुबह भीमकुंड के लिए बस में बैठ गए।

भीमकुंड

भीमकुंड, मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित एक रहस्यमयी जलकुंड है, जिसे महाभारत काल में पांडवों के वनवास के समय द्रौपदी की प्यास बुझाने के लिए भीम ने अपनी गदा से पृथ्वी पर प्रहार कर बनाया था। इस कुंड का पानी नीला होता है और इसकी गहराई आज तक नहीं पता चल पाई है।

वैदिक ऋषि नारद ने भगवान विष्णु की स्तुति में गंधर्व गान किया था, जिससे विष्णु प्रसन्न होकर कुंड से निकले और पानी नीला हो गया. जब भी कोई बड़ी आपदा आने वाली होती है, तो इस कुंड का जलस्तर बढ़ जाता है. कुंड में दो बड़े छिद्र हैं, एक में पानी तेजी से आता है और दूसरे से बाहर जाता है।

भीमकुंड का पानी इतना साफ है कि इसकी गहराई में मौजूद चीजों को आसानी से देखा जा सकता है। मान्यता है कि इसकी तीन बूंदों से प्यास बुझ जाती है, और इसमें स्नान करने से त्वचा संबंधी गंभीर से गंभीर बीमारियां भी ठीक हो जाती हैं।

मैंने भी जल का आचमन किया और स्वाद मीठा लगा। साफ पानी के गहराई में मछलियां तैरती दिख रही थीं। अब चारों ओर से लोहे के जाल लगा कर स्नान पर प्रतिबंध है पर स्थानीय लोग जल भर कर ले जाते हैं अपने घर।

स्थानीय लोग बहुत मिलनसार और मददगार है। यहां दर्शनों के बाद अपने आखिरी पड़ाव जटाशंकर मंदिर के लिए हम बस में बैठ गए।

जटाशंकर मंदिर

जटाशंकर धाम मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में बिजावर तहसील से 15 किमी. दूर स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इसे बुंदेलखंड का केदारनाथ भी कहा जाता है। यह मंदिर प्राकृतिक सुंदरता और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है। 14वीं शताब्दी का प्राचीन मंदिर, गुफा में स्थित हैं जहां भगवान शिव के शिवलिंग का हमेशा गोमुख से गिरती हुई धारा से जलाभिषेक होता है। तीन छोटे जल कुंड, जिनका पानी हमेशा विपरीत मौसम के अनुसार होता है (ठंड में गर्म, गर्मी में ठंडा), और इससे स्नान करने से कई बीमारियों से मुक्ति मिलती है।

14वी शताब्दी में विवत्सू नामक राजा को स्वप्न में जटाधारी शिव जी के द्वारा बताये गए स्थान पर शिवलिंग मिले, जहां उनकी प्राण प्रतिष्ठा करवाई। हवन करके उसके लेप को लगाने से क्रोध ग्रस्त मंत्री स्वस्थ हो गए। 1966 में खूंखार डाकू मूरत सिंह को सफेद दाग हो गए जो कुण्ड में स्नान करने से ठीक हो गया। डाकू का हृदय परिवर्तन हुआ और उसने डकैती छोड़ दी। उन्होंने यहां विशाल धनुष यज्ञ करवाया था। उन्होंने इस क्षेत्र का विकास किया था। पहाड़ से लगी धर्मशाला, सीढ़ियां और मंदिर बनाया।

यहां विशाल शिवजी की बैठी हुई मूर्ति है। तीन नेत्र और तीन सींग वाले नंदी जी भी विराजमान है। ऐसे चमत्कारी और सुंदर मंदिर का दर्शन कर के मन प्रसन्नचित हो गया।

अपनी यात्रा को इतने सुंदर पड़ाव पर समाप्त कर के घर लौटे पर यात्रा में मिले हुए अद्भुत अनुभव मेरे साथ मेरे घर तक आए और सदैव मेरे साथ रहेंगे।

PNB Magazine 2025.indd 74 5/15/2025 11:24:16 PM

आपके पत्र

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank

आपके बैंक की गृह पत्रिका "पीएनबी प्रतिभा" का अक्टूबर से दिसंबर 2024 अंक प्राप्त हुआ। धन्यवाद!

पत्रिका की साज–सज्जा तथा कलेवर मनमोहक है। पत्रिका में लेखन और प्रस्तुतिकरण बेहद आकर्षक है और ग्राफिक्स के समुचित प्रयोग से पाठकों को लेख समझने में आसानी होती है। "धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा विशेषांक समय के अनुरुप है। किसी एक ही विषय पर एक ही जगह इतनी सामग्री उपलब्ध कराना श्रमसाध्य कार्य है। इसके लिए संपादक मंडल को हार्दिक बधाई।

पत्रिका की कविता "हौसलों की उड़ान" गुनगुनाने लायक और नए भावों से सजी सुंदर कविता है और कविता "नववर्ष" मन मोह लेती है कुल मिलाकर सभी कविताएं स्तरीय व सामयिक विषयों को छूती है। पत्रिका के लेख बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस", "बैंकिंग में धोखाधड़ी प्रबंधन" "साइबर अपराधियों पर भारी भारत सरकार हमारी उम्दा और पठनीय है तथा गागर में सागर भरने का कार्य करते हैं। पत्रिका का लेख कठिनाइयां और सफलता सचमुच बहुत प्रेरणादायी है और हमें कठिनाइयों का सामना करने और लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रेरणा देता है। पत्रिका में बैंकिंग, साहित्य, कहानी, यात्रा वृतान्त का समांग मिश्रण है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संपादकीय टीम, सभी रचनाकारों एवं लेखकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। पत्रिका के आगामी अंक का इंतजार रहेगा।

धन्यवाद

अरबिन्द्र मोहन बनर्जी
महाप्रबंधक
इंडियन ओवरसीज बैंक

आई आई एफ सी एल
I I F C L

पंजाब नैशनल बैंक की तिमाही गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा अक्तूबर–दिसंबर, 2024 का अंक 65–03 प्राप्त हुआ। "धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा' विषय पर आधारित पत्रिका के इस अंक का कलेवर बहुत ही सुंदर, आर्कषक एवं मनोहारी लगा। जो अपने तमाम लेखों के माध्यम से सही अर्थों में विषय की गंभीरता एवं विशिष्टता को सत्यापित करता है।

इनमें से कुछ लेख जैसे कि अंचल प्रबंधक, श्री परमेश कुमार का बैंकिंग में आटिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), सहायक महाप्रबंधक, श्री सतीश रल्हन का 'भारतीय साइबर सुरक्षा की चुनौतियां खतरे और समाधान रणनीतियां; सहायक महाप्रबंधक, श्री रवि कान्त कौशिक का लेख 'बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी प्रबंधन और एआई की भूमिका' तथा मुख्य प्रबंधक, श्री अटल बाजपेयी का लेख 'साइबर अपराधियों पर भारी, भारत सरकार हमारी' बहुत विस्तार से ज्ञानवर्धन करते हैं और आज के युग में बैंकिंग एवं वितीय लेनदेन के लिए उपयोगी एवं सचेतक के रूप में हैं। पत्रिका में प्रकाशित अन्य कई लेख भी बैंकिंग क्षेत्र की चुनौतियों एवं सेवाओं पर ज्ञानवर्धन और बैंकिंग एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग पर प्रकाश डालते हैं।

इसके साथ ही श्री गजेन्द्र चौधरी, उप मंडल प्रमुख का लेख 'मनुष्य के संघर्ष, त्याग, समर्पण और साहस के साथ सफलता के सोपान चढ़ने को दर्शाता है वहीं श्री अभय कदम, ग्राहक सेवा सहयोगी का 'यात्रा वृतांतः हिमाचल प्रदेश' अच्छी जानकारी देता है। इसके साथ ही श्री विद्याभूषण मल्होत्रा, की कहानी– 'स्वाभिमान' एवं श्री सतीश कालरा, उप प्रबंधक (सेवानिवृत) का सत्य घटना पर आधारित संस्मरण –'मानवता की मिसाल' मानव के त्याग, स्वाभिमान एवं सेवाभाव का सार्थक संदेश देते हैं।

कुल मिलाकर आपकी पत्रिका हर दृष्टि से परिपूर्ण एवं रोचकता से भरपूर हैं। अगले अंक की शुभकामना सहित पीएनबी प्रतिभा की उत्तरोत्तर सफलता की कामना करते हैं। सादर, सधन्यवाद।

भवदीय

निखिलेश कुमार
सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)
इंडिया इनफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड

इंडिया एक्ज़िम बैंक
India Exim Bank

हमें आपकी पत्रिका पीएनबी प्रतिभा का अक्टूबर–दिसंबर, तृतीय अंक (धोखाधडी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा विशेषांक) प्राप्त हुआ। पत्रिका की विषय–वस्तु रुचिकर है। इसमें 'बैंकिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' और 'साइबर सुरक्षा' से संबंधित महत्वपूर्ण आलेख हैं, जो आज के समय में पूरी तरह से प्रासंगिक हैं। तकनीकी आलेखों के अलावा बीच–बीच में कविता, कहानी और अन्य सुंदर रचनात्मक विधाएं भी इसमें शामिल की गई हैं। साथ ही, बैंक की विविध गतिविधियों को तस्वीरों सहित पत्रिका में स्थान देना प्रशंसनीय है। कुल मिलाकर यह अंक सुंदर है। भावी अंकों के लिए शुभकामनाएं!

शुभकामनाओं सहित,

सादर, भवदीय

(हरीश कुमार)
सहायक महाप्रबंधक
भारतीय निर्यात–आयात बैंक

pnb

बैंक की तिमाही गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा–धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा' विशेषांक (अक्टूबर–दिसंबर, 2024) प्राप्त हुआ। प्रस्तुत अंक का आवरण पृष्ठ विषयानुरूप है जो इस विशेषांक को बखूबी परिभाषित करते हैं। पत्रिका में विशेषांक आधारित आलेख 'बैंकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस', 'भारतीय साइबर सुरक्षा की चुनौतियां: खतरे और समाधान रणनीतियां, 'बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी प्रबंधन और एआई की भूमिका' आदि धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा से जुड़े विविध पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डालते हैं। आलेख 'कठिनाइयां और सफलता, यात्रा वृत्तांत, कविताएं एवं पत्रिका में प्रकाशित विविध गतिविधियां पाठकों के लिए वृहत् सामग्री उपलब्ध कराती है जिससे इस विषय पर सभी स्टाफ सदस्य लाभान्वित हो सकते हैं। साथ ही, इन आलेखों के माध्यम से स्टाफ सदस्य अपने ज्ञान को बड़ा कर बैंकिंग में नियमों–विनियमों के अनुपालन में किसी भी चूक की संभावना को भी कम कर सकते हैं। अंक में प्रकाशित अन्य कविताएं एवं गतिविधियों के छायाचित्र भी पत्रिका को विविधतापूर्ण एवं संग्रहणीय बनाते हैं।

सामयिक विषय चयन, रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक अंक के प्रकाशन हेतु आपको एवं संपादकीय मंडल को बधाई एवं आगामी अंक हेतु ढेर सारी शुभकामनाएं।

भवदीय,

(दीपक कुमार श्रीवास्तव)
अंचल प्रबंधक, हैदराबाद

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra

आपके बैंक की त्रैमासिक गृह पत्रिका 'पीएनबी प्रतिभा' (धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा विशेषांक) का अक्टूबर–दिसंबर 2024 अंक प्राप्त हुआ जिसे पाकर बड़ी प्रसन्नता हुई। पत्रिका के सभी लेख पठनीय एवं संग्रहणीय है। आज के समय में जिस तरह से ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। इस पत्रिका में प्रकाशित लेख से पाठकों को ऑनलाइन बैंकिंग तथा साइबर सुरक्षा में हो रही चूक की जानकारी मिलेगी। इस तरह की पत्रिका ज्ञानवर्धक तो होती ही है साथ ही, ऐसी पत्रिका पढ़ कर मन भी प्रफुल्लित हो उठता है। इसके लिए मैं पीएनबी प्रतिभा की पूरी संपादकीय टीम को शुभकामनाएं देना चाहती हूँ और आशा करती हूँ कि पीएनबी प्रतिभा के माध्यम से ज्ञान का यह सिलसिला अनवरत चलता रहेगा और इसके आगामी अंकों के माध्यम से पाठक विभिन्न विषयों के ज्ञान का लाभ उठाते रहेंगे। मैं आशा करती हूँ कि भविष्य में भी आपकी पत्रिका में इसी प्रकार के अन्य रोचक आलेख एवं बैंकिंग जगत से संबंधित नवीन जानकारियां पढ़ने को प्राप्त होंगी। इस संग्रहणीय अंक के लिए पूरी संपादकीय टीम बधाई की पात्र है। पत्रिका के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। पीएनबी प्रतिभा के अगले अंक की उत्सुक प्रतीक्षा रहेगी।

प्रीति कुमारी गोंड
प्रबंधक
बैंक ऑफ महाराष्ट्र
अंचल कार्यालय, भुवनेश्वर

केनरा बैंक Canara Bank

आपकी गृह पत्रिका "पीएनबी प्रतिभा" अंक 65–03 की प्राप्ति के लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन एवं साइबर सुरक्षा विशेषांक एक अत्यंत प्रासंगिक और महत्वपूर्ण प्रयास है। आज के डिजिटल युग में, जहां साइबर खतरे और धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, यह पत्रिका इन चुनौतियों से निपटने के लिए जागरूकता और ज्ञान प्रदान करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है।

जोखिम प्रबंधन पर लिखे गए लेखों में विभिन्न प्रकार के जोखिमों, जैसे वित्तीय जोखिम, परिचालन जोखिम, और साइबर जोखिम, की पहचान और उनके प्रबंधन के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई है। यह लेख इस बात को रेखांकित करते हैं कि एक प्रभावी जोखिम प्रबंधन रणनीति संगठनों को अनिश्चितताओं से निपटने और उनके दीर्घकालिक स्थिरता को सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है।

भारतीय साइबर सुरक्षा की चुनौतियाँ पर लेख बहुत ही प्रासंगिक और चिंतनशील हैं। डिजिटल युग में साइबर खतरों के बढ़ते खतरों को ध्यान में रखते हुए, इस लेख में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों का गहन विश्लेषण किया गया है। साइबर हमलों से निपटने के लिए आवश्यक तकनीकी और नीतिगत उपायों पर भी प्रकाश डाला गया है।

मैं आपके संपादक मंडल को इस सुंदर और उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि आपकी यह पत्रिका भविष्य में भी पाठकों के लिए ज्ञान और प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

भवदीय,

ई रमेश
सहायक महाप्रबंधक व मुख्य राजभाषा अधिकारी
राजभाषा अनुभाग
मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय, बेंगलुरु, केनरा बैंक

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान
पीएनबी प्रतिभा में प्रकाशित रचनाओं के पुरस्कार विजेता

बैंकिंग संबंधी लेख				
क्र. सं.	**विषय/शीर्षक**	**रचियता**	**कार्यालय का नाम**	**प्राप्त स्थान**
1	ग्राहक सेवाः व्यवसाय का आधार	सुरेन्द्र कुमार केशव	कार्मिक प्रशिक्षण केंद्र, पंचकुला–2	प्रथम
2	बैंकिंग में ग्राहक सेवा का महत्व और उद्देश्य	सतीश रल्हान	प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली	द्वितीय
3	बैंकों में अनुपालनः विभिन्न आयाम	रमेन्द्र नारायण ओम	प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली	तृतीय (संयुक्त रूप से)
4	ऋण समीक्षा एवं निगरानीः विविध पक्ष एवं महत्व	रोशन चौरसिया	अंचल कार्यालय, आगरा	
हिंदी कहानी/अन्य लेख				
1	कबीर की माँ	राजीव शर्मा	प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली	प्रथम
2	नारी सशक्तिकरण–अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष	हृदय कुमार	प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली	द्वितीय
3	बदलते रिश्ते	सारिका पटेल	मण्डल कार्यालय, बड़ोदरा	तृतीय
कविता और व्यंग				
1	चिंग–तम अमातनि	दयाराम वर्मा	अंचल कार्यालय, जयपुर	प्रथम
2	जिजीविषा	गीतांजलि	प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली	द्वितीय
3	हार	मो. फारिज अजनबी	मण्डल कार्यालय, दक्षिण 24 परगना	तृतीय
अन्य (संस्मरण, रिपोर्ताज आदि)				
1	डिजिटल बैंकिंग एवं राजभाषा हिंदी–बदलते प्रतिमान	ओमप्रकाश गैरोला	सेवानिवृत्त, देहरादून	प्रथम
2	सफल शाखा प्रबंधक कैसे बने?	बी.एस. मान	सेवानिवृत्त, प्रधान कार्यालय	द्वितीय
3	बैंकिंग उत्पादों के प्रचार–प्रसार में हिंदी की भूमिका	पी. धनलक्ष्मी	मंडल कार्यालय, रांची	तृतीय

सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई

PNB Magazine 2025.indd 76 5/15/2025 11:24:18 PM

पदोन्नति तथा भावभीनी विदाई

श्री बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक के इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने पर उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित करते हुए श्री कल्याण कुमार, कार्यपालक निदेशक। दृष्टव्य हैं श्री एम. परमशिवम, कार्यपालक निदेशक, श्री राघवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी।

श्री बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक के इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने पर उनके विदाई समारोह में पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीनी विदाई देते हुए कार्यपालक निदेशकगण श्री कल्याण कुमार, श्री एम. परमशिवम एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री राघवेंद्र कुमार।

श्री राधा कृष्ण बाजपेयी, महाप्रबंधक की सेवानिवृत्ति पर शॉल भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए श्री परवीन गोयल, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रबंधक, दिल्ली अंचल।

#JustOneApp

pnb

प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (PMFME)

आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज के अधीन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MOFPI) द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (PMFME) योजना को खास तौर पर उपकरण, क्षमता निर्माण और आपूर्ति कड़ी दक्षता में सुधार हेतु वित्तीय सहायता के जरिये सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण का समर्थन करके उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य है विकास को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार लाना और छोटी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बाजार तक पहुंचना।

प्रमुख विशेषताएं :

- @35% पात्र परियोजना लागत के 35% पर ऋण-सम्बद्ध पूंजी अनुदान।
- एसएचजी, एफपीओ और उत्पादक सहकारी समितियों को सामान्य बुनियादी ढाँचे के लिए सहयोग और शुरुआती समर्थन ।
- सूक्ष्म इकाइयों के विपणन और ब्रांडिंग के लिए सहयोग।
- उद्यमों की क्षमता में वृद्धि और श्रमिकों के कौशल विकास के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण सम्बन्धी सहायता प्रदान।

अनुसरण करें : www.pnbindia.in | टोल फ्री नम्बर 1800-1800 & 1800-2021 | 1800 180 8888 पर मिस्ड कॉल करें

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! punjab national bank ...the name you can BANK upon !

Printed & Designed at Infinity Advertising Services Private Limited, Faridabad

PNB Magazine 2025.indd 78 5/15/2025 11:24:25 PM